आज का मौसम
31.0^0 अधिकतम तापमान
17.0^0 न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.33
सूर्यास्त 06.10

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com
2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ, बरेली, कानपुर, मुरादाबाद, अयोध्या, हल्द्वानी

फाल्गुन शुक्ल पक्ष त्रयोदशी 07:09 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082

रविवार, 1 मार्च 2026, वर्ष 36, अंक 25, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

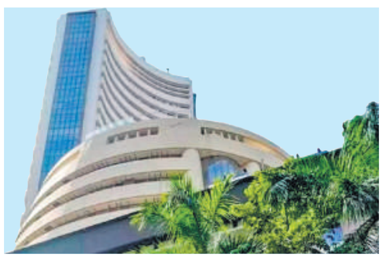

■ एनटीपीसी पर लगाया 10.86 लाख रुपये का जुर्माना - 12

■ जनवरी में 152.49 लाख लोगों ने देश में की हवाई यात्रा - 12

■ उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन बोले- भारत के विकास में स्नातकों की भूमिका अहम - 13

■ रणजी ट्रॉफी में जम्मू-कश्मीर ने रचा इतिहास, फाइनल में कर्नाटक को हराया - 14

महायुद्ध

ईरान-इजराइल जंग, झुलसा पश्चिम एशिया

अमेरिकी सहयोग से हुए हमलों के जवाब में ईरान ने सात देशों में अमेरिकी ठिकानों को बनाया निशाना

इस्तेमाल हुए 200 फाइटर जेट, तेहरान से तेल अवीब तक अंगारे और धुआं, ईरान में 200 से ज्यादा की मौत

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसियां

इजराइल ने अमेरिका के सहयोग से शनिवार सुबह ईरान की राजधानी तेहरान सहित कई बड़े शहरों में हवाई हमले किये। हमलों की तीव्रता इतनी अधिक थी कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामनेई के आवास के भी तबाह होने की खबरें हैं। हमलों के जवाब में ईरान ने शनिवार को भीषण पलटवार करते हुए सात देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों को एक साथ निशाना बनाया। तेहरान से लेकर तेल अवीव तक, आसमान मिसाइलों की रोशनी से दहक रहा है और जमीन पर चारों ओर तबाही का धुआं है। देर रात नेतन्याहू ने दावा किया कि ऐसे कई संकेत मिल रहे हैं कि खामनेई की मौत हो गयी है। उन्होंने कहा कि खामनेई का परिसर पूरी तरह नष्ट कर दिया गया है। नेतन्याहू ने स्पष्ट किया कि यह ऑपरेशन तब तक जारी रहेगा जब तक लक्ष्य पूरा नहीं हो जाता। इजराइल ने अपने खिलाफ खतरों को समाप्त करने के लिए ईरान पर एहतियाती हमला किया है।

ईरान ने जवाबी हमले इजराइल के अलावा बहरीन, यूएई, इराक, कुवैत और कतर में बने अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर किए हैं। इजराइल के हमलों में ईरान में करीब 60 छात्राओं की मौत हो गयी। इजराइल ने हमले के लिए 200 फाइटर जेट का इस्तेमाल किया। मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि ईरान के रक्षा मंत्री आमिर नासिरजादेह और ईरान के प्रमुख रक्षा बल रिवोल्यूशनरी गार्ड के कमांडर मोहम्मद पाकपोर की इन हमलों की मौत हो गयी। ईरानी मीडिया में इन खबरों का खंडन करते हुए कहा कि ख़ामेनेई को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया है। ईरानी मीडिया के अनुसार हमले में 200 से ज्यादा लोग मारे गये हैं और 700 से ज्यादा घायल हैं। 20 वॉलीबाल खिलाड़ियों की भी मौत हुई है। समाचार एजेंसी फार्स के मुताबिक राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन, पार्लियामेंट स्पीकर मोहम्मद बाघेर कलीबाफ, न्याय प्रमुख गुलाम हुसैन मोहसेनी एजेई, और आर्मी कमांडर-इन-चीफ अब्दोलरहीम मौसवी हतामी जिंदा और ठीक हैं।

ईरान के तेहरान में शनिवार को हुए विस्फोट के बाद आसमान में धुआं उठता देख लोग। ● एजेंसी

अपने भाग्य की बागडोर अपने हाथ में ले ईरान की जनता : ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरानी जनता से अपने भाग्य की बागडोर अपने हाथ में लेने और 1979 से देश पर शासन कर रहे इस्लामी नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह करने का आह्वान किया। ट्रंप ने 'बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान शुरू होने की घोषणा करते हुए एक वीडियो के माध्यम से कहा कि जब हम अपना काम पूरा कर लेंगे, तो अपनी सरकार पर कब्ज़ा कर लेना। वह तुम्हारी होगी जिसकी बागडोर तुम अपने हाथ में ले सकोगे। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी इस व्यापक लक्ष्य को दोहराया। उन्होंने कहा कि हमारा संयुक्त अभियान बहादुर ईरानी लोगों के लिए ऐसी परिस्थितियां पैदा करेगा, जिससे वे अपने भविष्य का फैसला खुद अपने हाथों में ले सकें।

कतर में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले

कतर में तैनात और बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने के लिए इस्तेमाल होने वाली खास टेक्नोलॉजी से लैस 5,000 किलोमीटर की रेंज वाला अमेरिकी एफपी-132 रडार नष्ट हो गया है। हमलों के जवाब में ईरान ने इजराइल को निशाना बनाते हुए मिसाइलों और ड्रोन दागे। इसके बाद उसने बहरीन, कुवैत और कतर में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले किए।

ईरानी हमलों के बाद यूएई ने जारी किया रेड अलर्ट, रक्षा कर्मियों को हाई अलर्ट पर रखा

अबू धाबी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने कहा है कि उसने ईरानी हवाई हमलों का तेज़ी से तथा उच्च दक्षता के मुकाबला किया है और ईरानी हमले में अब तक किसी नुकसान की खबर नहीं है। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि उसने सशस्त्र बलों को भी हाई अलर्ट पर रखा है। यूएई की सेना के मुताबिक मार गिरायी गयी मिसाइलों का मलबा अबू धाबी के अलग-अलग इलाकों में गिरा, जिसमें सादियात आइलैंड, खलीफा सिटी, बानी यास, मोहम्मद बिन जायद सिटी और अल फलाह शामिल हैं। अधिकारियों ने कहा कि प्रभावित जगहों पर कोई घायल नहीं हुआ। हमलों की आलोचना करते हुए यूएई के रक्षा मंत्रालय ने हमलों को देश की संप्रभुता और अंतर्राष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन बताया। यूएई ने कहा कि वह अपने इलाके और नागरिकों की सुरक्षा के लिए सभी ज़रूरी रक्षात्मक कदम उठाने का पूरा अधिकार रखता है।

भारत का सभी पक्षों से पश्चिम एशिया में तनाव कम करने का आह्वान

नई दिल्ली। ईरान पर अमेरिका और इजराइल द्वारा किये गए संयुक्त सैन्य हमले के बाद पश्चिम एशिया में तनावपूर्ण स्थिति के बीच भारत ने सभी पक्षों से संयम बरतने और तनाव को बढ़ने से रोकने का शनिवार को आग्रह किया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची और उनके इजराइली समकक्ष गिदोन सार के साथ फोन पर बातचीत की। जयशंकर ने अराघची को ईरान और क्षेत्र में हो रहे घटनाक्रम पर भारत की गहरी चिंता से अवगत कराया। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पश्चिम एशिया में स्थित उसके मिशन भारतीय नागरिकों के संपर्क में हैं और उन्होंने उचित परामर्श जारी करते हुए उनसे सतर्क रहने और स्थानीय सुरक्षा दिशा-निर्देशों का पालन करने को कहा है। इजराइल दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा था कि पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता भारत के सुरक्षा हितों से सीधे तौर पर जुड़ी हुई है।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, फागुन का सम्मोहन रंग-गंध का पर्व होली व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

ब्रीफ न्यूज

मार्च- मई के बीच रह सकता लू का कहर

नई दिल्ली। इस साल मार्च से मई महीने के बीच देश के अधिकांश हिस्सों में लू से प्रभावित दिनों की संख्या सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। इन क्षेत्रों में पश्चिमी राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, दक्षिणी और पूर्वी महाराष्ट्र, पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और उत्तरी कर्नाटक और उत्तरी तमिलनाडु के कुछ हिस्से शामिल हैं। आईएमडी के अनुसार मार्च-अप्रैल-मई के दौरान सामान्य से अधिक दिनों तक लू के प्रकोप की आशंका आवश्यक सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण जोखिम पैदा कर सकती है।

होली पर 1.86 करोड़ उज्जवला परिवारों को मिला तोहफा

● **लोकभवन में सिलिंडर रीफिल को 1,500 करोड़ की धनराशि की गई वितरित**

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : होली से पहले प्रदेश के 1.86 करोड़ परिवारों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ी राहत दी है। शनिवार को लोकभवन में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी के रूप में उन्होंने 1500 करोड़ रुपये जारी किए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 10 लाभार्थी महिलाओं को प्रतीकात्मक चेक भी सौंपे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में गरीब, किसान, महिलाओं और युवाओं को प्राथमिकता के आधार पर योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। उक्त क्रम में ही होली और दीपावली पर पात्र परिवारों को एक-एक मुफ्त सिलेंडर रिफिल की सुविधा दी जा रही है। योगी ने बताया कि उज्ज्वला योजना के तहत प्रदेश के 1.86 करोड़ लाभार्थियों को प्रत्येक रिफिल पर 335 रुपये की सब्सिडी उनके खाते में भेजी जाती है।

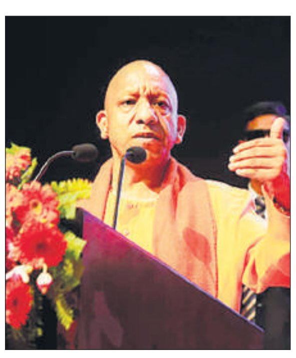

300 रुपये में मिलने लगा एचपीवी वैक्सीन : स्वास्थ्य क्षेत्र में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू किए जाने का भी उल्लेख किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस वैक्सीन की कीमत पहले लगभग 2100 रुपये थी, उसे कम करते हुए 300 रुपये तक लाया गया है। इसे निःशुल्क करने की व्यवस्था की जा रही है। मुख्यमंत्री योगी ने यह भी बताया कि महिलाओं को मजबूत आर्थिक आधार देने को 'लखपति दीदी' और शी-मार्ट (सेल्फ हेल्प आंत्रोप्रेन्योर मार्ट) जैसी पहल को आगे बढ़ाया जा रहा है। महिला उद्यमी समूहों द्वारा तैयार उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराया जा रहा है।

कैंटोनमेंट अस्पतालों में भी आयुष्मान कार्ड धारकों को इलाज

लखनऊ। जल्द ही आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों को प्रदेश के सभी कैंटोनमेंट अस्पतालों में भी इलाज की सुविधा उपलब्ध होगी। वर्तमान में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रयागराज कैंटोनमेंट अस्पताल में आयुष्मान कार्ड धारकों का नि:शुल्क इलाज दिया जा रहा है। अब शेष 12 कैंटोनमेंट अस्पतालों से स्टेट हेल्थ एजेंसी (साचीज) एमओयू साइन करेगी। साचीज की सीईओ अर्चना वर्मा ने शनिवार को बताया कि जनवरी 2026 से प्रयागराज में कार्डियोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, मेडिकल एवं सर्जिकल ऑन्कोलॉजी सहित गंभीर बीमारियों का इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। मरीजों को मुफ्त ओपीडी अप्वाइंटमेंट, जांच और गंभीर रोगियों के लिए नि:शुल्क पिक एंड ड्रॉप सुविधा भी दी जा रही है। एमओयू के बाद लखनऊ, कानपुर, मेरठ, बरेली, वाराणसी, अयोध्या, शाहजहांपुर, मथुरा, आगरा, फतेहपुर, झांसी और बबीना के कैंटोनमेंट अस्पतालों में भी आयुष्मान कार्ड धारकों का उपचार सुनिश्चित होगा।

आंध्रः पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट 21 की मौत

● **काकीनाडा में दर्दनाक हादसा; 8 घायल, मलबे में तब्दील हुई यूनिट**

वेटलापलेम (आंध्र प्रदेश)। आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले में शनिवार को एक पटाखा निर्माण इकाई में भीषण विस्फोट होने से कम से कम 21 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इस हृदयविदारक घटना में आठ अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। राज्य के मंत्री कंडुला दुर्गेश ने घटनास्थल का दौरा करने के बाद इस त्रासदी की पुष्टि की। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, विस्फोट के समय इकाई के भीतर लगभग 30 लोग मौजूद थे। मंत्री ने कहा, "अभी तक 21 शव बरामद किए जा चुके हैं। आठ घायलों का इलाज चल रहा है। यह राज्य के इतिहास के सबसे बड़े और भीषण विस्फोटों में से एक है।

धमाके से दहला इलाका : प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि पूरी निर्माण इकाई मलबे के ढेर में तब्दील हो गई और इसकी गूँज कई किलोमीटर दूर तक सुनी गई। आसपास के घरों की खिड़कियों के कांच भी टूट गए।

कांग्रेस अब मुस्लिम लीग-माओवादी गठबंधन, देश को कर रही बदनाम: मोदी

● **कहा - यह पार्टी अब भारतीयता से दूर होकर पूरी तरह विभाजनकारी विचारधारा के प्रभाव में आ चुकी है**

जयपुर, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'एआई इम्पैक्ट समिट' के दौरान कांग्रेस की युवा शाखा के कार्यकर्ताओं के विरोध-प्रदर्शन को लेकर शनिवार को विपक्षी दल पर तीखा हमला बोला और कहा कि कांग्रेस अब 'इंडियन नेशनल कांग्रेस' (आईएनसी) नहीं रही बल्कि एमएमसी यानी मुस्लिम लीग-माओवादी कांग्रेस बन गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने दुनिया भर के मेहमानों के सामने देश को बदनाम करने की कोशिश की है। राजस्थान में अजमेर के कायड़ विश्राम स्थल पर एक जनसभा में मोदी ने कहा कि मुस्लिम लीग भारत से नफरत करती थी, इसलिए उसने देश को बांट दिया और आज कांग्रेस भी वही कर रही है।

मोदी ने कहा कि इतिहास गवाह है कि मुस्लिम लीग भारत से नफरत करती थी और इसलिए मुस्लिम लीग ने देश को बांट दिया और आज कांग्रेस भी वही कर रही है। उन्होंने कहा कि माओवादी भी भारत की समृद्धि, हमारे संविधान और हमारे सफल लोकतंत्र से नफरत करते हैं। ये घात लगाकर हमला करते हैं। कांग्रेस भी घात लगाकर देश को बदनाम करने के लिए कहीं भी घुस जाती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के ऐसे कुकर्मों को देश कभी माफ नहीं करेगा।" मोदी ने कहा कि देश को बदनाम करना, देश की सेनाओं को कमजोर करना... ये कांग्रेस की पुरानी आदत रही है। उन्होंने कहा, "यही कांग्रेस है जिसने हमारी सेना के जवानों को हथियारों व वर्दी तक के लिए तरसा के रखा था। मोदी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की बढ़ती साख का हवाला देते हुए कहा कि आज जब पूरी दुनिया भारत की डिजिटल क्रांति और आर्थिक प्रगति की प्रशंसा करती है, तो हर हिंदुस्तानी गर्व महसूस करता है। लेकिन कांग्रेस को यह गौरव बर्दाश्त नहीं होता। वह वैश्विक मंचों पर जाकर देश की छवि खराब करने और भारत को नीचा दिखाने की कोशिश करती है।

अजमेर में 14 वर्षीय लड़कियों के लिए राष्ट्रव्यापी ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) टीकाकरण अभियान के शुभारंभ के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

राष्ट्रव्यापी एचपीवी टीकाकरण की शुरुआत

जयपुर। प्रधानमंत्री मोदी ने 'सर्वाइकल कैंसर' के विरुद्ध राष्ट्रीय 'ह्यूमन पैपिलोमावायरस' (एचपीवी) टीकाकरण अभियान की शुरुआत राजस्थान के अजमेर से की। उन्होंने इस अभियान को देश की नारीशक्ति को सशक्त करने की दिशा में अहम कदम करार दिया। नौ से 14 वर्ष की पांच बालिकाओं को एचपीवी टीका लगाए जाने के बाद मोदी ने उनसे संवाद भी किया।

15 हजार करोड़ की जीएसटी चोरी का आरोपी हरियाणा से गिरफ्तार

● **फर्जीवाड़ा कर 3500 फर्म का रजिस्ट्रेशन कराया, सरकार को लगाई चपत**

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: करोड़ों रुपये के जीएसटी चोरी के आरोपी बलदेव उर्फ बल्ली को एसटीएफ ने हरियाणा से गिरफ्तार कर लिया। वह लंबे समय से फरार चल रहा था। उस पर 50 हजार का इनाम था।

आरोपी को नोएडा के सेक्टर-20 थाने में दाखिल किया गया है। जांच में सामने आया है कि आरोपी ने फर्जी पैन व दस्तावेजों के आधार पर 3500 फर्म का रजिस्ट्रेशन कराया था। करीब 15 हजार करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी कर सरकार को आर्थिक चपत लगाई। आरोपी के खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। एसटीएफ एएसपी राज कुमार मिश्रा व डिप्टी एसपी नोवेंदु कुमार की टीम ने हरियाणा के हिसार स्थित डोगरान मोहल्ले में शुक्रवार को छापेमारी कर आरोपी बलदेव उर्फ बल्ली को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने वर्ष 2012 में पंजाब यूनिवर्सिटी से एमबीए किया था। पहले उसने हिसार में मेडिकल स्टोर खोला, लेकिन लाभ न होने पर उसे बंद कर दिया। वर्ष 2014 से वह पुरानी गाड़ियों की खरीद-फरोख्त का काम करने लगा। इसी दौरान उसकी पहचान दिल्ली निवासी अर्चित गोयल से हुई थी।

बलदेव उर्फ बल्ली

कोर्ट में पेशी के बाद बलदेव को भेजा जेल

एसटीएफ के मुताबिक एक मामले में एक पत्रकार के पैन कार्ड पर फर्जी फर्म बनाकर करोड़ों रुपये की जीएसटी चोरी किए जाने की शिकायत पर नोएडा के सेक्टर-20 थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई थी। जिसमें गिरोह के कई सदस्यों को पहले ही गिरफ्तार किया गया। गिरोह के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई भी की गई है। पुलिस ने बलदेव उर्फ बल्ली को गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

भविष्य की पटरी

नीले धुएं से आजादी, अब पानी छोड़ते हुए दौड़ेगी 'देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन'

जींद से सोनीपत के बीच सफल रहा हाइड्रोजन ट्रेन का ट्रायल

● **भारत बना दुनिया का पांचवां ऐसा देश जिसके पास है अपनी क्लीन-फ्यूल रेल तकनीक**

नई दिल्ली/जींद, अमृत विचार

भारतीय रेलवे ने आज विज्ञान के एक सुंदर सपने को हकीकत की पटरी पर उतार दिया। हरियाणा के जींद स्टेशन पर जब देश की पहली 'हाइड्रोजन ट्रेन' ने अपनी पहली सीटी बजाई, तो वह केवल एक सफर की शुरुआत नहीं थी, बल्कि डीजल के धुएं से पर्यावरण को मिलने वाली मुक्ति का ऐलान भी था।

यह ट्रेन दुनिया की सबसे उन्नत हरित तकनीकों में से एक, 'हाइड्रोजन फ्यूल सेल' से लैस है। ट्रायल के बाद रेल मंत्रालय ने कहा कि आज का दिन भारतीय इंजीनियरिंग के लिए गर्व का क्षण है। हम न केवल तकनीक को अपना रहे हैं, बल्कि नेट ज़ीरो' कार्बन उत्सर्जन की वैश्विक लड़ाई का नेतृत्व भी कर रहे हैं।

सस्ते सफर का वादा

तकनीक हाई-टेक है, लेकिन आम आदमी की जेब का ख्याल रखा गया है। जींद-सोनीपत रूट पर किराया 5 रुपये से 25 रुपये के बीच रखने का प्रस्ताव है, जो इसे बस और ऑटो से भी सस्ता बनाता है।

कैसे काम करती है यह 'जादुई' ट्रेन?

- **ईंधन :** ट्रेन की छत पर लगे विशेष टैंकों में कंप्रेस्ड हाइड्रोजन गैस भरी जाती है।
- **प्रक्रिया :** फ्यूल सेल के अंदर हाइड्रोजन और हवा की ऑक्सीजन के बीच रासायनिक अभिक्रिया होती है।
- **आउटपुट :** इस प्रक्रिया से बिजली पैदा होती है जो बैटरी को चार्ज करती है और पहियों को घुमाती है।
- **वेस्ट :** वेस्ट के नाम पर सिर्फ पानी की बूंदें टपकती हैं।

डीजल की गड़गड़ाहट नहीं, मेट्रो जैसा सुकून

इस ट्रेन की सबसे चौंकाने वाली बात इसकी शांति है। न तो इंजन का शोर है और न ही डीजल जलने की गंध। बिजली पैदा करने के लिए जब हाइड्रोजन और ऑक्सीजन का मिलन होता है, तो बाय-प्रोडक्ट के रूप में केवल शुद्ध पानी (HO) और भाप निकलती है। आज के ट्रायल के दौरान ट्रेन की छतों से धुआं नहीं, बल्कि सफेद भाप के बादल निकलते देखे गए, जो भविष्य की 'क्लीन ग्रीन रेलवे' की तस्वीर पेश कर रहे थे।

क्यों है यह खास?

यह ट्रेन एक बार टैंक भरने पर 140 किमी/घंटा की रफ्तार से लगभग 1000 किलोमीटर तक का सफर तय कर सकती है। इसे चलाने का खर्च डीजल के मुकाबले भले ही अभी अधिक हो, लेकिन पर्यावरण को होने वाले फायदे अनमोल हैं।

ट्रायल के साथ ग्लोबल क्लब में भारत की एंट्री

अब तक केवल जर्मनी, चीन, स्वीडन और जापान के पास ही यह तकनीक व्यावसायिक स्तर पर थी। भारत इस 'एलीट क्लब' में शामिल होने वाला पांचवां देश बन गया है। जींद में विशेष रूप से स्थापित 'हाइड्रोजन फिलिंग स्टेशन' अब देश के अन्य हिस्सों के लिए एक मॉडल के रूप में काम करेगा।

न्यूज ब्रीफ

शक्ति भवन के 56 कर्मी बने समीक्षा अधिकारी

अमृत विचार, लखनऊ : होली से पहले शक्ति भवन में शनिवार को खुशी का माहौल देखा गया। विद्युत कारपोरेशन में कार्यरत 56 कर्मचारियों को प्रमोशन करके समीक्षा अधिकारी बना दिया गया है। प्रदेश मुख्यालय कर्मचारी संघ के महामंत्री आशीष तिवारी ने बताया कि शक्ति भवन मुख्यालय में 54 सहायक समीक्षा अधिकारियों की प्रोन्नति समीक्षा अधिकारी के पद पर और दो समीक्षा अधिकरियों की प्रोन्नति अनुभाग अधिकारी के पद पर हुई है। प्रबंधन ने कारपोरेशन मुख्यालय के इतिहास में पहली बार एक साथ इतने कार्मिकों को प्रोन्नति दी है। संघ के अध्यक्ष अंकित सिंह के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष आशीष गोयल एवं प्रबन्ध निदेशक पंकज कुमार से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंप कर धन्यवाद दिया।

चेयरमैन और विद्युत कर्मचारी नेता 5 मार्च को होंगे आमने-सामने

अमृत विचार, लखनऊ : पावर कारपोरेशन के निजीकरण करने के प्रयास और कर्मचारियों को कथित तौर पर दलाल कहने के आरोप में कर्मचारियों का गुस्सा चरम पर है। इस मुद्दे पर 5 मार्च को पावर कारपोरेशन के चेयरमैन आशीष गोयल और राज्य विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के पदाधिकारी आमने–सामने बैठकर कोई रास्ता निकालेंगे। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक शैलेन्द्र दुबे ने बताया कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शनिवार को समिति के पदाधिकारी पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष से वार्ता के लिए शक्ति भवन पहुंचे, लेकिन मुलाकात नहीं हो सकी। अब उन्होंने 5 मार्च को बातचीत करने का समय दिया है।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को दी श्रद्धांजलि

अमृत विचार, लखनऊ : पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की पुण्यतिथि पर शनिवार को उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि डॉ. प्रसाद भारतीय लोकतंत्र की मजबूत नींव, त्याग, सादगी और राष्ट्रसेवा के प्रतीक थे। स्वतंत्रता संग्राम और संविधान निर्माण में उनका योगदान अविस्मरणीय है। प्रथम राष्ट्रपति के रूप में उन्होंने गरिमा, निष्पक्षता और समर्पण के साथ दायित्व निभाया। उप मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से उनके आदर्शों को अपनाकर लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त बनाने का आह्वान किया।

योगी के सिंगापुर-जापान दौरे में 1.5 लाख करोड़ के एमओयू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री ने चार दिवसीय विदेश यात्रा में उप्र. का भविष्य गढ़ने को हर क्षण का किया उपयोग

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हालिया सिंगापुर और जापान दौरा केवल औपचारिक विदेश यात्रा नहीं, बल्कि निवेश और विकास के स्पष्ट एजेंडे के साथ किया गया अभियान रहा। चार दिवसीय दौरे में मुख्यमंत्री ने उद्यमियों, औद्योगिक समूहों और भारतीय प्रवासियों से लगातार मुलाकात कर उत्तर प्रदेश में निवेश की संभावनाओं को प्रस्तुत किया। सरकार के अनुसार इस दौरे के दौरान करीब डेढ़ लाख करोड़ रुपये के एमओयू और लगभग ढाई लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों पर सहमति बनी।

समयांतर की चुनौतियों और लंबी हवाई यात्राओं के बावजूद मुख्यमंत्री योगी का कार्यक्रम लगातार व्यस्त रहा। सिंगापुर पहुंचने के कुछ घंटों के भीतर ही उन्होंने भारतीय राजनयिक अधिकारियों और उद्योग प्रतिनिधियों से बैठकें शुरू कर दीं। दो दिनों तक औद्योगिक इकाइयों के भ्रमण, निवेशकों से संवाद और रोड शो जैसे कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद वह टोक्यो के लिए रवाना हुए। इस दौरान कोई औपचारिक कार्यक्रम नहीं, किसी दर्शनीय स्थल का भ्रमण नहीं, बस मिनट टू मिनट बैठकें, लगातार बैठकों, औद्योगिक दौरों और प्रतिनिधिमंडलों से संवाद के बीच मुख्यमंत्री ने समय का अधिकतम उपयोग किया। अधिकारियों के अनुसार दौरे में औपचारिक कार्यक्रमों की बजाय निवेश-केंद्रित बैठकों पर फोकस रखा गया।

सरकार का दावा है कि इन प्रस्तावित निवेशों से प्रदेश में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे और औद्योगिक आधार मजबूत होगा। निवेशकों ने एक्सप्रेस-वे नेटवर्क, डिफेंस कॉरिडोर, बेहतर कानून-व्यवस्था और सिंगल विंडो क्लीयरेंस प्रणाली को सकारात्मक संकेतक बताया।

निवेश बढ़ाने का एजेंडा स्पष्ट

जापान में भी उन्होंने प्रमुख औद्योगिक कंपनियों के प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात की। टोक्यो के हानेडा हवाई अड्डे पहुंचने के कुछ ही घंटों बाद बैठकें शुरू हो गईं। वहां भी दो दिन तक निवेश आकर्षित करने पर केंद्रित कार्यक्रम चले। अधिकारियों का कहना है कि हर बैठक का एजेंडा स्पष्ट था और प्राथमिकता उत्तर प्रदेश में मैन्युफैक्चरिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, डिफेंस और टेक्नोलॉजी सेक्टर में निवेश बढ़ाने पर रही।

उद्योगों को मिलेगी नई गति

प्रदेश सरकार इस दौरे को उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मान रही है। यदि प्रस्तावित निवेश धरातल पर उतरते हैं तो पूर्वांचल से बुंदेलखंड तक औद्योगिक गतिविधियों को नई गति मिल सकती है। सरकार का मानना है कि यह दौरा वैश्विक स्तर पर उत्तर प्रदेश की बदलती छवि और निवेश–अनुकूल वातावरण का संकेत है।

यूपी में आतंक के लिए कोई जगह नहीं : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यूट्यूबर पर हमले को लेकर दिए सख्त कार्रवाई के आदेश

अमृत विचार: गाजियाबाद के यूट्यूबर सलीम वास्तिक पर हुए जानलेवा हमले के मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है। उन्होंने अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई के आदेश देते हुए कहा कि यूपी में आतंक की कोई जगह नहीं है। पुलिस ने एआईएमआईएम के नेता समेत सात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। उधर घायल यूट्यूबर की हालत गंभीर बनी हुई है।

यूट्यूबर सलीम पर शुक्रवार की सुबह आधा दर्जन लोगों ने हमला कर दिया था। बताया जाता है कि यूट्यूबर सलीम ने कथित तौर पर मुस्लिम धर्म छोड़ दिया है। इसी की रंजिश में उस पर हमला किया गया। उधर पुलिस ने एआईएमआईएम नेता अजगर, अशरफ, शाहरुख, सोनू तथा भाटी बिल्डर समेत सात के खिलाफ मुकदमा कायम किया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दस विशेष टीमें गठित की गई हैं।

बसपा विधायक के यहां छापेमारी के बाद आयकर की टीम वापस

98 करोड़ रुपये से अधिक की टैक्स चोरी का खुलासा होने की आशंका

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- जेवर, नकदी और दस्तावेजों की सूची बनाकर कराई रिसीव
- स्ट्रांग रूम में जमा कराए गए सीज दस्तावेज व जेवर-नकदी

अमृत विचार: बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के लखनऊ समेत अन्य ठिकानों पर चल रहे आयकर के छापे तीन दिन बाद समाप्त हो गए। शुक्रवार की आधी रात के बाद करीब ढाई बजे टीमें चली गईं। दावा है कि करीब 98 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी पकड़ी गई। छापे के दौरान सीज किया जेवर, नकदी और अन्य दस्तावेजों की एक लिस्ट बनाकर विधायक के परिजनों को एक कापी सौंपी और रिसीविंग भी ली गई। उसके बाद आयकर विभाग की टीम ने सभी सीज सामान को विभाग के लाकर में सुरक्षित रख दिया। अब नोटिस देकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि बुधवार को बलिया के रसड़ा से विधायक उमाशंकर सिंह के लखनऊ स्थित गोमतीनगर के आवास और छात्र शक्ति कंस्ट्रक्शन व साईराम इंटरप्राइजेज आफिस के साथ ही बलिया, कौशांबी और सोनभद्र समेत कई स्थानों पर आयकर विभाग की टीमों ने छापेमारी की थी। जांच में पाया कि कंपनियों के नाम पर खनन और निर्माण के ठेकों से करोड़ों की बेनामी संपत्ति एकत्र की गई। आयकर विभाग की टीमों ने कार्रवाई के दौरान बरामद नकदी, जेवर, बेनामी संपत्तियों के दस्तावेज, खर्चे की पर्चियां, डायरियां और हाथ से लिखे हिसाब-किताब के साथ इलेक्ट्रानिक दस्तावेजों की एक लिस्ट बनाकर सीज कर दिया गया। अब टीमें बरामद दस्तावेजों के आधार पर आगे की कार्रवाई अमल में लाएगी। हालांकि आयकर विभाग की ओर से कार्रवाई का कोई भी अधिकृत ब्यौरा नहीं दिया है। उधर विधायक के एक नजदीकी ने बताया कि आयकर विभाग की कार्रवाई में कुछ खास नहीं मिला है।

बाधाएं और कठिनाइयां जीवन का हिस्सा : युकेश

आयकर विभाग की कार्रवाई समाप्त होने के बाद बसपा विधायक के बेटे प्रिंस युकेश सिंह ने एक्स पर लगातार दो पोस्ट किए। एक पोस्ट में लिखा कि बाधाएं और कठिनाइयां जीवन का हिस्सा होती हैं। इन्कम टैक्स के अधिकारियों की जांच प्रक्रिया थी, जो अब खत्म हो चुकी है। इस परिस्थिति में जो लोग हमारे परिवार का संबल बने। हमारा हौसला बढ़ाया, उसके लिए हृदय से धन्यवाद और आभार व्यक्त करते हैं। वहीं दूसरे पोस्ट विधायक के बेटे ने महाभारत को दो लाइन लिखीं है। कहा– मेरे रथ की रस्सी कस कर पकड़ना माधव, ये मेरे संघर्षों का आखिरी युद्ध होने वाला है।

विधायक के करीबियों की बढ़ी बैचेनी

आयकर विभाग की टीम चली गई है और अभी फाइनल असेसमेंट की कार्रवाई होनी है। फिर भी बसपा विधायक के निकट के लोग जो कि खनन और निर्माण कार्य के ठेकों में शामिल रहे, उनके चेहरों पर खासी बैचेनी देखी गई। शुक्रवार को दोपहर में कई लोग विपुल खंड स्थित छात्र शक्ति कंस्ट्रक्शन के आफिस के बाहर देखे गए। उनमें आयकर कार्रवाई के दौरान क्या हुआ, उसे जानने की जिज्ञासा थी।

लखनऊ स्थित केजीएमयू के कन्वेंशन सेंटर में एचपीवी वैक्सीनेशन कार्यक्रम का शुभारंभ करते उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक।

एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू बालिकाओं को लगेगा निःशुल्क टीका

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- केजीएमयू के सभागार में प्रधानमंत्री के टीकाकरण शुभारंभ कार्यक्रम का हुआ सीधा प्रसारण

अमृत विचार : देश में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान की शुरुआत हुई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अजमेर (राजस्थान) से कार्यक्रम की शुरुआत की, जबकि उत्तर प्रदेश में राज्य स्तरीय अभियान का शुभारंभ प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने केजीएमयू के अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में किया।

कार्यक्रम के दौरान 15 बालिकाओं को एचपीवी टीका लगाकर प्रदेश में अभियान की विधिवत शुरुआत की गई। इस मौके पर राज्य मंत्री चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मयंकेश्वर शरण सिंह, चिकित्सा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष, केजीएमयू की कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानन्द सहित स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री के राष्ट्रीय शुभारंभ कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी सभागार में देखा गया।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियों और महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर की बढ़ती चिंता को देखते हुए यह ऐतिहासिक पहल की गई है। उन्होंने इसे बालिकाओं के स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर बताया और कहा कि सरकार का लक्ष्य प्रत्येक पात्र बालिका तक यह जीवनरक्षक टीका पहुंचाना है।

अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने कहा कि इस अभियान से भविष्य में गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के मामलों में उल्लेखनीय कमी आएगी और मातृ-स्वास्थ्य संकेतकों में सुधार होगा। साथ ही स्पष्ट किया कि यह टीका पूरी तरह सुरक्षित, प्रभावी और सरकार की ओर से निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा।

14 -15 वर्ष की बालिकाओं को लगेगा टीका

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अगले एक वर्ष में प्रदेश की लगभग 24 लाख 39 हजार 210 बालिकाओं को टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया है, जिन्होंने 14 वर्ष की आयु पूरी कर ली है और 15 वर्ष से कम हैं। शुरुआती तीन महीनों में टीका जिला अस्पतालों और ब्लॉक स्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर उपलब्ध रहेगा, बाद में इसे नियमित टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल किया जाएगा।

होली से पहले मिलावटखोरों पर शिकंजा, 699 टन खाद्य सामग्री जब्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अभियान के तहत प्रदेशभर में निर्माण इकाइयों, मंडियों और टोल नाकों पर विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया

अमृत विचार : होली पर्व के मद्देनजर मिलावटी खाद्य पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) ने व्यापक कार्रवाई की है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर बीते 19 फरवरी से 28 फरवरी तक प्रदेशभर में निर्माण इकाइयों, रिलेबलर-पैकर, कोल्ड स्टोरेज, अस्थायी भट्टियों, मंडियों और टोल नाकों पर विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की आयुक्त डॉ.रोशन जैकब ने बताया कि अभियान के दौरान 4082 निरीक्षण और 1092 छापे डाले गए। 1487 खाद्य नमूने जांच के लिए लिए गए। कुल 699 टन खाद्य सामग्री जब्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 10.56 करोड़ रुपये है। साथ ही 35.5 टन सामग्री नष्ट कराई गई। उन्होंने बताया कि खाद्य तेल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए गठित 58 अंतर्जनपदीय टीमों ने 64 विनिर्माण इकाइयों का निरीक्षण किया। 210 नमूने लिए गए और 415.2 टन संदिग्ध तेल (लगभग 6.43 करोड़ रुपये मूल्य) सीज किया गया। 37 इकाइयों को सुधार नोटिस जारी किए गए। इसके अलावा टोल नाकों पर 327 स्थानों की जांच में 23.8 टन खाद्य सामग्री सीज और 7.3 टन नष्ट कराई गई। मिलावट के मामलों में पांच एफआईआर दर्ज की गईं। उन्होंने बताया कि जनता से अपील की गई है कि खाद्य पदार्थ खरीदते समय बिल लें और मिलावट की सूचना हेल्पलाइन 1800-180-5533 या व्हाट्सएप 9793429747 पर दें।

रेड सैंड बोआ व पैंगोलिन की खाल के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

पकड़े गए अंतरराज्यीय वन्यजीव तस्करी गिरोह के सदस्य। अमृत विचार

अमृत विचार: एसटीएफ और वन विभाग की संयुक्त टीम ने मिर्जापुर में अंतरराज्यीय वन्यजीव तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। शनिवार को अदलहाट थाना क्षेत्र स्थित नारायणपुर शनिदेव मंदिर के पास छापेमारी कर टीम ने एक रेड सैंड बोआ सर्प और करीब दो किलोग्राम पैंगोलिन की खाल बरामद की। बरामद खाल की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब एक करोड़ रुपये आंकी गई है।

गिरफ्तार आरोपियों में वाराणसी के उमर फारूक, कोलकाता के अजहरूद्दीन अहमद और मिर्जापुर के राम प्रकाश पाठक शामिल हैं। इनके पास से केमिकल व इंजेक्शन भी बरामद किए गए। एसटीएफ के अनुसार गिरोह पूर्वी उत्तर प्रदेश में सक्रिय था और दुर्लभ वन्य जीवों की तस्करी करता था। वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो से मिली सूचना पर कार्रवाई की गई।

पूछताछ में सामने आया कि रेड सैंड बोआ और पैंगोलिन की खाल का उपयोग कथित तौर पर शक्तिवर्धक दवाओं व कॉस्मेटिक उत्पादों में किया जाता है। वन विभाग ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है।

खादी प्रदर्शनी में 54 लाख से अधिक की बिक्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

उत्कृष्ट प्रदर्शन पर उद्यमियों को सम्मानित करते प्रमुख सचिव कृषि रविन्द्र कुमार।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उप्र. खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा आयोजित "लघु खादी एवं ग्रामोद्योगी प्रदर्शनी" का शनिवार को समापन हो गया। बोर्ड मुख्यालय परिसर में 20 से 28 फरवरी तक चली इस प्रदर्शनी में 46 स्टॉल लगाए गए, जिनमें खादी वस्त्र, हर्बल गुलाल, शहद, पापड़-बड़ी, नमकीन, आंवला उत्पाद, रेशम व सिल्क साड़ियां तथा हस्तशिल्प वस्त्रों की अच्छी बिक्री हुई।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री राकेश सचान के निर्देशन में आयोजित प्रदर्शनी में इस वर्ष 54.23 लाख रुपये की बिक्री दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष के 50.17 लाख रुपये से अधिक है। समापन समारोह में प्रमुख सचिव कृषि रविन्द्र कुमार ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले उद्यमियों को सम्मानित किया। प्रथम पुरस्कार ग्रामोदय संस्थान, सीतापुर को, द्वितीय श्रुति शुक्ला (लखनऊ) और तृतीय द्राक्षा फैशन (लखनऊ) को प्रदान किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी का उद्देश्य स्थानीय कारीगरों को बाजार उपलब्ध कराना और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना है। होली के अवसर पर बड़ी संख्या में खरीदार पहुंचे, जिससे कारीगरों और उद्यमियों को बड़ा मंच मिला।

होली पर अवैध शराब पर कड़ी नजर रखने के निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के मुख्य सचिव एसपी गोयल ने होली पर्व के मद्देनजर प्रदेश में कानून-व्यवस्था और आबकारी व्यवस्था की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक में उन्होंने कहा कि किसी भी जिले में अवैध या जहरीली शराब के सेवन से कोई दुर्घटना नहीं होनी चाहिए।

मुख्य सचिव ने शनिवार को संवेदनशील जिलों में विशेष सतर्कता बरतने, अंतरराज्यीय सीमाओं पर सघन चेकिंग अभियान चलाने और अवैध शराब के उत्पादन व बिक्री पर पूरी तरह रोक लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शराब की दुकानों, ढाबों और अन्य संभावित स्थानों का औचक निरीक्षण किया जाए तथा अधिक दर पर बिक्री की शिकायत न मिले। भांग की अधिकृत दुकानों पर गांजा बिक्री रोकने के भी निर्देश दिए गए।

एसपी गोयल ने अधिकारियों से कहा कि त्योहार के दौरान दुकानों को अनावश्यक रूप से लंबे समय तक बंद न रखा जाए, क्योंकि इससे अवैध बिक्री को बढ़ावा मिल सकता है। स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार ही बंदी का निर्णय लिया जाए, ताकि व्यवस्था संतुलित बनी रहे।

अभियान — मुख्यमंत्री के निर्देश पर महिला दिवस 8 मार्च की समय–सीमा तय : मुख्य सचिव

स्कूलों में शौचालय होंगे पूरी तरह क्रियाशील

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

मुख्य सचिव एसपी गोयल।

अमृत विचार : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) से पहले राज्य सरकार ने बालिकाओं की गरिमा, सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए बड़ा अभियान शुरू किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उन्नाव, कानपुर नगर, रायबरेली, अयोध्या, रामपुर सहित 42 जिलों के सभी सरकारी विद्यालयों में बने शौचालयों को पूरी तरह क्रियाशील बनाने की समय-सीमा तय कर दी गई है।

मुख्य सचिव एसपी गोयल ने शनिवार को उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए कि 8 मार्च तक सभी विद्यालयों के शौचालय उपयोग योग्य स्थिति में हों। उन्होंने कहा कि केवल निर्माण कार्य पूरा होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि नियमित सफाई, स्वच्छता, जल उपलब्धता, आवश्यकतानुसार बिजली व्यवस्था और सुरक्षित दरवाजों की स्थिति भी सुनिश्चित की जाए।

सरकार का विशेष जोर छात्राओं के लिए पृथक एवं सुरक्षित शौचालयों की उपलब्धता पर है। अधिकारियों का मानना है कि स्वच्छ और सुरक्षित सुविधा मिलने से छात्राओं की उपस्थिति बढ़ेगी और ड्रॉपआउट दर में कमी आएगी। मासिक धर्म के दौरान छात्राओं को होने वाली असुविधा भी कम होगी। साथ ही स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य पूरा न होने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

स्वच्छ शौचालयों की तस्वीरें पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य

शौचालयों की निगरानी के लिए 'प्रेरणा पोर्टल' पर फोटो अपलोड करना अनिवार्य किया गया है। प्रत्येक विद्यालय को शौचालय के अंदर और बाहर की स्पष्ट तस्वीरें अपलोड करनी होंगी, जिससे शासन स्तर पर रियल–टाइम मॉनिटरिंग हो सके। जिलाधिकारियों, मुख्य विकास अधिकारियों और बेसिक शिक्षा अधिकारियों को भौतिक सत्यापन के निर्देश दिए गए हैं।

महिलाओं को प्रशिक्षण देकर लघु उद्योगों को दें बढ़ावा

राज्यपाल ने इंडिया इंटरनेशनल एग्रो ट्रेड फेयर में किसानों को किया सम्मानित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

उत्कृष्ट कार्य के लिए किसान को सम्मानित करतीं राज्यपाल। अमृत विचार

अमृत विचार: राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। ग्रामीण महिलाएं उद्यमिता एवं स्वयं सहायता समूह कृषि विकास की महत्वपूर्ण धुरी बनते जा रहे हैं। केन्द्र सरकार द्वारा प्रस्तुत कृषि बजट, उर्वरक सब्सिडी, कृषि अनुसंधान जैसे प्रावधान कृषि को आत्मनिर्भर बनाने के लिए महत्वपूर्ण कदम हैं। एग्रोटेक प्रदेश की कृषि को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में पुल का कार्य करेगा।

राज्यपाल शनिवार को गन्ना अनुसंधान संस्थान में आयोजित इंडिया इंटरनेशनल एग्रो ट्रेड फेयर-ग्लोबल एग्रोटेक-2026 के समापन समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि कृषि के नवयुग की प्रस्तावना है। इण्डियन चैम्बर ऑफ फूड एण्ड एग्रीकल्चर के साथ ही राज्य सरकार एवं सभी सहयोगी संस्थानों की इस दूरदर्शी पहल के लिए बहुत साधुवाद है।

उन्होंने कहा कि एग्रोटेक तकनीक एवं परंपरा, अनुसंधान एवं अनुभव तथा नीति एवं प्रकृति के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है। बीज से बाजार तक और किसान से उपभोक्ता तक कृषि को समग्र मूल्य श्रृंखला के रूप में देखने का यह एक व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। इस दौरान उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को भी सम्मानित किया।

14 वर्ष की आयु की बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु एचपीवी टीकाकरण की राष्ट्रीय पहल का शुभारंभ शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राजस्थान के अजमेर से किया गया है। उसका प्रसारण कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने देखा।

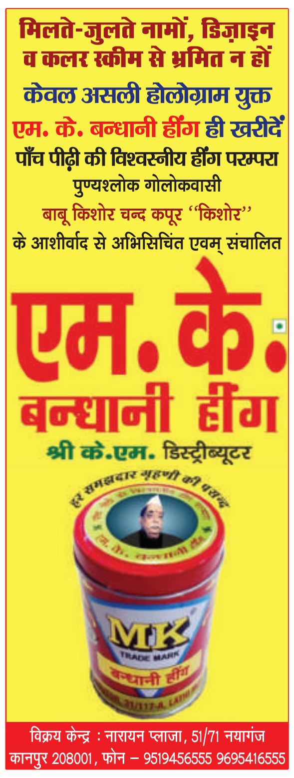

फैक्ट्री से लौट रहे सुपरवाइजर को रोका, मारी गोली

हमलावर ने गांव के युवक को फोन कर बोला कि गलती से तुम्हारी जगह दूसरे को मारी दी गोली, पत्नी की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, मलिहाबाद

अमृत विचार: रहीमाबाद स्थित गहदो मार्ग पर आइसक्रीम फैक्ट्री से लौट रहे सुपरवाइजर को रास्ते में रोककर दबंग ने गोली मार दी गई। गंभीर रूप से घायल सुपरवाहजन को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

वारदात के बाद हमलावर ने गांव के एक युवक को कॉल कर बोला कि गलती से तुम्हारी जगह दूसरे को गोली मार दी। पत्नी की तहरीर पर रहीमाबाद पुलिस नामजद रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश में दबिशें दे रही है।

माल थाना क्षेत्र के पारा भदराही गांव निवासी मानसी प्रजापति ने बताया कि उनके पति संदीप प्रजापति शुक्रवार रात संडीला स्थित आइसक्रीम फैक्ट्री में सुपरवाइजर हैं। वे काम करके करीब 11 बजे घर लौट रहे थे। रात करीब 11:40 बजे जैसे ही वे रहीमाबाद थाना क्षेत्र में माल रोड पर ग्राम गहदो टॉवर के पास पहुंचे, तभी गांव के अनुभव सिंह ने आवाज देकर उन्हें रोका। संदीप के न रुकने पर आरोपी ने पीछे से फायर कर दिया।

पीठ में गोली लगने से संदीप गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। वारदात के बाद आरोपी अनुभव फरार हो गया। मानसी ने बताया कि घायल संदीप ने खुद फोन कर उन्हें घटना की जानकारी दी। परिवारवाले मौके पर पहुंचे और तत्काल अस्पताल ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। फिलहाल उनका इलाज जारी है। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया है कि घटना के बाद आरोपी ने अमित साहू नामक युवक को धमकी देते हुए कहा कि तुम्हारी जगह दूसरे को गोली मार दी है, अगली बार मिले तो तुम्हें मारेंगे। इसकी आडियो रिकार्डिंग अमित साहू के पास मौजूद है। पीड़िता ने शनिवार को रहीमाबाद थाने में तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अनुभव सिंह के खिलाफ हत्या के प्रयास की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। रहीमाबाद इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणायक ने बताया कि ऑडियो उन्हें मिला है। आरोपी की तलाश में दबिश दी जा रही है। हमला क्यों हुआ? इसकी जांच की जा रही है।

बुजुर्ग की पीटकर हत्या के आरोप में दामाद गिरफ्तार

- **अमृत विचार, सरोजनीनगर** : बंथरा के चक गांव में बुजुर्ग रामनरेश (61) की पीटकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में बंथरा पुलिस ने दामाद संदीप कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक 22 फरवरी को चक गांव की पूजा रावत के पति संदीप कुमार व ससुराल वालों से विवाद हो गया। जानकारी होने पर पूजा के पिता रामनरेश विदा करने गये थे। इस दौरान संदीप ने उनपर फावड़े से हमला कर दिया था। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

4000 करोड़ से बिजली-पानी की व्यवस्था होगी अपग्रेड

अमृत विचार, लखनऊ: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के संसदीय क्षेत्र लखनऊ में विद्युत पेयजल व्यवस्था का आधुनिकीकरण किया जाएगा। शनिवार को हुई बैठक में भविष्य की जरूरतों को देखते हुए 4000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं पर सहमति बनी। सब-स्टेशनों की बढ़ाकर 54 करके 996 किमी लंबी लाइन नेटवर्क को मजबूत किया जाएगा। अब एन-1 मानक लागू कर वैकल्पिक आपूर्ति व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। 400 केवी लाइनों की क्षमता 400 से बढ़ाकर 700 एम्पीयर की जा रही है।

न्यूज ब्रीफ

ट्रेनों में बिना टिकट पकड़े गए 246 यात्री

अमृत विचार, लखनऊ : होली पर घर जाने वाले यात्रियों की बढ़ती भीड़ के बीच रेलवे की कॉमर्शियल विंग ने लखनऊ–रायबरेली रेलखंड पर उतरेठिया के पास लखनऊ–प्रयागराज इंटरसिटी और लखनऊ–बनारस पैसेंजर में जांच की गई। टीम को देख यात्रियों ने अन्य बोगियों में जाने का प्रयास करने लगे, लेकिन टीम के साथ मौजूद आरपीएफ जवानों ने उन्हें रोक लिया। सघन जांच में दोनों ट्रेनों में 246 यात्री बिना टिकट यात्रा करते पकड़े गए। सभी से जुर्माना वसूला गया। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि त्योहारों के दौरान बिना टिकट यात्रा रोकने के लिए आगे भी अभियान जारी रहेगा।

आपदा मित्र प्रशिक्षण के आठवें बैच का समापन

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बिजनौर के नूरनगर भदरसा स्थित एसडीआरएफ वाहिनी मुख्यालय में द्वितीय चरण "आपदा मित्र" प्रशिक्षण कार्यक्रम के आठवें बैच का समापन हुआ। मुख्य अतिथि अपर पुलिस महानिदेशक, पीएसी डॉ. रामकृष्ण स्वर्णकार रहे। प्लाटून कमांडर ऋषभ तिवारी ने रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रशिक्षण में मेडिकल फर्स्ट रिस्पॉन्डर, प्राथमिक उपचार, सीबीआरएन, अग्नि सुरक्षा, सर्पदंश, भूकंप व बाढ़ राहत के उपाय सिखाए गए।

लखनऊ में विमान की आपात लैंडिंग

अमृत विचार, सरोजनीनगर : नेपाल में मौसम खराब के चलते बंगलुरु से पहुंचे विमान की काठमांडू में लैंडिंग नही कर सकी। एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान आईएक्स–872 बंगलुरू से उड़ान भरकर करीब पौने दो बजे काठमांडू पहुंचा था। वहां लैंडिंग की अनुमति न मिलने पर विमान ने एयरपोर्ट के ऊपर कई चक्कर काटे। इसके बाद विमान को चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट लखनऊ डायवर्ट कर दिया गया। करीब 4 :30 बजे विमान को लखनऊ एयरपोर्ट पर उतारा गया। विमान को रनवे के आगे टैक्सी वे पर रोका गया।

सरकारी आदेश के बावजूद पेंशन नहीं

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार की ओर से 28 फरवरी तक सेवारत कर्मचारियों को वेतन और सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पेंशन दिए जाने की घोषणा के बावजूद शाम तक पेंशन खातों में नहीं पहुंची। इससे प्रदेशभर के लाखों पेंशनर्स और उनके परिवारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष अमरनाथ यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बीएल कुशवाहा और महामंत्री ओपी त्रिपाठी ने बताया कि विभिन्न जनपदों से सूचना मिली है कि शनिवार शाम 6 बजे तक भी पेंशन का भुगतान नहीं हुआ। त्योहार के ठीक पहले पेंशन न मिलने से पेंशनर्स में गहरी निराशा है। संगठन पदाधिकारियों ने कहा कि कई पेंशनर्स ने होली की तैयारियों के लिए उधार लेने का प्रयास किया, लेकिन उन्हें निराशा हाथ लगी। मुख्यमंत्री की घोषणा के बावजूद भुगतान न होना प्रशासनिक उदासीनता दर्शाता है। उन्होंने तत्काल पेंशन जारी करने की मांग की है, ताकि पेंशनर्स सम्मानपूर्वक होली मना सकें।

फॉच्यूनर की टक्कर से बच्चे की मौत, चार लोग घायल

- माता-पिता व दो बहनें ट्रामा सेंटर में भर्ती, हालत नाजुक
- रायबरेली स्थित ससुराल से पत्नी व बच्चों संग लौट रहा था मजदूर

संवाददाता, निगोहां

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के नगराम मोड़ पर शुक्रवार देर रात बेकाबू फॉच्यूनर कार ने कहर बरपाया। लखनऊ से रायबरेली की ओर जा रही फॉच्यूनर कार ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में दंपति और तीन बच्चे कई फीट ऊपर उछलकर दूर जा गिरे। हादसे में दो साल के मासूम की मौत हो गयी, जबकि माता-पिता और दो बहनें गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने सभी को अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने गाड़ी को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरु कर दी है।

उतरावां गांव निवासी मजदूर सर्वेश शुक्रवार रात पत्नी रामदुलारी, बेटे शमशेर (2), जाह्नवी (7), मानवी (6) के साथ बाइक से रायबरेली जनपद ससुराल से आ रहे थे। जैसे ही वे नगराम मोड़ के पास पहुंचे, तभी लखनऊ से रायबरेली की ओर जा रही तेज रफ्तार फॉच्यूनर कार ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दंपति और तीनों बच्चे छिटक कर दूर गिरे। सूचना पर पहुंची निगोहां पुलिस ने आनन-फानन में सभी घायलों को सीएचसी भेजा।वहां हालत नाजुक देख डॉक्टरों ने सभी को ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। वहां पहुंचने पर डॉक्टरों ने मासूम शमशेर को मृत घोषित कर दिया। उधर, हादसे के बाद चालक फॉच्यूनर कार छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने कार को कब्जे में ले लिया है। एसओ अनुज कुमार तिवारी ने बताया कि चालक की तलाश की जा रही है।

ट्रक की टक्कर से स्कूटी सवार की मौत

- **अमृत विचार, सरोजनीनगर :** सरोजनीनगर में शुक्रवार देर रात बेकाबू ट्रक ने स्कूटी सवार युवक को टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल युवक को पुलिस ने सीएचसी पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच कर रही है। सरोजनीनगर के पिपरसण्ड गांव निवासी धर्मेंद्र सिंह इलेक्ट्रॉनिक दुकान में काम करते हैं। उन्होंने बताया कि बेटा अभिजीत सिंह उर्फ सत्यम (22) गौरी बाजार स्थित परचून व्यवसायी मुंशीलाल की कार चलाता था। अभिजीत शुक्रवार रात ड्यूटी खत्म कर स्कूटी से घर आ रहा था। स्कूटर इंडिया–पिपरसण्ड रोड पर किसान पथ अंडरपास के पास सर्विस लेन से गलत दिशा से निकल रही तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी में टक्कर मार दी। स्कूटी सहित उसे करीब 50 मीटर तक घसीटता चला गया। घटना के बाद आसपास लोग जुट गए। लोगों ने तुरंत डीसीएम चालक को पकड़ लिया। पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस को चालक को सुपुर्द कर दिया। गंभीर रूप से घायल अभिजीत को सरोजनीनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन के सुपुर्द कर दिया है।

दो तस्करों के पास मिला 18 करोड़ का हाइड्रोपोनिक वीड

अमृत विचार, सरोजनीनगर: चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर बैंकॉक से आयी महिला समेत दो यात्रियों को पकड़ा गया।

एआईयू व सीसीएसआई एयरपोर्ट की संयुक्त कार्रवाई में करीब 18 किलो हाइड्रोपोनिक वीड (गांजा) बरामद किया गया है। बरामद माल की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 17.96 करोड़ रुपये बताई जा रही है। यह कार्रवाई 28 फरवरी 2026 को की गई।

बताया जा रहा है कि विशिष्ट सूचना के आधार पर 27 फरवरी शुक्रवार को बैंकॉक से रात 11:05 बजे लखनऊ पहुंची एयर एशिया की फ्लाइट संख्या एफडी-146 से पहुंचे दो यात्रियों को ग्रीन चैनल पर रोककर उनकी तलाशी ली गई।

सामान की जांच के दौरान गुलाबी और पारदर्शी वैक्यूम-पैक्ड 12 पाउच बरामद हुए। इन पाउच में हरे रंग के फूलनुमा पदार्थ भरे थे, जिनके गांजा/मारिजुआना (हाइड्रोपोनिक वीड) होने का संदेह है। बरामद प्रतिबंधित सामग्री को एनडीपीएस एक्ट के तहत जब्त कर लिया गया।

दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया दिया गया है। आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश के मो. फराज और झारखंड की रहने वाली महिला नीतू के रूप में हुई। मामले में जांच जारी है।

राशिद नसीम ने जॉर्जिया में खरीदा था टापू

- वर्चुअल करेंसी की दुनिया में भी रखा कदम, शुरू की थी एसवीसी करेंसी
- राशिद के पास थी 10 लाख से अधिक उपभोक्ताओं की लंबी लिस्ट
- निवेशकों से ठगे गए रुपये से दुबई में शुरू किया बड़ा कारोबार

इंद्र भूषण दुबे, लखनऊ

अमृत विचार: शाइन सिटी का सीएमडी राशिद नसीम अरबों रुपये ठगने के बाद दुबई में रहने लगा। वहां भी हीरे का कारोबार शुरू किया। वर्चुअल करेंसी की दुनिया में भी कदम रखा। उसने अपनी वर्चुअल करेंसी एसवीसी शुरू की। चूंकि, राशिद के पास 10 लाख से ज्यादा कंज्यूमर पॉवर थी इसलिए उसने एसवीसी से खूब मोटी कमाई की। अपनी वर्चुअल करेंसी एसवीसी की शुरुआत उसने ढाई से तीन रुपये से की थी। कुछ ही हफ्तों में उसका रेट 125 से 130 तक पहुंच गया। राशिद ने जॉर्जिया में टापू खरीद रखा था। वहां शहर बसाने की योजना बना रखी थी। साथ ही जॉर्जिया की नागरिकता के प्रयास में था।

शाइन सिटी के निवेशकों से ठगे गये रुपये से दुबई में बड़ा कारोबार शुरू किया। इसके बाद नया ठिकाना तलाशने में जुट गया। दुबई में उसे नागरिकता नहीं मिल पा रही थी। इसके बाद उसने जॉर्जिया में एक टॉपू भी खरीद लिया। जहां शहर बसाने की तैयारी कर रहा था।

इसके लिए जॉर्जिया की नागरिकता हासिल करने के लिए आवेदन किया। हालांकि जॉर्जिया सरकार ने इस मामले को ठंडे बस्ते में डाल रखा है।

राशिद नसीम ने वर्चुअल करेंसी की दुनिया में अपना कदम बढ़ाया। उसने अपनी वर्चुअल करेंसी शाइन वी कॉइन (एसवीसी) शुरू की। राशिद के पास दस लाख से अधिक उपभोक्ताओं की लंबी लिस्ट थी। इसलिए उसने एसवीसी से मोटी कमाई की।

वर्चुअल करेंसी एसवीसी की शुरुआत उसने ढाई से तीन रुपये से की थी। कुछ ही दिनों में उसका रेट 125 से 130 तक पहुंच गया। उसने कंपनी के अधिकारियों-कर्मचारियों को टारगेट पूरा करने पर प्वाइंट्स के बदले एसवीसी देना शुरू किया। बाद में वही लोग एसवीसी में रुपया लगाने लगे जिससे इस वर्चुअल करेंसी का रेट बढ़ने लगा।

पूरे देश में चलाई हाउसिंग योजनाएं

- जालसाज राशिद नसीम काफी शातिर था। उसने अपना नेटवर्क यूपी ही नहीं बल्कि पूरे देश में बना रखा था। उसके नेटवर्क के कारण अरबों रुपये निवेश हुए। पूरे देश में हाउसिंग योजनाओं के जरिये मोटी कमाई की। उसने लखनऊ में सीतापुर रोड पर पैराडाइज गार्डन, मोहनलालगंज में नगराम रोड पर शाइन वैली, न्यू जेल किसान पथ पर सॉलिटेयर सिटी, न्यू जेल रोड पर ही जेवियर सिटी, नगराम रोड पर समृद्धि गुल्लक, किसान पथ पर नेचर वैली, निगोहा में रायबरेली रोड पर रॉयल रेजिडेंसी, बिजनौर रोड पर वेलवेट सिटी, रायबरेली रोड पर टोल प्लाजा के पास वैदिक विहार और रॉयल रेजिडेंसी, वाराणसी में काशियाना फेज वन, काशियाना फेज 2, काशियाना फेज थ्री, कुटुंब काशियाना, चंदौली इंडस्ट्रियल एरिया में चंद्रलोक काशियाना और चंद्रलोक काशियाना फेस 2, रोहनिया में अराइज वेलवेट के अलावा एलीट काशियाना, मिर्जापुर में माउंट हैवन, विंध्यांचल में विंध्य आंगन, गोरखपुर में शुभालय 1, शुभालय 2, शुभालय 3, रायबरेली में शाइन रामनीया, प्रतापगढ़ में करंट अर्बन, सुल्तानपुर में सॉलिटेयर, कानपुर के चौबेपुर में गैलेक्सी 1 गैलेक्सी 2, पोल स्टार सिटी 1, पोल स्टार सिटी 2, पोल स्टार 3, समृद्धि गुल्लक, प्रयागराज में गौहनिया चौराहा पर जायर स्पार्कले, समृद्धि गुल्लक फेस 1, झांसी में सारस, बिहार के पटना में ताशी, ओमना, सिवान में बहुलिया सिवान, राजगीर में निसर्ग, सासाराम में रिवर माउंट, गया में स्वर्ग भूमि, रायपुर में दक्ष, दुर्ग में नक्श, कोलकाता में टाटा कैंसर अस्पताल के पास शाइन ग्रीन पैराडाइज, धनबाद में समृद्धि निवास और दरसी, हजारीबाग में मंधन, गोवाहटी में शाइन वैली जैसी योजनाएं शुरू की थीं।

अधिकारियों की काली कमाई व पुलिस से सेटिंग से की ठगी

- शुरुआती दौर में राशिद नसीम पर आईएएस व आईपीएस अधिकारियों की विशेष कृपा बरसती रही। कई आईएएस व आईपीएस ने अपनी काली कमाई उसकी योजनाओं में निवेश किया था। वहीं, सरकार में दखल व नेता बने माफियाओं से करीबी उसके ठगी के धंधे को खूब रास आया। पुलिस से उसकी काफी अच्छी सेटिंग थी। वह अपने प्रोजेक्ट और मुख्यालय के थाने व अधिकारी को हर महीने मोटी रकम भेजता था। ताकि वह शिकायतों को दबा दें। गोमतीनगर व एसआरएस मॉल चौकी की पुलिस उसके इशारों पर चलती थी। शिकायत आने पर उच्चाधिकारियों को बाद में सूचना दी जाती। इसकी जानकारी पहले राशिद नसीम को भेज दी जाती थी। इसके बदले में वह तत्काल मोटी रकम चौकी, थाने और उच्चाधिकारियों को भेज देता था। राशिद का करीबी कारिंदा इन अधिकारियों के पास पहुंचकर कार्रवाई न करने के लिए दबाव बनाता था। सोशल मीडिया पर वायरल एक ऑडियो में राशिद ने अपने खास पुलिसकर्मियों के नाम भी लिये थे। मामला बिगड़ने पर उनके खिलाफ कार्रवाई भी हुई। जो बाद में उसके ही पैसों से बहाल भी हो गये।

प्रोजेक्ट इंवेस्टमेंट प्लान में 15 माह में दो गुना रकम देता

- राशिद नसीम को योजना बनाने व निवेश कराने का मास्टर माइंड माना जाता था। उसने पीआईपी यानि प्रोजेक्ट इंवेस्टमेंट प्लान में 2 लाख रुपये का न्यूनतम निवेश करने पर 12 महीने बाद मूलधन यानि दो लाख रुपये की वापसी और 15 महीने बाद 30 हज़ार रुपये का लाभ और साथ में 800 स्क्वायर फीट का प्लॉट देने की बात कही गई थी। 15 महीने बाद प्लॉट खुद या किसी दूसरे व्यक्ति के नाम से रजिस्ट्री करा सकते हैं या अपनी मनचाही कीमत पर किसी अन्य को बेच सकते थे। 15 महीने के बाद कंपनी को ही दो लाख रुपये में प्लाट बेच सकते थे। यानि कंपनी 15 महीने बाद निवेशकों को दो लाख रुपये मूलधन के साथ 30 हज़ार रुपये का लाभांश और दो लाख का प्लाट या उसकी कीमत अर्थात कुल लाभ 4,30,000 रुपया कमाने का लालच देती थी।

दो लोग जाली आईडी लेकर आईओसीएल टर्मिनल में घुसे

अमृत विचार, लखनऊ: सरोजनीनगर के अमौसी स्थित इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (मार्केटिंग डिवीजन) के टर्मिनल परिसर में शुक्रवार को फर्जी पहचान पत्र के सहारे पहुंचे दो संदिग्ध व्यक्तियों को सुरक्षा कर्मियों ने पकड़ लिया। आरोपियों को सुरक्षाकर्मियों ने सरोजनीनगर पुलिस के सुपुर्द कर दिया। आईओसीएल के उप महाप्रबंधक ने दोनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। उप महाप्रबंधक गौरव देव ने बताया कि शुक्रवार दोपहर करीब 11 बजे विश्व प्रताप सिंह और आनंद सिंह नामक दो व्यक्ति परिसर में प्रवेश करते पकड़े गए। उनके पास मौजूद आईडी कार्ड संदिग्ध मिले। आईओसीएल कम्पनी के पोर्टल पर उपलब्ध विवरण से मिलान करने पर दोनों पहचान पत्र फर्जी निकले। विश्व प्रताप सिंह के पास टैंकर ट्रक के सहायक का आईडी कार्ड था, जबकि आनंद सिंह टैंकर के चालक के नाम का पहचान पत्र लेकर पहुंचे थे। दोनों कार्डों के क्रमांक, जारी तिथि और वैधता विवरण भी फर्जी मिले हैं। फिलहाल इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड टर्मिनल अमौसी के उप महाप्रबंधक गौरव देव की तहरीर पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उन्हें हिरासत में ले लिया।

काम्प्लेक्स के चौथे तल से नाले में फेंके दो पिल्ले, एक की मौत

- काम्प्लेक्स मालिक ने दोनों के खिलाफ विकासनगर थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: टेढ़ी पुलिया चौराहा स्थित प्रभा काम्प्लेक्स के चौथे तल पर रहने वाली महिला ने दोस्त के साथ मिलकर दो पिल्लों को चौथी मंजिल से नाले में फेंक दिया। जिससे एक की मौत हो गयी और दूसरा अस्पताल में भर्ती है। काम्प्लेक्स मालिक ने दोनों के खिलाफ विकासनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। एसओ आलोक सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

एनडी तिवारी नगर निवासी मुशीर खान का टेढ़ी पुलिया चौराहे पर प्रभा काम्प्लेक्स के नाम से प्रतिष्ठान है। बगल के ही रेस्टोरेंट पर काम करने वाले इसहाक पत्नी के साथ प्रतिष्ठान की चौथी मंजिल पर टीन शेड डालकर रहता है। उन्होंने बताया कि काम्प्लेक्स में चार माह के दो पिल्ले भी पले हैं। जिसकी देखभाल मुशीर करते हैं। 23 फरवरी की रात 11:30 बजे से दोनों पिल्ले गायब हो गए।पीड़ित और उनके कर्मचारी ने तलाश शुरु की। 24 फरवरी को दोनों पिल्ले काम्प्लेक्स के पीछे नाले में पड़े मिले। एक की मौत हो चुकी थी और दूसरा मरणासन्न था।

दोनों के पैर टूटे थे। उन्होंने जीवश्रय सेवा संस्थान के अस्पताल में भर्ती कराया। पूछताछ करने पर पता चला कि इसहाक की पत्नी मरियम ने अपने ही एक मित्र पवन निवासी भगवान पुर बाराबंकी के साथ मिलकर दोनो पिल्लों को चौथी मंजिल से नीचे फेंक दिया था। इससे पहले भी जहर देकर मारने का प्रयास किया था।

उस समय भी जीवश्रय सेवा संस्थान में एक माह पहले भी इलाज कराया गया था। पुलिस ने मुशीर की तहरीर पर मरियम व पवन के खिलाफ पशु क्रूरता समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

अवसर

आवेदन 9 मार्च से शुरू, अंतिम तिथि 29 मार्च, ऑनलाइन आवेदन ही मान्य

फार्मासिस्ट के 560 पदों पर होगी भर्ती

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के अधीन फार्मासिस्ट के 560 पदों पर भर्ती करने जा रहा है। इसके लिए आवेदन 9 मार्च से 29 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

आयोग के सचिव अवनीश कुमार सक्सेना ने शनिवार को भर्ती संबंधी विज्ञप्ति जारी की। आवेदन में किसी भी तरह का संशोधन 5 अप्रैल तक किया जा सकेगा। आवेदन केवल https://upsssc.gov.in के माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। प्रारंभिक अर्हता परीक्षा-2025 के योग्य अभ्यर्थी ही आवेदन कर सकते हैं। इसके स्कोर के आधार पर मुख्य परीक्षा के लिए शॉर्टलिस्ट किया जाएगा। डिप्लोमा फार्मासिस्ट राजपत्रित अधिकारी एसोसिएशन (डीपीआरए के शीर्ष नेतृत्व के निरंतर और अथक प्रयासों के फलस्वरूप, प्रदेश में लगभग 17 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद फार्मासिस्टों के पदों पर सरकारी भर्ती का विज्ञापन जारी किया गया है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष जेके सचान, प्रदेश महामंत्री प्रद्युम्न सिंह और जिला मंत्री राजीव कनौजिया सहित अन्य पदाधिकारियों ने खुशी जताते हुए सरकार का आभार जताया है।

कुल पद और आवेदन के लिए योग्यता

- अनारक्षित 224, अनुसूचित जाति 118, अनुसूचित जनजाति 11, अन्य पिछड़ा वर्ग 151 और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग 56 पद। सभी वर्गों के लिए आवेदन शुल्क 25 रुपये रखा गया है। किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से फार्मेसी में डिप्लोमा और स्टेट फार्मेसी काउंसिल उत्तर प्रदेश में पंजीकरण। आयु सीमा 18–40 वर्ष (आरक्षित वर्गों को सरकारी नियमों के अनुसार छूट)। 100 अंकों की 2 घंटे की परीक्षा होगी। प्रश्न वस्तुनिष्ठ और बहुविकल्पीय होंगे। विषय : विषयगत ज्ञान– 76 प्रश्न, कंप्यूटर व समसामयिक तकनीकी ज्ञान के 15 प्रश्न, उत्तर प्रदेश सामान्य ज्ञान– 20 प्रश्न होंगे और गलत उत्तर पर निगेटिव मार्किंग लागू होगी।

उपद्रव पर होगी नजीर बनने वाली कार्रवाई : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : योगी आदित्यनाथ ने होली, रमजान, ईद, नवरोज और बसंतिक नवरात्र समेत आगामी पर्व-त्योहारों को लेकर कानून-व्यवस्था की उच्चस्तरीय समीक्षा करते हुए स्पष्ट कहा कि माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों पर ऐसी सख्त कार्रवाई हो जो नजीर बने। उन्होंने दो टूक कहा कि सामाजिक सौहार्द से खिलवाड़ की एक भी हरकत बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी ने पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाने, शोभायात्राओं में विशेष सतर्कता बरतने और होलिका दहन समितियों व पीस कमेटियों की बैठकें अनिवार्य रूप से कराने के निर्देश दिए। अभद्र गीत-संगीत और कानफोड़ू लाउडस्पीकर पर रोक लगाने को कहा। सोशल मीडिया पर फेक अकाउंट्स और अफवाहों पर कड़ी निगरानी के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि मार्च में बोर्ड परीक्षाएं भी हैं, इसलिए निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। होली पर अतिरिक्त बसें चलें और मनमाना किराया वसूलने वालों पर सख्ती हो। साथ ही पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएं और अवैध-जहरीली शराब पर रोक के प्रभावी इंतजाम सुनिश्चित करने को कहा। मुख्यमंत्री ने जनसुनवाई प्रणाली को और प्रभावी बनाने तथा लापरवाही पर अधिकारियों की जवाबदेही तय करने के निर्देश भी दिए।

तीन एडीजी बनेंगे डीजी, प्रोन्नति का रास्ता साफ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- तीन डीजी समेत दस पुलिस अधिकारी हुए सेवा से रिटायर

अमृत विचार: प्रदेश के तीन पुलिस महानिदेशक (डीजी) समेत दस अधिकारी शनिवार को सेवा से रिटायर हो गए। इसके साथ ही तीन एडीजी के प्रमोशन के बाद डीजी बनने का रास्ता भी साफ हो गया है। यह प्रमोशन वरिष्ठता क्रम के आधार पर किए जाएंगे।

डीजीपी राजीव कृष्ण ने शनिवार को पुलिस मुख्यालय में आयोजित विदाई समारोह में डीजी संदीप सालुंके (मानवाधिकार), एमके बशाल (होमगार्ड) और दिपेश जुनेजा (अभियोजन) को सम्मानपूर्वक विदाई दी। इनके साथ ही समारोह में हाल ही में वीआरएस लेने वाले एडीजी के. सत्यनारायण को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। वहीं डीआईजी विकास कुमार वैद्य और पांच डिप्टी एसपी भी सेवा से रिटायर हो गए। इन्हें भी डीजीपी और अन्य अधिकारियों ने शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उनके कार्यकाल की उपलब्धियों को भी याद किया गया।

उधर तीन डीजी के रिटायर होने के बाद एडीजी प्रकाश डी., एलवी एंटनी देव कुमार और जय नारायण सिंह को डीजी पद पर प्रोन्नति मिलेगी। इन पदोन्नतियों के बाद पुलिस विभाग में कई वरिष्ठ अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में भी बदलाव किया जा सकता है।

चार वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सेवानिवृत्त

अमृत विचार, लखनऊ : यूपी कैडर के चार वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के लिए शनिवार सेवाकाल का आखिरी दिन रहा। सेवानिवृत्त होने वालों में केंद्र सरकार में सचिव (कृषि एवं किसान कल्याण) पद पर तैनात देवेश चतुर्वेदी शामिल हैं। इसके अलावा प्रदेश सरकार में पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के प्रमुख सचिव रहे सुभाष चंद्र शर्मा भी शनिवार को सेवानिवृत्त हो गए। इसी क्रम में गृह विभाग के सचिव पद पर तैनात अटल कुमार राय तथा माध्यमिक शिक्षा विभाग के सचिव चंद्रभूषण सिंह ने भी अपनी सेवाएं पूरी कीं। चारों अधिकारियों ने विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए प्रशासनिक कार्यों को दिशा दी। रिटायरमेंट के साथ ही सरकार ने तीन आईएएस और तीन पीसीएस अधिकारियों के तबादले भी किए हैं। प्रमुख सचिव राजेश कुमार सिंह को पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

प्रदेश के 6 आईएएस जाएंगे केंद्रीय सेवा में

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. के छह आईएएस अधिकारियों को केंद्रीय सेवा में इंपैनल कर लिया गया है। इनमें 1993 बैच के आलोक कुमार-प्रथम, 1994 बैच की लीना जौहरी, 1995 बैच के मृत्युंजय कुमार नारायण, संतोष कुमार यादव, भुवनेश कुमार व संजय प्रसाद के नाम शामिल हैं। इन अधिकारियों का इंपैनलमेंट होने के बाद इनके केंद्र में जाने की चर्चाएं तेज हो गई हैं। इन्हें सचिव व उसके समकक्ष पदों पर केंद्र में तैनात किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

किशोर ने फंदा लगाकर दी जान

अमृत विचार, हरदोई : सुरसा थाने के बढैइनपुरवा निवासी मदनपाल के 17 वर्षीय पुत्र अभिषेक ने शनिवार की दोपहर गांव से पूरब निकली शारदा नहर के किनारे खड़े कंजी के पेड़ पर रस्सी से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उसका लटकता हुआ शव देखते ही पूरे गांव में हड़कंप मच गया। इसका पता होने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्ज़े में लेकर पूछताछ की।

डीएम-एसपी ने किया जिला जेल का निरीक्षण

अमृत विचार, हरदोई : शनिवार को जिलाधिकारी अनुनय झा व पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के साथ जिला कारागार का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बंदियों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली तथा उनकी शिकायतों को समय से निस्तारित कराने का आश्वासन दिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कारागार के भोजनालय को देखा तथा जेल अधीक्षक को निर्देश दिये कि बंदियों को गुणवत्ता परक भोजन समय से दिया जाये। एसपी ने उपस्थित डाक्टरों को निर्देश दिये कि बीमार बंदियों की उचित जांच करायें और गंभीर बीमार बंदियों को जिला चिकित्सालय में भर्ती करायें।

फ्लैग मार्च कर पुलिस ने परखी सुरक्षा व्यवस्था

अमृत विचार, हरदोई : होली और रमजान पर्व को सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से कोतवाली पिहानी में आयोजित समाधान दिवस के बाद शनिवार शाम क्षेत्र में सख्त सुरक्षा व्यवस्था के बीच फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च अजीत सिंह चौहान (सीओ हरियावां) एवं मार्तंड प्रकाश (एडिशनल एसपी) के नेतृत्व में निकाला गया। उनके साथ कोतवाल छोटे लाल व भारी पुलिस बल मौजूद रहा। बिलग्राम संवाददाता के अनुसार शुक्रवार को प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार के नेतृत्व में कस्बा बिलग्राम व आसपास के मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में व्यापक पैदल गश्त और निगरानी अभियान चलाया गया।

ऑटो व ई-रिक्शा के लिए अलग रंग के रूट तय

अमृत विचार, हरदोई : शहर में ऑटो और ई-रिक्शा के लिए 10 और ग्रामीण इलाको में 7 रूट तय किए गए हैं, जोकि अलग-अलग रंग में नज़र आएगे, उसी के लिए क्यूआर कोड के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस योजना के तहत, ऑटो और ई-रिक्शा पर क्यूआर कोड लगाया जाएगा, जिसमें चालक और उसके वाहन की जानकारी होगी। इससे यात्रियों को चालक की जानकारी आसानी से मिल सकेगी और अवैध वाहनों पर रोक लगेगी। क्यूआर कोड के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू हो गई है और इसके लिए वाहन मालिकों को अपने वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर, इंश्योरेंस, फिटनेस सर्टिफिकेट और चालक का चरित्र प्रमाण पत्र अपलोड करना होगा। सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद, प्रत्येक वाहन को एक यूनिक क्यूआर कोड स्टीकर प्रदान किया जाएगा, जिसे वाहन की विंडस्क्रीन या फ्रंट शीशे पर चिपकाना अनिवार्य होगा। ट्रैफिक इंचार्ज प्रमोद यादव ने बताया कि फार्म वितरित किये जा रहे हैं, जल्द ही प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। सारे रूट अलग-अलग रंग में नज़र आएगे।

बाइक खड़ी करने के विवाद में मारपीट

अमृत विचार, हरदोई : कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला कासूपेट के निवासी सौरभ गुप्ता ने कोतवाली में तहरीर देकर आरोप लगाया कि 26 फरवरी की शाम करीब छह बजे वह अपनी दुकान के पास मौजूद था, तभी ग्राम जरौली शेरपुर निवासी शिवम पुत्र राजकुमार, शांति देवी पत्नी राजकुमार, ज्योति पुत्री राजकुमार तथा तीन अज्ञात व्यक्ति वहां पहुंचे और बाइक खड़ी करने को लेकर कहासुनी करने लगे। आरोप है कि विपक्षियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और लात-घूंसों से मारपीट की।

पीजीआई में जल्द शुरू होगी कॉर्निया प्रत्यारोपण की सुविधा

प्रदेश में 11 से बढ़कर 21 होंगे सरकारी आई बैंक व कार्निया प्रत्यारोपण केंद्र

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

डॉ. राजेश हर्षवर्धन की पुस्तक का विमोचन करते हुए अतिथिगण। अमृत विचार

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने कॉर्निया प्रत्यारोपण सेवाओं के विस्तार की दिशा में बड़ा फैसला लिया है। संजय गांधी स्नातकोत्तरआयुर्विज्ञान संस्थान (एसजी पीजीआई) के नेत्र रोग विभाग में इसी वर्ष कॉर्निया प्रत्यारोपण की सुविधा शुरू की जाएगी। संस्थान प्रशासन ने इसकी तैयारियां प्रारंभ कर दी हैं।

चिकित्सा शिक्षा के अपर मुख्य सचिव अमित घोष ने शनिवार को संस्थान में आयोजित संगोष्ठी में बताया कि अगले दो वर्षों में प्रदेश में सरकारी आई बैंक और कॉर्निया प्रत्यारोपण केंद्रों की संख्या 11 से बढ़ाकर 21 की जाएगी। प्रत्यारोपण प्रक्रिया को गति देने के लिए शासन स्तर पर टास्क फोर्स गठित की जाएगी, जिसमें शासन के अधिकारी,स्टेट अंग और टिशु ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन (सोटो) व नेत्र रोग विशेषज्ञ शामिल होंगे।

तैयारी अंतिम चरण में

केजीएमयू के बाद अब पीजीआई में भी कॉर्निया प्रत्यारोपण की सुविधा उपलब्ध होगी। नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डॉ. विकास कनौजिया ने बताया कि विभाग ने एक वर्ष के भीतर सेवा शुरू करने की योजना बनाई है और तैयारी अंतिम चरण में है। उन्होंने प्रदेश में कॉर्निया प्रत्यारोपण रजिस्ट्री बनाने का सुझाव भी दिया, जिससे जरूरतमंद मरीजों और प्रत्यारोपण से जुड़े आंकड़ों का सुव्यवस्थित संकलन हो सके।

दो चरणों में खुलेंगे 10 नए केंद्र

सोटो के प्रदेश संयुक्त निदेशक एवं एसजी पीजीआई के एमएस डॉ. राजेश हर्षवर्धन ने बताया कि दो वर्षों में दो चरणों में पांच-पांच नए आई बैंक और कॉर्निया प्रत्यारोपण केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इसकी विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। वर्तमान में निजी क्षेत्र में लगभग 75 केंद्रों पर आई बैंक और कॉर्निया प्रत्यारोपण की सुविधा संचालित हो रही है। समारोह में अमित घोष ने डॉ. हर्षवर्धन की किताब फ्रॉम होप टू हीलिंग : ए प्रैक्टिकल गाइड टू ट्रांसप्लांट सिस्टम इन इंडिया का विमोचन किया। इस मौके पर पीजीआई निदेशक डॉ. आरके धीमान, नोटो के निदेशक डॉ. अनिल कुमार,डॉ. शालिनी मोहन, डॉ. एसपी सिंह, डॉ. अल्का गुप्ता, डॉ. शेफाली मजूमदार, डॉ. अभिषेक चंद्रा ने अहम जानकारी साझा की।

अंधत्व के प्रमुख कारण

- कॉर्निया संक्रमण
- आंखों में चोट या रासायनिक पदार्थ का पड़ना
- मोतियाबिंद ऑपरेशन के बाद जटिलताएं
- विटामिन-ए की कमी (विशेषकर बच्चों में)
- जन्मजात कॉर्नियल विकार

पत्नी के मायके से न आने पर युवक ने ट्रेन से कटकर दी जान

अमृत विचार, हरदोई : पत्नी को विदा कराने ससुराल पहुंचे पति का उससे विवाद हो गया। नाराज होकर युवक ससुराल से घर लौटा और ट्रेन के आगे कूद गया। जहानीखेड़ा पुलिस चौकी के महमूदपुर रेलवे क्रासिंग पर उसका शव पड़ा मिला। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। शनिवार की सुबह पिहानी कोतवाली के ज्ञानपुरवा मजरा महमूदपुर भगत निवासी गौरव (27) पुत्र जसपाल सिंह का क्षत-विक्षत शव गांव से लगभग एक किलोमीटर दूर महमूदपुर रेलवे क्रासिंग के पास ट्रैक पर पड़ा था। आसपास के लोगों ने गौरव के बड़े भाई संजय सिंह को सूचना दी। संजय सिंह ने बताया कि गौरव की शादी सीतापुर जिले के गुजरा निवासी भगवान सिंह की बेटी खुशबू से हुई थी। उसके दो साल की बेटी है। तकरीबन एक साल से खुशबू मायके में ही रह रही थी।

ट्रेन में दो युवकों से पौने दो करोड़ रुपये बरामद

- एक ही परिवार के दोनों युवकों ने अपना हीरे-जवाहरात का व्यापार बताया

चंदौली, एजेंसी: चंदौली जिले में पं. दीनदयाल उपाध्याय रेलवे स्टेशन पर राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने जांच के दौरान अकाल तख्त एक्सप्रेस ट्रेन में सवार दो युवकों के पास से एक करोड़ 75 लाख रुपये की नकदी बरामद करने का दावा किया है।

जीआरपी के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) कुंवर प्रभात सिंह ने बताया कि पंजाब से पश्चिम बंगाल के हावड़ा जाने वाली अकाल तख्त एक्सप्रेस ट्रेन देर रात 2:41 बजे प्लेटफार्म नंबर-1 पर पहुंची। उसमें जांच के दौरान ट्रेन के एक कोच में सीट पर दो युवक सवार मिले। सीओ के अनुसार, पकड़े गए युवकों की पहचान रितेश (38) व प्रिग्नेश (40) के रूप में हुई है। दोनों लखनऊ के निवासी व एक ही परिवार के हैं। दोनों इस ट्रेन में लखनऊ से हावड़ा जाने के लिए सवार हुए थे। सीओ ने बताया कि उनके हाव-भाव देख शंका होने पर उनके बैग की तलाशी ली गई तो उनमें 500-500 रुपये के नोटों की गड्डियां भरी हुईं मिलीं। पूछताछ में दोनों नकदी के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं दे सके। जिसके बाद उन्हें थाने लाकर पूछताछ की गई, जिसमें उन्होंने बताया कि उनका हीरे-जवाहरात का कारोबार है और यह पैसा उनका ही है। वहीं, जीआरपी के अनुसार अब तक की जांच में बरामद नकदी कथित तौर पर हवाला की प्रतीत होती है।

अधिकारियों से संबंधित फर्म-कंपनी को पंजीकृत न करें : केशव प्रसाद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मनरेगा और वीबी-जी रामजी में पारदर्शिता के लिए उप मुख्यमंत्री ने वेंडर पंजीकरण पर सख्ती के दिए निर्देश

अमृत विचार : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि मनरेगा और विकसित भारत-रोजगार गारंटी एवं आजीविका मिशन (वीबी-जी रामजी) के सभी कार्य पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही के साथ संपन्न हों। इसके लिए उन्होंने अधिकारियों से स्पष्ट किया कि कार्यक्रम में जुड़े अधिकारियों या कर्मचारियों के परिवार के सदस्य या निकट संबंधियों द्वारा स्थापित फर्म-कंपनियों को वेंडर के रूप में पंजीकृत नहीं किया जाएगा। कहा कि किसी भी स्तर पर अनियमितता, पक्षपात या हितों का टकराव बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री ने शनिवार को सभी जिलाधिकारियों और जिला कार्यक्रम समन्वयकों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने जिलों में वेंडर पंजीकरण की पुनः गहन जांच करें और सुनिश्चित करें कि यह निर्देश कड़ाई से लागू हो। ग्राम्य विकास विभाग के प्रमुख सचिव द्वारा जारी संशोधित आदेश के अनुसार, क्षेत्र पंचायत प्रमुख, खंड विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत प्रधान, ग्राम सचिव, तकनीकी सहायक, सहायक कार्यक्रम अधिकारी, सहायक लेखाकार, कम्प्यूटर ऑपरेटर, ग्राम रोजगार सेवक और सोशल ऑडिट से जुड़े जिला-ब्लॉक संसाधन व्यक्ति किसी भी प्रकार से पारिवारिक फर्मों को वेंडर के रूप में पंजीकृत नहीं कर सकेंगे।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने की ईरान पर हमले की निंदा, भारतीयों की सुरक्षा की मांग

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने इजरायल की ओर से ईरान पर किए गए हमले की कड़ी निंदा की है। साथ ही भारत सरकार से यह आग्रह किया है कि वह तत्काल प्रभाव से पश्चिम एशिया क्षेत्र में रह रहे लाखों भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि इजरायल द्वारा ईरान पर हमला पूरे विश्व में वैश्विक शांति एवं सौहार्द के लिए एक बड़ी चोट है। आज जब हम वैश्विक स्तर पर व्यापार, तकनीकि और मानवीय पूंजी के आदान प्रदान पर पूरी दुनिया को एक वैश्विक गांव में तब्दील करने की कोशिश में हैं। ऐसे में किसी संप्रभु देश पर हमला पूरी वैश्विक व्यवस्था को छिन्न-भिन्न करने वाला है।

प्रयागराज एसटीपी को बिल्ड इंडिया अवॉर्ड

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: राज्य स्वच्छ गंगा मिशन-उत्तर प्रदेश के देखरेख और नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा (एनएमसीजी) के तकनीकी और वित्तीय सहयोग से संचालित प्रयागराज सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) परियोजना को प्रतिष्ठित बिल्ड इंडिया अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान 24 फरवरी को द अशोका होटल में आयोजित समारोह में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की ओर से प्रदान किया गया।

326 एमएलडी स्थापित क्षमता वाला प्रयागराज एसटीपी 81 नालों के सीवेज का उपचार कर गंगा और यमुना में अशोधित प्रवाह को रोक रहा है। यह परियोजना हाइब्रिड एन्युइटी आधारित पीपीपी मॉडल पर प्रयागराज वाटर लिमिटेड के माध्यम से क्रियान्वित हुई, जिसमें उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) का सहयोग रहा। परियोजना निदेशक के अनुसार, परियोजना से नदी प्रदूषण नियंत्रण, जलजनित रोगों में कमी, तटीय पारिस्थितिकी बहाली और उपचारित जल के पुनः उपयोग को बढ़ावा मिला है।

बिजली दरों पर 9 से होगी सुनवाई

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- स्मार्ट मीटर का खर्च उपभोक्ताओं पर डालने के प्रस्ताव का विरोध करेगी उपभोक्ता परिषद

अमृत विचार: राज्य में बिजली की नई दरें तय करने के लिए नियामक आयोग 9 मार्च से सुनवाई शुरू करेगा। इस सुनवाई में स्मार्ट मीटर का खर्च उपभोक्ताओं से वसूलने के प्रस्ताव का मुद्दा भी प्रमुखता से उठेगा। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने इस प्रस्ताव का विरोध करने की घोषणा की है।

परिषद के अध्यक्ष और राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार ने स्मार्ट प्रीपेड मीटर योजना के लिए 18,885 करोड़ रुपये की मंजूरी देते समय साफ किया था कि मीटर की लागत उपभोक्ताओं से नहीं ली जाएगी। इसके बावजूद पावर कॉरपोरेशन ने 27,342 करोड़ रुपये में टेंडर जारी किए हैं, जो स्वीकृत राशि से 8,457 करोड़ रुपये अधिक है। परिषद का कहना है कि इस अतिरिक्त रकम का बोझ किसी भी स्थिति में उपभोक्ताओं पर नहीं डाला जाना चाहिए। पावर कॉरपोरेशन के प्रस्ताव के खिलाफ आयोग में तथ्यात्मक विरोध पेश किए जाएंगे। परिषद अध्यक्ष ने यह भी कहा कि बिना उपभोक्ताओं की सहमति के स्मार्ट मीटर को प्रीपेड मोड में परिवर्तित करना विद्युत अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन है। उन्होंने बताया कि स्मार्ट मीटर को लेकर उपभोक्ताओं के बीच कई तरह की भ्रांतियां हैं। इन भ्रांतियों और वास्तविक स्थिति पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जा रही है, जिसे सुनवाई के दौरान नियामक आयोग के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। इसके अलावा उपभोक्ता परिषद बिजली कंपनियों पर उपभोक्ताओं के 50 हजार करोड़ रुपये बकाया होने का हवाला देते हुए बिजली दरों में कमी का प्रस्ताव भी दाखिल करेगी। परिषद का कहना है कि जब इतनी बड़ी राशि कंपनियों पर बकाया है तो दरों में वृद्धि के बजाय कमी पर विचार किया जाना चाहिए।

छोटे कारोबारियों को खत्म करना चाहती भाजपा : अखिलेश यादव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा की सरकार के खिलाफ दिया गया एक व्यापारी के परिवार का ये आक्रोशित कथन कि "ये हम नहीं हमारी लाशें खड़ी हैं।" भाजपा के लिए डूब मरने से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि अब समाज का हर वर्ग ये समझने लगा है कि भाजपा केवल चंद अरबपतियों और विशाल कारपोरेट की ही हितैषी है और छोटे कारोबारियों को खत्म कर देना चाहती है।

सपा प्रमुख ने शनिवार को जारी बयान में कहा, अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा जनता के लिए बुनियादी काम नहीं करती है। जनता के लिए बिजली सस्ती नहीं करेगी। इलाज सस्ता नहीं करेगी, मेडिकल कॉलेज और कैंसर संस्थान की सुविधाएं नहीं बढ़ाती है।

मुख्यमंत्री जापान गये लेकिन क्योटो नहीं गये : अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री विदाई से पहले घूमने गये थे। दिल्ली सरकार के 11 साल और यूपी सरकार के नौ साल हो गये हैं। अभी तक ये एमओयू के कागज लिए घूम रहे हैं। जमीन पर कोई निवेश नहीं आया। प्रधानमंत्री ने कहा था कि वाराणसी को क्योटो बनाएंगे। मुख्यमंत्री जापान गये लेकिन क्योटो नहीं गये।

साइबर ठग ने छात्रा समेत चार के खातों से उड़ाए 8.45 लाख रुपये

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- मदेयगंज, गाजीपुर व गुडंबा थाने में रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार: राजधानी में साइबर जालसाज लगातार लोगों की गाढ़ी कमाई लूट रहे हैं। जालसाजों ने मेडिकल की पढ़ाई कर रही छात्रा समेत चार के खातों से 8.45 लाख रुपये उड़ा लिए। कहीं जालसाज ने बैंककर्मी और जीजा का दोस्त बनकर फंसाया तो कहीं निवेश पर दोगुने का झांसा दिया। साइबर ठगी के यह मामले मदेयगंज, गाजीपुर और गुडंबा के हैं। पुलिस चारों मामलों को दर्ज कर साइबर क्राइम सेल की मदद से जांच कर रही है।

मदेयगंज के खदरा स्थित लोनीकटरा निवासी देवांशु शुक्ला का खाता एक्सिस बैंक में है। उन्होंने बताया कि 20 फरवरी को एक कॉल आयी। फोनकर्ता ने अपना परिचय एक्सिस बैंक रिवार्ड सिस्टम से दिया। उसके बाद जालसाज ने एक वेबसाइट पर क्रेडिट कार्ड की डिटेल भरवायी। जिसके बाद उनके खाते से 1,60,490 रुपये पार कर दिए। इसी थाना क्षेत्र के खदरा चुंगी स्थित दीनदयालनगर निवासी सुनील कुमार सिंह के खाते से पांच बार में 12,069 रुपये गायब कर दिए।

वहीं, मूल रूप से महाराजगंज निवासी शांभवी पांडेय इंदिरानगर स्थित जनकल्याण हॉस्पिटल से आप्टोमेट्री डिप्लोमा कोर्स कर रही हैं। उन्होंने बताया कि 24 फरवरी की शाम को एक कॉल आयी। फोनकर्ता ने जालसाजी कर बार कोड भेजकर 57 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए। ठगी का एहसास होने पर पीड़िता ने गाजीपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी है।

उधर, गुडंबा के फूलबाग निवासी लक्ष्मीकांत सिंह ने बताया कि व्हाट्सएप पर साइबर जालसाज ने फंसाया। निवेश पर दोगुना करने का झांसा देकर कई बार में 6.16 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। साइबर क्राइम सेल में शिकायत करने के बाद पीड़ित ने गुडंबा थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी है।

मेले में 12,300 पशुओं का उपचार, टीके भी लगे

संवाददाता, मोहनलालगंज

अमृत विचार: गनियार मैदान में शनिवार को आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय वृहद पशु आरोग्य मेले में लखनऊ और आसपास के जिलों से लाए गए 12,300 पशुओं का निःशुल्क उपचार और पालतू पशुओं को एंटी रैबीज के टीके लगाए गए। गोष्ठी में विशेषज्ञों ने पशुपालकों को लाभप्रद एवं वैज्ञानिक जानकारियां दी गई। पशु प्रबंधन एवं पशु आरोग्य विषयक मार्गदर्शिका का विमोचन भी किया।

आरोग्य मेले में पशु प्रबंधन एवं पशु आरोग्य मार्गदर्शिका का विमोचन करते उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, विधायक अमरेश व अन्य।

इसके पहले उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और क्षेत्रीय विधायक अमरेश कुमार रावत ने दीप प्रज्ज्वलन कर मेले का शुभारंभ किया। इसके बाद गोमाता का पूजन किया कर मेले में लाए गए विभिन्न नस्लों के घोड़ों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार पशुपालकों की आय बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। पशुओं का समय-समय पर टीकाकरण और स्वास्थ्य परीक्षण आवश्यक है। काजल सिंह ने आल्हा का गायन किया। प्रधान संघ अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में हुए मेले में रोग नियंत्रण निदेशक डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, अपर निदेशक डॉ. अजय कुमार कनौजिया, वीपी संस्थान के संयुक्त निदेशक डॉ. श्याम नगीना, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी लखनऊ डॉ. सुरेश कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी हरदोई डॉ. अशोक कुमार सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी रायबरेली डॉ. कुलदीप द्विवेदी, पशु चिकित्सा अधिकारी नगराम डॉ. सुनील सिंह, उप्र सहकारी ग्राम विकास बैंक के अध्यक्ष अशोक तिवारी, नागेश्वर द्विवेदी, प्रधान ललित शुक्ला,चेयरमैन प्रतिनिधि अजय पांडे, एडवोकेट देवेश सिंह मौजूद रहे।

अमृत विचार
लोक दर्पण
रविवार, 1 मार्च 2026 www.amritvichar.com

पोर-पोर कंपाती शरद ऋतु धीरे-धीरे सूर्य की उष्णता से तिरोहित होने लगती है। मंद-मंद बहती हुई हवा में ऊर्जा भरी खुनकी तैरने लगती है। बहुत हौले-हौले वातावरण में एक सुरूर छाने लगता है। उतराने लगता है सुरीला नशा और मन में उठने लगतीं हैं अनकही तरंगें। हृदय की धड़कनें तेज होने लगती हैं और उसमें प्रवाहित होने लगती है कोई मोहक धुन। इस धुन में बजने लगती है नई ऋतु। आंखें वातावरण के अदृश्य सम्मोहन में सुर्ख होती चली जाती हैं। सूर्य की किरणों में रंगों के स्फुलिंग उड़ने लगते हैं। पवन-परों पर खुशबू ही खुशबू नाचने लगती हैं। पेड़ों पर खिलखिला उठती है मंजरियां। जिन पेड़ों पर मंजर नहीं आते उनके भी निकल आते हैं हरित-ललित ललछौंहें कोमल-कोमल पत्ते। चित्र-विचित्र बहुरंगे पंखों को नि:शब्द फड़फड़ाती आने लगती हैं खूबसूरत-खूबसूरत तितलियां। गुंजार करने लगती हैं मधुमक्खियां। कोयल की कूक कलेजे में हूक उठाने लगती है। धरती निहाल होती है और मिट्टी भी महक उठती है। चहकती हुई दिशाएं गाने लगती हैं वसंत राग और चतुर्दिक उठने लगता है मादक शोर कि होली आई, होली आई!

डॉ.संजय पंकज
वरिष्ठ साहित्यकार

फागुन का सम्मोहन रंग-गंध का पर्व होली

ऋतु परिवर्तन में इठलाती प्रकृति

रंग-रस-गंध प्रकृति का सहज तथा स्वाभाविक रूप और उल्लास है। बहुरंग, बहुरस और बहुगंध लेकर ऋतु परिवर्तन में प्रकृति जब इठलाती आती है, तो चारों ओर मादकता छा जाती है। प्रकृति के इस नवल बांकपन और उत्सवधर्मी ऐश्वर्य पर मनुष्य क्या, जीव जगत भी मुग्ध हो जाता है। क्रीड़ारत पशु-पक्षियों का समूह किलकारियां भरने लगता है। छोटे-बड़े समस्त पौधों और वृक्षों पर नए-नए पल्लव दल निकल आते हैं। विकसित पुष्प-लताओं में कलियां चटकने लगती हैं, फूल खिलखिलाने लगते हैं। मन में अनगिन इच्छाएं पनपती हुईं आकार लेने के लिए विह्वल हो जाती हैं। रगों में फागुन हिलोरे मारने लगता है, तेज होती हुई धड़कनों में मीठी कसक की झंकृति उठने लगती हैं, पलकों पर मधुआया मौसम बैठ जाता है। दृष्टि के विस्तार में 'नवगति, नवलय, ताल, छंद नव' की स्थिति ही गोचर होने लगती है। मन नाचने को उद्धत, कंठ गाने को बेचैन और नयन प्रकृति को निहारने के लिए आतुर हो उठते हैं।

वसंत अपने आने का संकेत पूरा-पूरा दे देता है। ऋतु बदल जाती है। प्रकृति की विभुता भरी विराट संस्कृति अपनी विविधताओं को केंद्रित करके एकरस कर देती है। यह समरस एकरस शिवत्व से संपन्न होता है। प्रकृति कल्याणप्रद परमात्म तत्व को पूर्ण चैतन्य करके कण-कण में बिखेर देती है। धरती धन्य हो जाती है। दिशाएं उत्फुल्लता से भर जाती हैं। पीले-पीले छोटे-छोटे फूलों से लदी सरसों फलियों से भारी होने लगती हैं। वसंत रंग भर देता है, गंध उड़ेल देता है, रस से पूरित कर देता है। रंग-रस-गंध का मौसम गीत-संगीत-कविता में लहराने लगता है। वसंत के अग्रदूत कवि महाप्राण निराला - सखि वसंत आया/ भरा हर्ष वन के मन

नवोत्कर्ष छाया/ गाते-गाते ढोल, डंफ, झाल, मंजीरा पर गाने लगते हैं - नयनों के डोरे लाल / गुलाल भरी खेली होली।

तो होली आई, होली आई की बोली दिग्दिगंत में गूंजने लगी। हंसी-ठिठोली शुरू हो गई। मंजरियों में रस, स्वर में मिठास, नैनों में मादकता, पैरों में थिरकन और उंगलियों में मधुऋतु की लहरें हिलोर मारने लगीं। कंठ सुरीले हुए, लय में खुले और गीत के शिखर पुरुष आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री की पंक्तियां मुखर हो अंतरिक्ष में प्रक्षेपित हो उठीं-

रंग-तरंगों पर लहराती आती मलय बयार/ फाग-राग सुनसुन गुमसुम मदमाती मलय बयार।

सामाजिक समरसता का पर्व

होली भाईचारा और सामाजिक समरसता का आत्मीय पर्व है। सामाजिक विसंगतियों को पाटने वाला यह पर्व एक-दूसरे के गले मिलकर सामूहिक रूप से प्रसन्नता व्यक्त करता है। अमीर-गरीब सब होली के रंग में एकरूप हो जाते हैं। सही अर्थ में एक दूसरे के हो जाने का ही महापर्व है होली। प्रकृति के सारे उपादान समस्त प्राणियों के लिए होते है। होली इसी बोध को मनुष्य के भीतर जागृत करती है। आबालवृद्ध स्त्री-पुरुष के भाव भरे स्वर सामूहिक रूप से मुखरित गान बन जाते हैं- गले-गले सब मिलकर देखो/ फूलों सा सब खिलकर देखो / देखो सबके मन - प्राणों को/ संवेदन के पांव बचाएं! भाव बचाएं भाव बचाएं!

होली की पौराणिकता

प्रकृति के छलकते हुए उल्लास का पर्व होली है। इसकी परंपरा पौराणिक है। कई रोचक कथाएं हैं। युधिष्ठिर के पूछने पर श्रीकृष्ण ने बताया कि एक स्त्री अभिशाप के कारण ढूंढा नाम की राक्षसी हो गई। वह बच्चों को बहुत सताती है। उसे शिव का वरदान है कि कोई अस्त्र-शस्त्र उसे मार नहीं सकता है। उसे केवल बच्चों के सामूहिक और समवेत उल्लास से ही मारा जा सकता है। बच्चों के इसी अभियान से उस राक्षसी का वध हुआ। तब से फागुन पूर्णिमा पर अग्नि प्रज्ज्वलित कर बच्चों के द्वारा तीन परिक्रमा करने और मंत्रों का जाप करने की परंपरा शुरू हुई। यह कथा संदेश देती है कि बच्चों के भीतर प्रकृत रूप से उल्लास होता है, जिससे विरूपताओं को भी सौंदर्य की सुष्माओं से भर दिया जा सकता है। प्रचलित कथा है कि हिरण्यकशिपु की बहन होलिका प्रह्लाद को गोद में लेकर अग्नि में जलाने के लिए बैठती है। दैवीय कृपा से प्रह्लाद सुरक्षित बच जाते हैं और होलिका जलकर भस्म हो जाती है। होलिका दुष्ट प्रवृत्ति की परिचारिका है और प्रह्लाद सतत आह्लाद का द्योतक है। तब से ही होलिका दहन की परंपरा शुरू हुई, जिसमें अग्नि के चारों तरफ नाचते हुए लोग सारी रात उल्लास मनाते हैं और सुबह-सुबह एक दूसरे पर उसी आग की राख को मलते हुए बधाइयां देते हैं। फिर तो विधिवत होली की रसमयता प्रवाहित होने लगती है।

आध्यात्मिक महत्व

देवाधिदेव महादेव से जुड़ी हुई कई कथाएं हैं। भगवान शिव ने मदन दहन किया। काम को भस्म करके उन्होंने कभी नहीं समाप्त होने वाली प्रेम की शाश्वत शक्ति को बचाया। शिव-शक्ति अर्धनारीश्वर हैं, एक-दूसरे में अंतर्भुक्त। भूतभावन भोलेनाथ अपने जटाजूट बिखेर कर पूरे शरीर में भरपूर भस्म रमा लेते हैं। कैलाश से उतरकर श्मशान में नृत्यमग्न हो धूम मचाते हैं – मसाने में होली खेले दिगंबर, मसाने में होली खेले। जीवन जनम-मरण के बीच राग-विराग-अनुराग के रंगों में ढलता आनंद यात्रा तय करता है। रंग-रस-गंध के वातावरण में भगवान श्रीकृष्ण ने भी रासलीला की धूम मचाई। जीवात्मा और परमात्मा के एकीकृत हो जाने की आध्यात्मिक चेतना का अमृत रस घोलती हुई होली परमात्म दर्शन को ही उजागर करती है। भक्त भगवान के चरण-शरण में रंग गुलाल डालता आनंद विभोर हो जाता है। होली ऐसा पर्व है, जिसमें कोई रूढ़िबद्ध कर्मकांड नहीं होता है। खेलो खाओ आनंद मनाओ मगर शील, संस्कार, मर्यादा का पालन हो- यही होली का परम सांस्कृतिक उद्देश्य है। जीवन का सौंदर्य पावन आचरण में है। शिष्टाचार की खुशबू में संबंधों का सौंदर्य स्थायी और आनंदमय होता है। होली स्नेह, प्रेम और आशीर्वाद का सचमुच रंग-रस-गंध है।

रंगोत्सव में डूबा पहाड़

कुमाऊंनी अंचल में खड़ी होली का शुभारंभ हो गया है। इन दिनों पूरा कुमाऊं रंगोत्सव के आगोश में डूब गया है। यहां के गांवों और नगर-कस्बों में राग-रंग के उत्सव होली की धूम मच गई है। जगह-जगह खड़ी होली की महफिलें जुटने लगी हैं।

होली भारत के प्राचीनतम त्योहारों में शामिल है। लिहाजा होली पूरे भारत में मनाई जाती है। भारत के अलग-अलग हिस्सों में होली मनाने का अंदाज अलग है। स्थानीय इतिहास, मान्यता और परंपराओं के मुताबिक समय और क्षेत्र के अनुसार होली का स्वरूप बदल जाता है। होली की इस विविधता को कुमाऊं अंचल में बेहतर तरीके से समझा और अनुभव किया जा सकता है। भारत के दूसरे क्षेत्रों की बरअक्स कुमाऊं की होली का रंग कुछ अलग है, निराला है। यहां होली महज एक दिन का पर्व नहीं, बल्कि महीनों चलने वाला सांस्कृतिक लोक उत्सव है। पहाड़ के कई क्षेत्रों में पूस के पहले इतवार से रामनवमी तक होली की बैठकें जमती हैं। कुमाऊं की होली में हुड़दंग नहीं है, बल्कि राग-रागनियों की सामूहिक अभिव्यक्ति है। परालौकिक विश्वास है। यहां की होली में स्थानीय परंपराओं, मान्यताओं और मिथकों का समावेश है। सरलता, उन्मुक्तता और आत्मीयता है। रंगों के द्वारा अपनी सांस्कृतिक जड़ों से रिश्ता कायम रखने की कोशिश है। होली, लोक मानस में निहित आस्था की सशक्त अभिव्यक्ति है।

प्रयाग पांडे
नैनीताल

कुमाऊं की होली में प्रत्येक कालखंड के सामाजिक इतिहास, परंपरा, धर्म और संस्कृति के गहरे रंग दिखाई देते हैं। यहां की होली के गीतों में यथार्थ और कल्पना का अनोखा मिश्रण है। कुमाऊं की होली के गीतों में भक्ति, रस, कला, माधुर्य, आमोद-प्रमोद और हंसी-ठिठोली का अद्भुत समावेश है। देवताओं से जुड़े ज्यादातर होली गीतों की विषय-वस्तु पौराणिक आख्यान से जुडी है। रामायण और महाभारत के अनेक प्रसंग भी होली गीतों की विषय-वस्तु बने हैं।

कुमाऊंनी होली में ब्रज और उर्दू का गहरा प्रभाव है। विशुद्ध स्थानीय भाषा-बोली में होली के गीत बहुत कम हैं। बावजूद इसके यहां की होली के गीतों में आंचलिक और सांस्कृतिक विशिष्टता साफ झलकती है। देश के दूसरे हिस्सों में प्रचलित होलियों से मिलती-जुलती होते हुए भी कुमाऊंनी होली कई मायनों में अनोखी है। भारत के दूसरे हिस्सों में होली राग-रंग और उल्लास का पर्व है, लेकिन कुमाऊंनी होली में राग-रंग, उल्लास के साथ गीत, संगीत और नृत्य पक्ष भी जुड़ा है।

सांस्कृतिक पर्व

भारत अलग-अलग रंग-रूप बोली-भाषा और खानपान का देश है। यहां प्राकृतिक रूप से भी विभिन्नताएं हैं। बहुत सारी विभिन्नताओं और विभेदों के बावजूद यह देश एक सूत्र में बंधा हुआ है। अनेकता में एकता ही इसका सांस्कृतिक वैराट्य और वैभव है। एक दूसरे को जोड़ती हुई भारतीय संस्कृति सबकी मंगलकामना करती है और साझेपन के साथ अपने मन के उल्लास को अभिव्यक्त करती है। यही उल्लास होली के पर्व में प्राकृतिक परिवेश के साथ तरंगायित्व होता है। राग-अनुराग का स्वर सुर के सुमेरू पर चढ़कर अनेकानेक राग-रागिनियों में पैंगे भरने लगता है। होली का धमाल अद्भुत कमाल करता है, जिसमें सत्य सनातन संस्कृति के प्रतिमान श्रीराम भी चलचित्र के पारिवारिक दृश्य से सुर-ध्वनित होते हैं- होरी खेले रघुवीरा अवध में, होरी खेले रघुवीरा ... यह लोकरंजित गीत आज देश की सीमा से निकलकर विश्व के प्रवासियों का प्रिय होली गीत हो गया है। भारतीय संस्कृति इस गीत के माध्यम से होली के आत्मीय रंग-रस-गंध में विश्व को सराबोर करती है।

डिजिटल युग: परंपरा और तकनीक का रंगीन संगम

बदलते समय के साथ होली मनाने के तरीकों में भी बदलाव आया है। आज तकनीक और सोशल मीडिया ने इस पारंपरिक पर्व को एक नया, आधुनिक आयाम दे दिया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म, वर्चुअल इवेंट्स और ऑनलाइन ट्रेंड्स ने होली को वैश्विक स्तर पर जोड़ने का माध्यम बना दिया है। अब रंग केवल गलियों में ही नहीं, बल्कि स्क्रीन पर भी बिखर रहे हैं। आज की डिजिटल होली में वर्चुअल कलर प्ले एक नया आकर्षण बनकर उभरा है। इंस्टाग्राम, स्नैपचैट और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर एआर (ऑगमेंटेड रियलिटी) फिल्टर की मदद से लोग बिना वास्तविक रंगों के भी रंगीन प्रभाव तैयार कर रहे हैं। ये फिल्टर तस्वीरों और वीडियो में गुलाल, पिचकारी और रंग-बिरंगे इफेक्ट जोड़कर उत्सव का अनुभव कराते हैं। इससे न केवल सुरक्षित तरीके से होली मनाई जा सकती है, बल्कि दूर बैठे लोग भी उत्सव का हिस्सा बन सकते हैं।

संगीत के बिना होली अधूरी

संगीत के बिना होली अधूरी है और डिजिटल माध्यमों ने इसे और भी सुलभ बना दिया है। ऑनलाइन म्यूजिक जैम्स, लाइव डीजे सेशन और क्यूरेटेड होली प्लेलिस्ट के जरिए लोग घर बैठे ही त्योहार का माहौल बना लेते हैं। वीडियो कॉल के माध्यम से मित्र और परिवार एक साथ जुड़कर नृत्य और गीत-संगीत का आनंद लेते हैं। इस तरह भौगोलिक दूरी उत्साह में बाधा नहीं बनती। डिजिटल ठंडाई और नाश्ता सेशन भी आजकल लोकप्रिय हो रहे हैं। लोग ऑनलाइन सभाओं का आयोजन करते हैं, जहां हर कोई अपने घर से गुजिया, ठंडाई और अन्य पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लेता है। कैमरे के जरिए साझा की गई मुस्कानें और शुभकामनाएं, त्योहार की आत्मीयता को जीवित रखती हैं। इसके साथ ही होली-थीम वाली गेमिंग नाइट्स, जैसे ऑनलाइन अंताक्षरी, पिक्शनरी और लूडो मिलकर खेलने और जुड़ने का नया जरिया बन गई हैं।

सोशल मीडिया और होली

सोशल मीडिया ने होली के उत्सव को और भी व्यापक बना दिया है। होली रील्स और शॉर्ट वीडियो चैलेंज आजकल ट्रेंड में रहते हैं। #HoliVibes, #ColorSplashChallenge और #DigitalHoli जैसे हैशटैग लोगों को रचनात्मक वीडियो बनाने और साझा करने के लिए प्रेरित करते हैं। ऑगमेंटेड रियलिटी फिल्टर और डिजिटल रंगोली मेकर ने उत्सव को कलात्मक रूप दिया है, जिससे उपयोगकर्ता अपनी कल्पनाशक्ति को नई उड़ान दे सकते हैं।

इसके साथ ही पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी डिजिटल होली का अहम हिस्सा बन गई है। कंटेंट क्रिएटर्स DIY प्राकृतिक रंग बनाने के तरीके और होली स्पेशल रेसिपीज साझा करते हैं। वहीं, ब्यूटी और लाइफस्टाइल विशेषज्ञ होली के बाद त्वचा और बालों की देखभाल के सुझाव देते हैं। मंदिरों और प्रमुख शहरों में आयोजित भव्य होली समारोहों की लाइव स्ट्रीमिंग ने भी इस पर्व को वैश्विक बना दिया है। वृंदावन, बरसाना और मथुरा से प्रसारित कार्यक्रमों के माध्यम से लोग दुनिया के किसी भी कोने से आध्यात्मिक होली का अनुभव कर सकते हैं। आने वाले समय में वर्चुअल रियलिटी, एआई-निर्मित शुभकामनाएं और मेटावर्स पार्टियां होली के उत्सव को और भी रोचक बना सकती हैं। हालांकि माध्यम बदल रहे हैं, पर होली का मूल संदेश प्रेम, एकता और आनंद आज भी उतना ही प्रासंगिक है। डिजिटल नवाचारों ने इस परंपरागत पर्व को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है, जहां रंग अब सीमाओं से परे फैल रहे हैं।

डिजिटल युग और दिल का संकट

21 वीं सदी को डिजिटल क्रांति का युग कहा जाता है। स्मार्टफोन, इंटरनेट, लैपटॉप, स्मार्टवॉच और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीकों ने मानव जीवन को बेहद आसान और तेज बना दिया है। आज हम घर बैठे काम कर सकते हैं, ऑनलाइन पढ़ सकते हैं, खरीदारी कर सकते हैं और दुनियाभर की जानकारी कुछ ही सेकंड में पा सकते हैं, लेकिन इस डिजिटल सुविधा का एक दूसरा पहलू भी है स्वास्थ्य पर इसका गहरा प्रभाव। विशेष रूप से हृदय स्वास्थ्य पर डिजिटल जीवनशैली का असर तेजी से सामने आ रहा है। यही कारण है कि आधुनिक चिकित्सा जगत में "डिजिटल लाइफस्टाइल डिजीज" शब्द प्रचलित हो गया है, जिसमें हृदय रोग प्रमुख स्थान रखता है।

डॉ. अर्चना श्रीवास्तव
चिकित्सक, लखनऊ

डिजिटल युग की सबसे बड़ी विशेषता है कम शारीरिक श्रम और अधिक स्क्रीन समय। पहले लोग काम के लिए चलते-फिरते थे, अब अधिकांश कार्य कंप्यूटर या मोबाइल पर बैठकर हो जाते हैं। मनोरंजन भी अब मैदान या पार्क की बजाय मोबाइल स्क्रीन पर सिमट गया है। बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक सभी डिजिटल उपकरणों पर निर्भर हो गए हैं। यह निर्भरता धीरे-धीरे शरीर की प्राकृतिक सक्रियता को कम कर देती है।

शारीरिक निष्क्रियता: हृदय का सबसे बड़ा दुश्मन

हृदय को स्वस्थ रखने के लिए शरीर का सक्रिय रहना जरूरी है। जब हम चलते, दौड़ते या व्यायाम करते हैं, तब हृदय तेजी से रक्त पंप करता है और रक्त वाहिकाएं मजबूत बनती हैं, लेकिन डिजिटल जीवनशैली में लंबे समय तक बैठना सामान्य बात हो गई है। ऑफिस का काम, ऑनलाइन क्लास, वीडियो देखना और सोशल मीडिया, इन सबके कारण व्यक्ति घंटों तक एक ही जगह बैठा रहता है। इस निष्क्रियता से मोटापा, उच्च रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है, जो हृदय रोग के मुख्य कारण हैं। डॉक्टरों के अनुसार लंबे समय तक बैठना "नया धूम्रपान" कहा जाने लगा है, क्योंकि इसका असर भी उतना ही खतरनाक हो सकता है।

मानसिक तनाव और डिजिटल दबाव

डिजिटल युग ने केवल शरीर ही नहीं, मन को भी प्रभावित किया है। सोशल मीडिया पर तुलना, लाइक्स और फॉलोअर्स की होड़, लगातार ऑनलाइन रहने का दबाव और काम की बढ़ती प्रतिस्पर्धा ये सब मानसिक तनाव को बढ़ाते हैं। लगातार तनाव में रहने से शरीर में स्ट्रेस हार्मोन बढ़ जाते हैं, जिससे रक्तचाप और हृदय गति तेज हो जाती है। यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहे, तो हृदय की मांसपेशियां कमजोर हो सकती हैं और दिल के दौरे का खतरा बढ़ सकता है।

नींद की कमी: डिजिटल आदतों का परिणाम

रात में मोबाइल चलाने या देर तक स्क्रीन देखने की आदत आज आम हो गई है। इससे नींद का समय कम हो जाता है और नींद की गुणवत्ता भी खराब होती है। नींद की कमी से शरीर की मरम्मत प्रक्रिया प्रभावित होती है, हार्मोन असंतुलित होते हैं और रक्तचाप बढ़ सकता है। पर्याप्त नींद न लेना हृदय रोग के जोखिम को कई गुना बढ़ा देता है। विशेषज्ञों के अनुसार स्वस्थ हृदय के लिए प्रतिदिन 7-8 घंटे की नींद आवश्यक है।

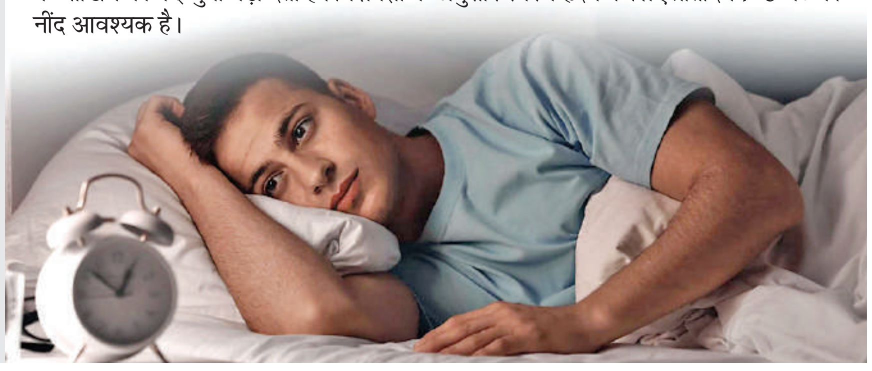

कैसे रखें दिल को स्वस्थ

- स्क्रीन टाइम सीमित करें- हर दिन मोबाइल और कंप्यूटर उपयोग का समय निर्धारित करें और बीच-बीच में ब्रेक लें।
- नियमित व्यायाम- रोज कम से कम 30 मिनट चलना, योग या खेल गतिविधियां हृदय को मजबूत बनाती हैं।
- डिजिटल डिटॉक्स- दिन में कुछ समय बिना मोबाइल या इंटरनेट के बिताएं ताकि मन और शरीर को आराम मिले।
- संतुलित आहार- घर का बना पौष्टिक भोजन लें और जंक फूड से दूरी बनाएं।
- पर्याप्त नींद- सोने से कम से कम एक घंटा पहले स्क्रीन से दूर रहें।
- नियमित स्वास्थ्य जांच- ब्लड प्रेशर, शुगर और कोलेस्ट्रॉल की समय-समय पर जांच कराएं।

डिजिटल भोजन संस्कृति और हृदय

ऑनलाइन फूड डिलीवरी ऐप्स ने जंक फूड को बेहद आसान और सुलभ बना दिया है। अब पौष्टिक भोजन बनाने की बजाय लोग तुरंत मिलने वाले तले-भुने और अधिक नमक-चीनी वाले खाद्य पदार्थ मंगाना पसंद करते हैं। ऐसे भोजन में संतृप्त वसा और ट्रांस फैट अधिक होता है, जो रक्त वाहिकाओं में जमा होकर उन्हें संकरा कर देता है। इससे हृदय को रक्त पंप करने में अधिक मेहनत करनी पड़ती है और हृदय रोग की संभावना बढ़ जाती है।

डिजिटल लत और सामाजिक अलगाव

डिजिटल उपकरणों की लत व्यक्ति को वास्तविक दुनिया से दूर कर देती है। लोग परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताने की बजाय स्क्रीन पर समय बिताने लगे हैं। सामाजिक अलगाव मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, जिससे अवसाद और चिंता बढ़ सकती है। मानसिक असंतुलन का सीधा प्रभाव हृदय पर पड़ता है, क्योंकि मन और हृदय का संबंध गहरा होता है।

समझदारी ही बचाव

हृदय रोग अचानक नहीं होता, यह धीरे-धीरे विकसित होता है और शरीर पहले से संकेत देता है जैसे जल्दी थकान, सांस फूलना, सीने में दबाव या अनियमित धड़कन। यदि इन संकेतों को समय रहते पहचान लिया जाए, तो गंभीर स्थिति से बचा जा सकता है। इसलिए डिजिटल सुविधाओं का उपयोग समझदारी से करना और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना अत्यंत आवश्यक है। डिजिटल युग मानव सभ्यता की बड़ी उपलब्धि है, लेकिन इसका अंधाधुंध उपयोग हमारे हृदय के लिए खतरा बनता जा रहा है। तकनीक स्वयं समस्या नहीं है, समस्या उसका असंतुलित उपयोग है। यदि हम डिजिटल सुविधाओं के साथ संतुलित जीवनशैली अपनाएं जैसे नियमित व्यायाम, स्वस्थ आहार, पर्याप्त नींद और तनाव नियंत्रण तो हम आधुनिक भी रह सकते हैं और स्वस्थ भी।

हमको यह समझना होगा कि हम तकनीक को अपना सेवक बनाएं, मालिक नहीं। क्योंकि दिल स्वस्थ रहेगा, तभी डिजिटल दुनिया का आनंद सच में लिया जा सकेगा।

युवाओं में बढ़ता खतरा

डिजिटल युग का सबसे अधिक प्रभाव युवाओं पर पड़ रहा है। पढ़ाई, गेमिंग, सोशल मीडिया और ऑनलाइन काम के कारण युवा वर्ग का अधिकांश समय स्क्रीन के सामने बीतता है। कम उम्र में ही मोटापा, उच्च रक्तचाप और मधुमेह जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। यही कारण है कि अब 30–40 वर्ष की आयु में भी हृदयाघात के मामले सामने आ रहे हैं। यह स्थिति बताती है कि यदि समय रहते सावधानी न बरती जाए, तो आने वाले वर्षों में हृदय रोग महामारी का रूप ले सकता है।

ट्रिकोटिलोमेनिया : बाल नोचने की मानसिक चुनौती

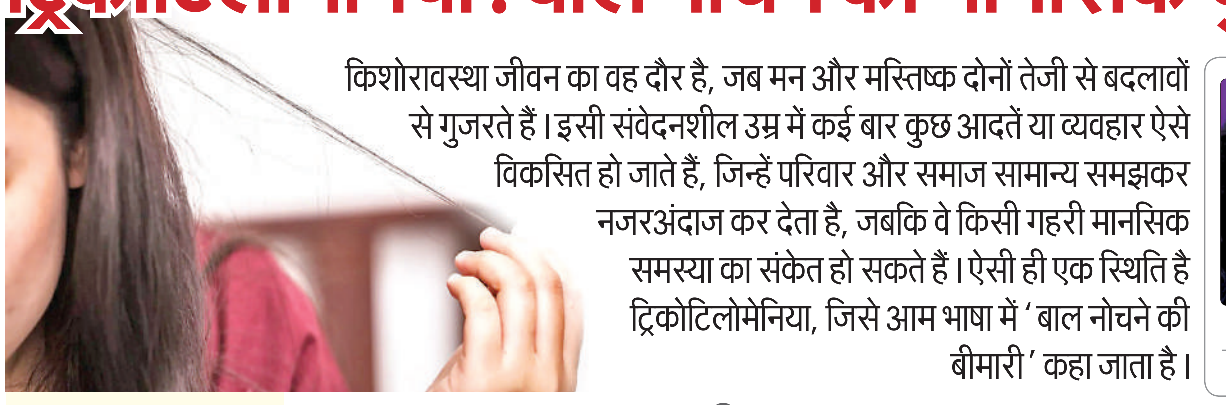

किशोरावस्था जीवन का वह दौर है, जब मन और मस्तिष्क दोनों तेजी से बदलावों से गुजरते हैं। इसी संवेदनशील उम्र में कई बार कुछ आदतें या व्यवहार ऐसे विकसित हो जाते हैं, जिन्हें परिवार और समाज सामान्य समझकर नजरअंदाज कर देता है, जबकि वे किसी गहरी मानसिक समस्या का संकेत हो सकते हैं। ऐसी ही एक स्थिति है ट्रिकोटिलोमेनिया, जिसे आम भाषा में 'बाल नोचने की बीमारी' कहा जाता है।

डॉ. रश्मि मोघे हिरवे
मनोचिकित्सक

ट्रिकोटिलोमेनिया क्या है

ट्रिकोटिलोमेनिया एक आवेग-नियंत्रण विकार (Impulse Control Disorder) है। इसमें व्यक्ति को अपने सिर, भौंहों, पलकों या शरीर के अन्य हिस्सों के बाल खींचने की तीव्र और बार-बार इच्छा होती है। कई बार व्यक्ति बाल खींचने के बाद तनाव में कमी या क्षणिक राहत महसूस करता है, जिससे यह व्यवहार आदत का रूप ले लेता है।

प्रमुख लक्षण

- बार-बार बाल खींचना और स्पष्ट खाली पैच बन जाना।
- बाल खींचने से पहले बेचैनी या तनाव महसूस होना।
- बाल खींचने के बाद राहत या संतोष का अनुभव।
- खींचे गए बालों को चबाना, निगलना या उनसे खेलना।
- बालों को छिपाने के लिए टोपी, दुपट्टा या मेकअप का सहारा लेना।
- सामाजिक, शैक्षणिक या व्यावसायिक जीवन में कठिनाई।

संभावित कारण

हालांकि इसके सटीक कारण पूरी तरह स्पष्ट नहीं हैं, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार कई कारक मिलकर इस विकार को जन्म दे सकते हैं-

- आनुवांशिक प्रवृत्ति : परिवार में ऑब्सेसिव कम्पल्सिव डिसऑर्डर (OCD) या अन्य मानसिक विकार का इतिहास।
- मस्तिष्क रसायनों का असंतुलन : विशेष रूप से सेरोटोनिन जैसे न्यूरोट्रांसमीटर में बदलाव।
- तनाव और चिंता : परीक्षा का दबाव, पारिवारिक कलह या भावनात्मक आघात।
- भावनात्मक उथल-पुथल : अकेलापन, असुरक्षा या आत्मसम्मान की कमी।
- किशोरों और बच्चों में यह समस्या अक्सर चुपचाप पनपती है, क्योंकि वे शर्म या डर के कारण इसे साझा नहीं कर पाते।

उपचार और प्रबंधन

सकारात्मक पहलू यह है कि ट्रिकोटिलोमेनिया का इलाज संभव है। सही समय पर हस्तक्षेप से व्यक्ति सामान्य जीवन जी सकता है।

मनोचिकित्सा

व्यावहारिक संज्ञानात्मक चिकित्सा (CBT) को सबसे प्रभावी उपचार माना जाता है। इसके अंतर्गत 'हैबिट रिवर्सल ट्रेनिंग' (Habit Reversal Training) तकनीक सिखाई जाती है, जिससे व्यक्ति अपनी आदत को पहचानकर उसे नियंत्रित करना सीखता है।

दवाइयां

कुछ एंटीडिप्रेसेंट या अन्य साइकेट्रिक दवाएं लक्षणों की तीव्रता कम करने में सहायक हो सकती हैं। दवा का सेवन विशेषज्ञ की निगरानी में ही किया जाना चाहिए।

एक किशोर की कहानी

13 वर्षीय राहुल (परिवर्तित नाम) पढ़ाई में होनहार था, लेकिन भीतर ही भीतर एक अनकही परेशानी से जूझ रहा था। उसे बार-बार अपने बालों को छूने और खींचने की तीव्र इच्छा होती थी। शुरुआत में यह सिर्फ एक-दो बाल तक सीमित था, पर धीरे-धीरे यह आदत अनियंत्रित होने लगी। वह पढ़ते समय, टीवी देखते हुए, यहां तक कि अनजाने में भी बाल खींचने लगता। कुछ महीनों बाद उसके सिर पर असमान खाली पैच बनने लगे। शर्मिंदगी के कारण उसने टोपी पहनना शुरू कर दिया और दोस्तों से दूरी बनाने लगा। जब उसकी मां ने यह बदलाव देखा और पूछताछ की, तो राहुल ने हिचकते हुए अपनी आदत के बारे में बताया। बाल रोग विशेषज्ञ से परामर्श के बाद उसे मनोचिकित्सक के पास भेजा गया, जहां स्पष्ट हुआ कि वह ट्रिकोटिलोमेनिया से ग्रस्त है।

ट्रिकोफेजिया: जब आदत बन जाए खतरा

ट्रिकोटिलोमेनिया से जुड़ी एक गंभीर स्थिति है ट्रिकोफेजिया, जिसमें व्यक्ति अपने बाल खाने लगता है। लंबे समय तक ऐसा करने पर पेट में बालों की गांठ बन सकती है, जिसे रैपुन्जेल सिंड्रोम कहा जाता है। यह स्थिति पेट दर्द, उल्टी, वजन घटने और आंतों में रुकावट जैसी जटिल समस्याएं उत्पन्न कर सकती है। गंभीर मामलों में सर्जरी द्वारा बालों की इस गांठ (ट्राइकोबिजोअर) को निकालना पड़ता है।

पारिवारिक सहयोग

परिवार का समर्थन अत्यंत महत्वपूर्ण है। डांट-फटकार या शर्मिंदा करने के बजाय समझ और संवेदनशीलता से काम लेना चाहिए। राहुल ने नियमित थेरेपी और दवाओं की मदद से अपनी भावनाओं को समझना और तनाव से निपटने के स्वस्थ तरीके सीख लिए। धीरे-धीरे उसने बाल खींचने की आदत पर काबू पा लिया और उसका आत्मविश्वास लौट आया।

जागरूकता ही बचाव

बाल नोचने की आदत को अक्सर 'बुरी आदत' समझकर नजरअंदाज कर दिया जाता है, जबकि यह एक मानसिक स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। समय रहते पहचान और उपचार से इस विकार को नियंत्रित किया जा सकता है। यदि आपके परिवार या परिचितों में किसी बच्चे या किशोर में ऐसे लक्षण दिखाई दें, तो विशेषज्ञ से परामर्श अवश्य लें। मानसिक स्वास्थ्य को लेकर खुलकर बातचीत करना और सहायता लेना कमजोरी नहीं, बल्कि समझदारी है।

साप्ताहिक राशिफल

-पं. मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष
यह सप्ताह उत्साह और खुशियों के रंग भरने वाला है। आपको रोजगार और करियर व्यवसाय आदि के भी बेहतर अवसर मिलेंगे। अपनी प्रबंधन क्षमता से आप बड़ी सफलता प्राप्त कर पाएंगे। इस सप्ताह आपको अपने कार्यक्षेत्र में सहयोगियों का पूरा सहयोग मिलेगा।

वृष
यह सप्ताह लाभदायक और अनुकूल रहेगा, लेकिन इनको अपनी वाणी पर संतुलन करना होगा। इस सप्ताह यात्रा का भी संयोग बन रहा है। आपको मित्रों और रिश्तेदारों से मिलने का मौका मिलेगा। कार्यक्षेत्र में कामकाज के बीच मौज मस्ती का भी माहौल रहेगा।

मिथुन
यह सप्ताह लाभदायक रहेगा, लेकिन काम का दबाव अधिक होने से मानसिक परेशानी बनी रहेगी। करियर या व्यवसाय के सिलसिले में लंबी या छोटी दूरी की यात्रा संभव है। इस दौरान आपको परिवार और दोस्तों का पूरा सहयोग मिलेगा। आपकी किसी समस्या और चिंता का समाधान होगा।

कर्क
यह सप्ताह लाभ और सफलता प्रदान करेगा। कारोबार और व्यापार में आपकी कमाई बढ़ने वाली है। भूमि-भवन संबंधी विवाद सुलझाने में किसी वरिष्ठ या शुभचिंतक से सहयोग प्राप्त होगा। प्रेम संबंध में सावधानी से कदम बढ़ाएं, अति उत्साह से आपको बचना चाहिए।

सिंह
इस सप्ताह भाग्य के भरोसे बैठने की गलती न करें, अन्यथा हाथ आया मौका निकल सकता है। बिजनेस में कड़ी चुनौती मिल सकती है। सप्ताह के मध्य में आपके परिवार के किसी सदस्य की ओर से आपको अच्छी खबर मिल सकती है, जिससे मन आनंदित हो जाएगा। जीवनसाथी के साथ आपका प्रेम और तालमेल बना रहेगा।

कन्या
इस सप्ताह कोई भी बड़ा फैसला लेते समय जल्दबाजी करने से बचना चाहिए। आपको अनुभवी और वरिष्ठ लोगों से सलाह लेकर ही कोई भी बड़ा कदम उठाना चाहिए। पैतृक संपत्ति संबंधी विवाद से आपको बचना चाहिए। सप्ताह के मध्य भाग आपके लिए खर्चीला रहेगा। सुख-सुविधा से जुड़ी चीजों पर धन खर्च हो सकता है।

तुला
यह सप्ताह सुखद रहने वाला है। वैसे सप्ताह की शुरुआत में घर की जरूरतों से जुड़ी चीजों की खरीदारी और घर की व्यवस्था पर धन खर्च होने वाला है। आपके घर मित्रों और सगे संबंधियों के आगमन का भी संयोग बन रहा है, जिसकी वजह से भी आपकी व्यस्तता बनी रहेगी। व्यापारियों को बाजार में फंसा पैसा निकालने में परेशानी होगी।

वृश्चिक
इस सप्ताह आलस्य और अहंकार से आपको बचना होगा। कारोबारियों को अधिक व्यस्त रहेंगे और लेकिन कमाई बढ़ने से मन हर्षित होगा। पारिवारिक जीवन में आपको जीवनसाथी और पिता से पूरा सहयोग मिलेगा। विद्यार्थियों को परीक्षा प्रतियोगिताओं में सफलता के लिए कड़ी मेहनत की आवश्यकता होगी।

धनु
इस सप्ताह आपके ऊपर कार्यक्षेत्र के साथ ही पारिवारिक जिम्मेदारियों का भी दबाव रहेगा। वैसे यह समय आपके करियर और बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए भी शुभ साबित होगा। नौकरीपेशा लोग जो किसी अच्छे मौके की तलाश में थे, उनकी इच्छा इस हफ्ते पूरी हो सकती है। व्यापार के सिलसिले में की गई यात्रा सुखद और लाभदायक साबित होगी।

मकर
इस सप्ताह अपनी सेहत और रिश्तों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होगी। परिवार के किसी सदस्य के साथ चल रहा तनाव दूर सकता है। कार्यस्थल पर सीनियर या जूनियर से अपेक्षित सहयोग मिलने से आपका काम सुचारू रूप से चलेगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति की मदद से आप न केवल पारिवारिक बल्कि व्यावसायिक समस्याओं का भी समाधान ढूंढने में सफल रहेंगे।

कुंभ
यह सप्ताह शत्रुओं और विरोधियों से सतर्क रहना चाहिए। कुछ लोग सामने से मित्र बनेंगे लेकिन पीछे आपको नुकसान पहुंचाने की ताक में रहेंगे। आपको परिवार के साथ मनोरंजक समय बिताने का मौका मिलेगा। घर की व्यवस्था और साज-सज्जा पर आपको धन भी खर्च करना होगा। घर पर मित्रों और मेहमानों का आगमन हो सकता है।

मीन
इस सप्ताह कोई भी बड़ा निर्णय लेते समय घर के बड़ों और अनुभवी लोगों से सलाह जरूर कर लेना चाहिए। बिजनेस में भी आपको बहुत सावधानी से आगे बढ़ने की जरूरत है वरना नुकसान हो सकता है। आपको अपने कारोबार में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। परिवार में आपको वाणी और क्रोध पर नियंत्रण करने की जरूरत है।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त कर ने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 48

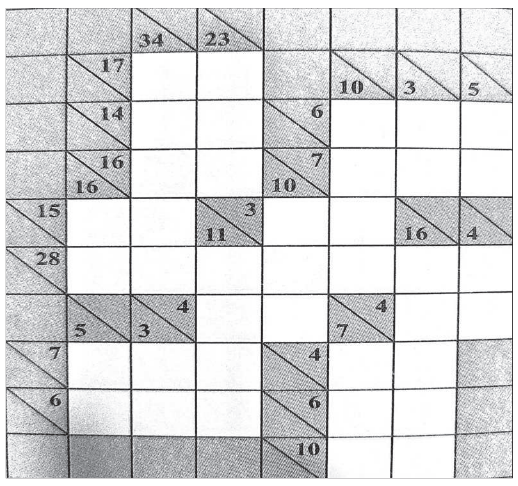

काकुरो 47 का हल

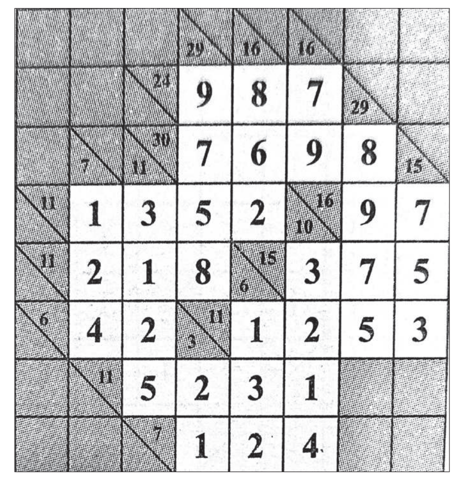

हास्य कथा

कविवर मस्ताना की मस्तानी होली

वैसे तो होली का त्योहार सभी को प्रिय होता है, लेकिन जिन सौभाग्यशाली व्यक्तियों को ससुराल की साली के संग होली का त्योहार मनाने का मौका मिले तो फिर कहने की क्या? उनके लिए तो वह विशेष होली यादगार होली बने बिना नहीं रह सकती। ऐसा ही एक मौका इस बार होली पर कविवर मिठाई लाल 'मस्ताना' को भी मिला। मस्ताना जी यथा नाम तथा गुण के थे और उनमें मस्तानों जैसी सारी विधाएं विद्यमान थीं। उनकी अभी नई-नई शादी हुई थी। वह शादी से इतने ज्यादा प्रसन्न नहीं थे, जितना इस बात से कि उनको ऊपर वाले ने ससुराल में एक नहीं, अनेक सालियां प्रदान कीं थीं। शादी के बाद यह उनकी पहली होली थी। होली के एक सप्ताह पहले से ही वह यह सोच-सोच कर दीवाने होने लगे थे कि इस बार होली वाले दिन उन्हें अपनी ढेर सारी सालियों के साथ होली खेलने का मौका मिलेगा।

डॉ. देशबंधु
बाल साहित्यकार

अभी तक तो उन्होंने केवल पढ़ा और सुना ही था कि ससुराली सालियों के साथ होली खेलने की कितनी सुखद अनुभूति होती है? लेकिन इस बार वह यथार्थ में इस अनुभूति का अनुभव करने वाले थे। उस दिन वह इन्हीं विचारधाराओं के समंदर में गोते लगाते हुए सालियों के साथ होली खेलने की रूप रेखा तैयार करने में व्यस्त थे कि अचानक उनका मोबाइल चिल्ला उठा। इतने महत्वपूर्ण कार्य में व्यवधान पड़ने पर उनका गुस्से से लाल-पीला होना स्वाभाविक ही था। मन ही मन मोबाइल पर 'काल' करने वाले को बुरा भला कहते हुए वह लपककर मेज पर पहुंचे और मोबाइल के स्क्रीन पर फोन करने वाले का नाम पढ़ने लगे। नाम देखते ही उनका गुस्सा ऐसे गायब हुआ, जैसे "गधे के सिर से सींग"। एक अजीब सी मुस्कराहट उनके गोल मटोल चेहरे पर तैरने लगी। दरअसल फोन उनकी छोटी साली अप्सरा का था। अपना निचला होंठ दबाते हुए उन्होंने अपने मोबाइल का स्विच खोला और प्यार से बोले,- "हैलो अप्सरा, कैसी हो? मैं तो तुम्हारे बारे में ही सोच रहा था।" "अरे वाह, हम लोग तो सोच रहे थे कि जीजू हमें याद ही नहीं करते। हमने फोन इसीलिए किया था जीजू कि परसों होली है न। और आप जानते हैं कि इस बार हम अपने जीजू के साथ होली खेलेंगे। आपको यह याद दिलाना था कि परसों आप अपनी ससुराल में अपनी सालियों से मिलने जरूर आइएगा ताकि वे अपने जीजू को प्यार भरे रंग से सराबोर कर सकें।" फोन पर अप्सरा ने हंसते हुए कहा। "तुम हमें रंगोगी? नहीं... नहीं..., हमें यह रंग-वंग अच्छा नहीं लगता। हमें तो बस बोलना, बतियाना और ढेर सारे पकवान खाना अच्छा लगता है। तुम्हें भी बताए देते हैं कि इस रंग-गुलाल बगैरा से जीजू को दूर ही रखना। वैसे मैं तुम्हें बता दूं कि जब रंग चलना बंद हो जाएगा, उसके बाद मैं आऊंगा, ताकि तुम लोग मुझे रंग न सको।" जीजू ने एक अनोखी मुस्कान बिखेरते हुए कहा। "अरे जीजू, यह कोई वैसा रंग थोड़े ही होगा। यह तो होगा आपकी प्यारी-प्यारी सालियों के प्यार का रंग, जिसको पाने के लिए अच्छे-अच्छे तरसते हैं। आप इतने भाग्यशाली हैं कि आपको एक नहीं, कई सालियों के प्यार का रंग नसीब हो रहा है और आप हैं कि उसे स्वीकारना ही नहीं चाहते। वैसे भी यह रंग आपके शरीर और कपड़ों को नहीं वरन् आपके मन और हृदय को ऐसा रंगीन कर देगा कि आप उस रंग को कभी छुड़ा भी नहीं पाएंगे।" अप्सरा ने थोड़ा इतराते हुए जब यह बात फोन पर कही तो जीजू ने अपने सारे हथियार डाल दिए और अपने आपको एक हारे हुए पहलवान की तरह साबित करते हुए कहा,-"जब तुम लोग इतना आग्रह कर ही रहे हो तो मुझे आना ही पड़ेगा। आऊंगा भाई, जरूर आऊंगा। तुम्हारा यह 'मस्ताना' जीजू होली वाले दिन अपनी सालियों को ऐसा रंग लगाने आएगा कि यह होली तुम सबके लिए एक यादगार होली बन जाएगी।" यह कहकर उन्होंने मोबाइल बंद कर दिया।

मारे खुशी के कवि मस्ताना गुब्बारे की तरह फूलकर कुप्पा हुए जा रहे थे। वह मन ही मन सोच रहे थे कि होली वाले दिन रंग बंद हो जाने के बाद वह ससुराल जाएंगे ताकि लोग यह समझेंगे कि अब तो जीजू रंग खेलेंगे नहीं! और फिर वह चुपचाप अपनी जेब से रंग की पुड़िया खोलकर सालियों के सिर पर उड़ेल देंगे। यह विचार मन में आते ही उनकी आंखे बंद होने लगीं, जैसे वह अपने मन की आंखों से इस दृश्य का वास्तविक आनंद ले रहे हों। होली वाले दिन सुबह से ही रंग चलना शुरू हो गया था, लेकिन कवि मस्ताना को इस होली में बिल्कुल भी आनंद नहीं आ रहा था। वह तो सोच रहे थे कि कब रंग चलना बंद हो और कब वह अपनी ससुराल में अपनी प्रिय सालियों के साथ होली का अदभुत मजा ले सकें। जैसे-तैसे इंतजार की घड़ियां खत्म हुई। दोपहर के बाद रंग चलना बंद हो गया था। मस्ताना जी ने एक पुराना, लेकिन साफ़ प्रेस किया हुआ सफेद पैजामा कुर्ता निकालकर पहना और लंबे-लंबे डग भरते हुए ससुराल की ओर बढ़ने लगे। कुछ ही मिनटों में वह अपनी ससुराल के दरवाजे पर खड़े थे। उन्होंने हाथ बढ़ाकर दरवाजे के एक कोने में लगी घंटी बजाई। कुछ ही पल में उनकी सबसे छोटी साली अप्सरा ने दरवाजा खोला। दरवाजे पर जीजू को देखकर वह मारे खुशी के उछलती हुई बोली, "अरे जीजू, आपने कितनी देर कर दी? हम लोग न जाने कब से आपका इंतजार कर रहे हैं। आइए, अंदर आइए।"

जीजू ने नपे तुले कदमों से अंदर कदम रखा। वह जासूसों जैसी दृष्टि से चारों ओर नजर दौड़ाते हुए चल रहे थे। उन्हें डर था कि कहीं सालियों ने कोई रंग उड़ेलने की व्यवस्था न कर रखी हो। जब वह बैठक के दरवाजे पर पहुंच गए, तो उन्हें संतोष हुआ कि सब कुछ ठीक ठाक है। कहीं कोई गड़बड़ नहीं है। "आइए न जीजू, आप आज यह चल कैसे रहे हैं? क्या पैर में कोई तकलीफ है?" जब अप्सरा ने उन्हें इस प्रकार से चलते हुए देखा तो जिज्ञासावश पूछ ही लिया। "नहीं...नहीं...ऐसा कुछ नहीं है। काफी दिनों के बाद आया हूं न, इसीलिए चारों ओर की सजावट देख रखा हूं। वाह...! तुम लोगों ने अपने जीजू के स्वागत में घर को कितने सुंदर ढंग से सजा रखा है? भई, सालियां हों तो तुम्हारे जैसी। वे लोग अभागे होते होंगे, जिनकी ससुराल में सालियां नहीं होती होंगी।" यह कहते-कहते वह बैठक में सफेद चादर से बिछी चारपाई पर धमककर बैठ गए। जैसे ही वह बैठे, "छपाक" की जोरदार आवाज ने सबको डरा दिया। मस्ताना जीजू का आधा शरीर चारपाई के अंदर, मय चादर सहित धंसा पड़ा था। यह देखकर सभी सालियों ने ठहाका लगाकर हंसना शुरू कर दिया। जीजू की तो हालत ही खराब थी। उनकी समझ में नहीं आ रहा था कि यह सब हो क्या गया है? उनकी तो सारी योजना ही चौपट हो गई थी। वह आए तो थे सालियों को रंगने, लेकिन सालियों ने तो उनकी योजना का तख्ता ही पलट दिया था। जैसे-तैसे वह उठे और पीछे मुड़कर देखा तो सारी कहानी समझ में आ गयी।

दरअसल सालियों ने बीच में टूटी चारपाई के नीचे एक बड़ा सा रंग से भरा टब रखा था और ऊपर से सफेद चादर चारपाई पर बिछा दी थी। मस्ताना जीजू जैसे ही चारपाई पर बैठे, वह सीधे रंग भरे टब में समा गए। उन्हें रंग से सराबोर देखकर सालियों की हंसी के मारे आवाज ही नहीं निकल पा रही थी। तभी अप्सरा बोल पड़ी-"आज होली वाले दिन अपने जीजू को रंगे बिना तो हम लोगों की होली सूनी ही रहती। यह कैसे हो सकता था भला? हम लोगों ने अपनी होली सूनी नहीं रहने दी जीजू। फिर होली में तो कोई बुरा मानता नहीं है। आप भी नहीं मानेंगे न जीजू?" अब जीजू क्या कहते बेचारे? खिसियानी बिल्ली कि तरह बस अपनी बत्तीसी दिखाकर रह गए, लेकिन कुछ समय पहले "भगवान मिलाए ऐसी सालियों से" कहने वाले जीजू अब मन ही मन कह रहे थे, "भगवान बचाए ऐसी सालियों से...!" निश्चय ही उनके और उनकी सालियों के लिए यह यादगार होली थी।

काव्य

फागुनी मस्ती में

उड़ेंगे रंग गुलाल, फागुनी
मस्ती में।
आएंगे नंदलाल फागुनी
मस्ती में।
मन-आंगन की खिड़की
खोले,
राधा तितली बनकर डोले।
सखी सहेली रंग उडाएं,
कान्हा जी को पकड़ लगाएं।
बजेंगे ढोल और झांझ,
हमारी बस्ती में।
उड़ेंगे रंग गुलाल, फागुनी
मस्ती में।
महुआ महके आम बौराए,
मादक गंध फिजा में आए।
लदी-पकी सरसों की
डाली,
कोयल कूक रही मतवाली
खुश हो रहा किसान,
फागुनी मस्ती में।
उड़ेगे रंग गुलाल, फागुनी
मस्ती में।
साली जैसे सजी रंगोली,
जीजू के संग हंसी-
ठिठोली।
रंग गुलाल अबीर की चाबी,
काट चिकोटी भागी भाभी।
भरी बाल्टी लेकर देवर,
डोले सारी बस्ती में।
उड़ेगे रंग गुलाल, फागुनी
मस्ती में।
होली के सब ठाठ निराले,
शिकवे गिले चलो मिटा लें।
जमकर रंग बरसता ऐसे,
होती आनंद वर्षा जैसे।
भरी है नई तरंग, किसी ने
कश्ती में।
उड़ेगे रंग गुलाल, फागुनी
मस्ती में।

नरेन्द्र सिंह 'नीहार'
वरिष्ठ साहित्यकार

होली का उन्माद

उम्र बढ़ी तो बदला बदला,
है होली का स्वाद।
खत्म हो गया रंग-बिरंगी,
होली का उन्माद।

जिनके लिए बनाया था घर,
वे हैं कोसों दूर।
होली हो या दीवाली,
घर आने से मजबूर।

नाती-पोतों की फोटो से,
करना है संवाद।

चाय बनाकर लाई पत्नी,
गुमसुम बैठी पास।
घर में पसरा है सन्नाटा,
मन है बहुत उदास।

आ न सके हैं बेटे-बहुएं,
बेटी और दामाद।

अब तो संग-साथ वाले हैं,
ज्यादातर बीमार।
कमर दर्द या सांस फूलती,
चलने में लाचार।

अपने घर के दरवाजे पर,
हम बैठे आबाद।

ज्ञानेन्द्र मोहन 'ज्ञान'
शाहजहांपुर

होली के रंग

आओ होली में रंग लगाएं।
आओ माहौल को रंगीन
बनाएं।।

हर तबका गले मिले।
ऐसा कोई गीत सुनाएं।।

आओ हिन्दू-मुस्लिम का
फर्क मिटाएं।
आओ सब-मिलकर देश को
मजबूत बनाएं।।

चलो अबीर से गुलाल
मिलाएं।
चलो सब मिलकर एक सुर
गुनगुनाएं।

आओ होली में रंग लगाएं।
आओ देश को मजबूत
बनाएं।।

चलो एक दूसरे पर प्यार
बरसाएं।
चलो मिलकर नफरत
मिटाएं।

आओ होली में रंग लगाएं।
आओ फिर माहौल रंगीन
बनाएं॥

असीन 'आनन्द'
बरेली

व्यंग्य

होली पर सावधानी ही बचाव

शब्दों में मिठास के साथ मीठे पकवानों के स्वाद के बीच पर्व मनाने का चलन था, उस पर भी किसी की बुरी नजर लग गई। कभी किसी ने वर्ण व्यवस्था को बुरा नहीं माना। सभी वर्णों को आजादी थी, कि वे अपनी-अपनी परंपराओं को निभाएं, उनके सुर में अन्य वर्ण भी अपना सुर मिलाएं। सामाजिक समरसता बनाए रखने में पर्वों का बड़ा योगदान था। मुहल्ले के चौराहों पर महीने भर पहले से ही होली की तैयारी शुरू हो जाती थी। झाड़ियों और पेड़ों की टहनियां काटकर एकत्र की जाती थी। बहरहाल यह अतीत का विषय है।

सुधाकर आशावादी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

प्राथमिक कक्षाओं में होली, दिवाली, दशहरे और रक्षाबंधन के निबंध रटाए जाते थे। गाय के निबंध में गाय के अंगों का चित्रण किया जाता था, गाय की दैनिक जीवन में उपयोगिता बताई जाती थी, जिसमें एक वाक्य अवश्य लिखाया जाता था कि गाय हमारी माता है। बहरहाल निबंध कोई भी हो, प्रस्तावना, औचित्य, उपयोगिता, उपसंहार में बांटकर उसका विस्तार किया जाता था। निबंध चाहे कोई भी हो, प्रस्तावना में चार वर्णों की चर्चा करते हुए लिखा जाता था कि रक्षाबंधन ब्राह्मणों का पर्व है, दशहरा क्षत्रियों का पर्व है, दिवाली वैश्यों का पर्व है, होली शूद्रों का पर्व है। उसके बाद उसी पर्व की व्याख्या की जाती थी, जिस पर्व पर निबंध लिखना होता था। वैसे सभी पर्वों में सभी वर्णों की पूर्ण भागीदारी होती थी। होली पर सभी एक दूसरे से गले मिलकर रंग गुलाल का प्रयोग करते थे। एक दूसरे से गले मिलने में कोई कतराता नहीं था। भेदभाव जैसी स्थिति होली पर दृष्टिगत नहीं होती थी। कई बार तो लिपे-पुते चेहरों की पहचान भी नहीं होती थी। आज स्थिति सर्वथा प्रतिकूल है।

समाज को बांटने वाली शक्तियां नहीं चाहती कि समाज में समरसता का वातावरण बना रहे। कुछ संवैधानिक प्रावधान भी समरसता के विरोध में खड़े हैं। आदमी-आदमी को जातियों में बांटकर भेदभाव की खाई खोदने में राजनीतिक तत्व सक्रिय हैं। अलगाव की ढपली में समरसता की बातें बेमानी लगती हैं। ऐसे में होली मनाने से डर लगता है कि यदि बिना जाति पूछे किसी की मर्जी के बिना उस पर रंग लगा दिया, तो हो सकता है, भेदभाव पूर्ण आचरण का आरोप लगाकर कोई जेल की सलाखों के पीछे न डलवा दे। जेल में होली की गुझिया और नमक पारे के स्थान पर डंडों के उपहार से सम्मानित होना पड़े। सियासत यही चाहती है, जो स्वयं को सामाजिक समरसता के ठेकेदार समझते हैं, वे भी ऐसे अवसर पर दूरी बनाने में संकोच नहीं करेंगे। ऐसे मामलों में जमानत भी आसानी से नहीं होगी। सो इस बरस होली में सावधानी ही बचाव है। उससे बचने का एकमात्र उपाय है कि सार्वजनिक स्थलों पर होली खेलने से दूरी बनाएं। स्वयं भी सुरक्षित रहें और परिवार को भी मुक़दमेबाजी के आसन्न संकट से बचाएं।

लघुकथा

टेसू का रंग

फागुन की सुगबुगाहट पर जहां खुशियां उमगनी चाहिए थीं, वहां इन दिनों नंदिता के मन में उस झुग्गी-बस्ती की छवि बार-बार उभर आती, जहां वह स्कूल की ओर से, बच्चों को जमीनी हकीकत दिखाने ले गई थी। स्कूल जाते समय उसने निश्चय किया। कक्षा में पहुंचकर बोली-"हम एक चिन्मय भोर उगाना चाहते हैं।"

बच्चे हंस पड़े-"मैडम, भोर भी उगाई जाती है?"

नंदिता मुस्कुराई-"हां, जब मन जाग जाए, तभी संभव है।"

कल्पना मनोरमा
साहित्यकार, नोएडा

"तो क्या करेंगे?" कक्षा में स्वर गूंजा। "जो रविवार को सुबह आठ बजे मेरी सोसायटी के गेट पर पहुंचेगा, वही इस परियोजना का हिस्सा बनेगा।" रविवार की सुबह बच्चे समय पर पहुंच गए। नंदिता उन्हें लेकर बस्ती पहुंची। खुले घर, बिखरा सामान, बुझे चूल्हे और ठहरी हुई आंखें-बच्चे चुपचाप सब देख रहे थे। नंदिता ने धीमे स्वर में कहा-"बच्चों, केवल ज्ञान की अंगीठी जलाने से रोटी नहीं सिकती, साधन भी चाहिए।"

अगले दिन बच्चे अपने-अपने घरों से कपड़े, किताबें, भोजन और कुछ पैसे लेकर आए। वे फिर बस्ती पहुंचे। किसी ने दीवारों पर सूरज और पेड़ों के चित्र चिपकाए, किसी ने बच्चों को पढ़ना सिखाया, किसी ने सामान बांटा। धीरे-धीरे वहां के चेहरों पर संकोच की जगह मुस्कानें उग आईं। नंदिता ने इस प्रयास को नियमित करने के लिए स्कूल से अनुमति ली और हर महीने वहां जाने का क्रम बन गया। यूं तो आसमान धुंधला ही था, पर नंदिता को लगा-क्षितिज पर एक ही सही, सुनहरी रेखा उभर रही है। एक दिन स्कूल में बच्चे ने पूछा-"मैडम, चिन्मय भोर उगी क्या?"

नंदिता की आंखें चमक उठीं- "जब तक हर घर में उजाला न फैल जाए, परियोजना अधूरी है।" "तो अब क्या करेंगे अब?" "कल चलकर देखते हैं।"

सब मिलकर फिर से बस्ती पहुंचे। वहां के बच्चे नमस्ते करना सीख गए थे। बस्ती के बच्चे घिर आए। सबको सामान देकर लौटते समय नंदिता ने कहा-"तुम लोग टेसू के फूलों का रंग बनाना, हम होली पर खरीदने आएंगे।"

समीक्षा

सागर से अंतरिक्ष तक

रक्षा और सामरिक विषय राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े होने के कारण अत्यंत संवेदनशील माने जाते हैं। इन पर प्रमाणिक, शोध-आधारित और तथ्यपरक साहित्य समाज में सही जानकारी का प्रसार करता है और मिथकों को दूर करता है। इसी संदर्भ में वरिष्ठ लेखक योगेश कुमार गोयल की पुस्तक सागर से अंतरिक्ष तकः भारत की रक्षा क्रांति हिंदी में एक महत्वपूर्ण और प्रासंगिक कृति के रूप में सामने आई है। हिंदी अकादमी, दिल्ली के अनुदान से प्रकाशित यह लेखक की सातवीं पुस्तक है, जो स्वतंत्र भारत की रक्षा यात्रा को समुद्र से अंतरिक्ष तक व्यापक दृष्टिकोण में प्रस्तुत करती है।

पुस्तक : सागर से अंतरिक्ष तक : भारत की रक्षा क्रांति
लेखक : योगेश कुमार गोयल
पृष्ठ संख्या : 300
मूल्य : 695 रुपये
प्रकाशक : मीडिया केयर नेटवर्क, नई दिल्ली।
समीक्षक : विवेक शुक्ला

पुस्तक का मूल विषय भारत की रक्षा क्षमताओं का बहुआयामी विकास है। प्रारंभिक अध्यायों में स्वतंत्रता के बाद की रक्षा नीति तथा 1962, 1965, 1971 और कारगिल युद्ध से मिले सबकों के आधार पर हुए सुधारों का विश्लेषण है। आगे आधुनिक सैन्य सशक्तीकरण- मिसाइल तकनीक (अग्नि, पृथ्वी, ब्रह्मोस, आकाश), लड़ाकू विमान (राफेल, तेजस, सुखोई-30), एयर डिफेंस सिस्टम (S-400), युद्धपोत (विक्रांत), पनडुब्बियां और ड्रोन तकनीक पर विस्तार से चर्चा की गई है।

पुस्तक का अंतरिक्ष खंड विशेष रूप से उल्लेखनीय है, जिसमें ISRO और DRDO के सहयोग से विकसित मिशन शक्ति, सैन्य उपग्रहों और अंतरिक्ष को रक्षा के चौथे आयाम के रूप में उभरती भूमिका पर प्रकाश डाला गया है। लेखक स्पष्ट करते हैं कि आधुनिक युद्ध अब बहुआयामी हो चुका है। भारत की "नो फर्स्ट यूज" नीति को बनाए रखते हुए निर्णायक रक्षात्मक क्षमता विकसित करने की दिशा भी रेखांकित की गई है। लेखक की पत्रकारिता पृष्ठभूमि के कारण भाषा सरल, तथ्य समृद्ध और संतुलित हैं। आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, iDEX और रक्षा उत्पादन में बढ़ती स्वदेशी भागीदारी पर भी प्रकाश डाला गया है। 2025-26 में बढ़ते रक्षा बजट, आधुनिकीकरण और निर्यात वृद्धि जैसे ताजा घटनाक्रम पुस्तक को और प्रासंगिक बनाते हैं। कुल मिलाकर, यह कृति भारत की रक्षा क्रांति का सशक्त दस्तावेज है, जो छात्रों, नीति-निर्माताओं और जागरूक नागरिकों के लिए समान रूप से उपयोगी और प्रेरणादायक सिद्ध होती है।

कहानी

होली का सबक

"ट्रिन ट्रिन..." मोबाइल की लगातार बजती घंटी ने सीमा का ध्यान अपनी ओर आकृष्ट किया। उधर से राधा दीदी की आवाज आई, "कैसी हो तुम और रिया कैसी है? पढ़ाई से फुरसत मिल गई हो तो थोड़ा अपनी दीदी का हाल-समाचार भी पूछ लो।" "हम दोनों तो ठीक हैं दीदी। आप कैसी हैं?", सीमा ने कहा। "मैं भी बढ़िया हूं। तुम लोगों को एक खुशखबरी देनी थी। तुम और रिया मौसी बनने वाले हो।" राधा दीदी ने एक ही सांस में कहा। सीमा ने खुशी से उछलते हुए कहा, "क्या, सच में? यह तो वाकई में बहुत अच्छी खबर सुनाई आपने।" "तुम दोनों अपना सामान पैक कर लो और इस बार की होली हमारे साथ ही मनाना। मैंने मां-पापा से इस बाबत बात कर ली है। तुम्हारे जीजाजी भी छुट्टी में घर पर रहेंगे। इसी बहाने मुझे सबके साथ वक्त बिताने का अवसर मिल जाएगा।" राधा दीदी ने उत्साहित स्वर में कहा। सीमा ने हामी भरी और फोन रख दिया। सीमा और रिया दीदी की खबर सुनकर बेहद खुश थे। दोनों दीदी के घर जल्द-से-जल्द जाकर उनसे मिलना चाहते थे पर, पिछले वर्ष की होली के वाकये को याद कर उनका मन कसैला हो उठा।

डॉ. मोनिका राज
सहरसा, बिहार

पिछले होली में दोनों अपने घर गए हुए थे। राधा दीदी के शादी के बाद की वह पहली होली थी। दीदी के साथ रितेश जीजाजी भी आए हुए थे। होली का उत्साह चरम पर था। सभी बहुत खुश थे। रंग खेलने का कार्यक्रम छत पर था। सभी बड़ी देर तक एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर आनंदित हो रहे थे। शाम घिरने पर मां ने सबको खाना खाने के लिए आने की आवाज लगाई तो सभी लोग नीचे चले गए। केवल सीमा छत पर अकेली रह गई। वह बिखरे हुए समान को समेट ही रही थी कि उसने अपने कंधे पर किसी का स्पर्श महसूस किया। "अरे जीजाजी आप! क्या कुछ चाहिए आपको?" सीमा ने हड़बड़ाते हुए कहा। "हां साली साहिबा। चाहिए, तभी तो आपके पास आया हूं।" रितेश ने बेशर्मी से आंख दबाते हुए कहा। "जी, बताइए, क्या चाहिए आपको?" सीमा ने पूछा। "हमने आपको सबके सामने 'सही जगह' पर रंग लगाया ही नहीं। अरे भई, एकलौता जीजा हूं मैं आपका। मेरा इतना हक तो बनता ही है।" कहते-कहते रितेश ने उसका कंधा दबाया।

यह सुनते ही सीमा अंदर से कांप गई। वह हड़बड़ा कर पीछे हटने लगी। तभी अचानक सीमा को ढूंढते हुए रिया छत पर आ गई। रितेश उसकी आवाज सुनकर सकते में आ गया। सीमा तेजी से दौड़कर नीचे के तरफ चली गई। उसकी फूलती सांस और आंखों से बहते आंसुओं को देख रिया परेशान हो गई। सारी बात सुनने के बाद रिया ने गुस्से में दांत पीसते हुए कहा,"बस, बहुत हो गया। चलो, अभी सबके सामने उन्हें बेनकाब किया जाए।" तभी सीमा ने संयत स्वर में कहा, "करने को तो हम उन्हें बेनकाब कर देंगे पर जरा सोचो, अगर वो सबके सामने इस बात से मुकर गए या दीदी को यह बात मालूम पड़ी, तो उन्हें कितनी शर्मिंदगी झेलनी पड़ेगी।" रिया भी इस बात से सहमत थी इसलिए बात वहीं दफन हो गई।

आज जब राधा दीदी ने उन दोनों को होली में आने को कहा, तो पिछली होली के वाकये को याद कर उनके मन का घाव पुनः हरा हो गया। राधा दीदी से मिलने का दोनों को बहुत मन था, परंतु दोनों वहां जाकर रितेश जीजाजी का सामना करने से बचना चाह रही थी। दोनों बहनों ने सोचा कि ऐसा क्या किया जाए, जिससे सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे। वे दोनों अपनी राधा दीदी को बिना तकलीफ दिए रितेश जीजाजी को सबक सिखाना चाहती थी। बहुत सोचने पर उन्होंने एक योजना बनाई। उन्होंने रितेश जीजाजी की बहन माया को फोन मिलाया और दीदी की खुशखबरी देकर होली में उसे भी साथ चलने को राजी कर लिया। होली वाले दिन दीदी के घर पर सभी लोग एकत्र हुए। योजनाबद्ध तरीके से दोनों बहनों ने माया को भी उनके जैसा ही पोशाक पहना दिया और सभी मिलकर रंग खेलने लगे। समवयस्क होने की वजह से माया की लंबाई सीमा और रिया के लगभग समान ही थी। चेहरे पर रंग पुते होने की वजह से तीनों में अंतर करना मुश्किल था। जीजाजी को आते देखकर सीमा किचन की तरफ बढ़ी। थोड़ी देर में रितेश भी उसके पीछे से किचन में पहुंच गया। रितेश ने देखा सीमा प्लेट में खाने का सामान लगा रही है। अच्छा मौका देखकर उसने सीमा को पीछे से बाहों में जकड़ लिया और जबरदस्ती चेहरे पर गुलाल मलते हुए बेहयाई से बोला,"कब तक भागोगी, साली जी? अभी तो पिछले साल का हिसाब भी पूरा करना है। बुरा न मानो होली है।" सीमा चीख मारकर पीछे पलटी तो रितेश के होश फ़ाख्ता हो गए। यह तो उसकी बहन माया थी। तभी सामने से सीमा और रिया आते हुए दिखे। रितेश की 'काटो तो खून नहीं' वाली हालत हो गई। "भैया, आप इतनी गिरी हुई हरकत कर सकते हैं, यह तो मैंने सपने में भी नहीं सोचा था। कितनी इज्जत करती थी मैं आपकी। आपका यह असल चेहरा देखकर मुझे आपसे नफरत-सी होने लगी है। होली, प्रेम और सौहार्द का त्योहार है, जिसे लोग अपने गिले-शिकवे भूल कर मनाते हैं, लेकिन आप जैसे शख्स की वजह से ही इस त्योहार का मजा किरकिरा हो जाता है और कुछ रिश्ते सदैव के लिए कलंकित हो जाते हैं।" माया ने गुस्से से दांत भींचते हुए कहा।

बहन की बात सुन रितेश शर्म के मारे पानी-पानी हो गया। इस होली रिया और सीमा ने मिलकर रितेश को अच्छा सबक सीखा दिया था। "आइंदा अब वह किसी भी लड़की के साथ ऐसा बर्ताव नहीं करेंगे", रिया ने सीमा के कान में फुसफुसाया। नजदीक आकर रिया ने रितेश के माथे पर गुलाल का टीका लगाया और कहा, "जीजाजी, बुरा न मानो होली है।" रितेश के चेहरे का रंग उतर चुका था। उसने शर्म से अपना सर नीचे झुका लिया।

रंगों का त्योहार होली केवल खुशियों और उमंग का नहीं, बल्कि फैशन में नए प्रयोगों का भी अवसर होता है। इस खास दिन हर कोई चाहता है कि उसका लुक सबसे अलग और आकर्षक नजर आए। ऐसे में फ्रिल्स वाली ड्रेस आपके होली स्टाइल को खास बना सकती है। फैशन की दुनिया में पुराना ट्रेंड अक्सर नए रूप में लौटता है और इस होली सत्तर-अस्सी के दशक की फ्रिल्स फिर से चर्चा में हैं। फ्रॉक, स्कर्ट, साड़ी, कुर्ती, टॉप या गाउन हर परिधान में फ्रिल्स का जादू देखने को मिल रहा है। होली के मौके पर जब चारों ओर रंगों की बौछार होती है, तो फ्रिल्स की लेयर्स और फ्लोई डिजाइन आपके लुक में एक अलग ही चंचलता और नारीत्व जोड़ देती हैं।

फ्रिल्स का जादू: सादगी में स्टाइल का नया अंदाज

इन दिनों ये फ्रिल्स हैं ट्रेंड में

लेयर और लेयर्ड फ्रिल्स– स्कर्ट और फ्रॉक में लेयर फ्रिल्स बेहद खूबसूरत लगती हैं। जब एक फ्रिल के ऊपर दूसरी फ्रिल लगाई जाती है, तो उसे लेयर्ड फ्रिल कहा जाता है। अधिक लेयर्स से ड्रेस ज्यादा रिच और फेस्टिव लुक देती है।

वॉटरफॉल फ्रिल्स– ऑफ-शोल्डर ड्रेस और गाउन में यह स्टाइल खासतौर पर पसंद की जा रही है। नेकलाइन के आसपास बहती हुई फ्रिल्स आउटफिट को सॉफ्ट और फ्लोई इफेक्ट देती हैं।

ओवर फ्रिल्स– यह फ्रिल्स आमतौर पर स्लीव्स, टॉप या गाउन में लगाई जाती हैं। इनमें अधिक फैब्रिक इस्तेमाल होता है, जिससे यह अधिक फुलर और ड्रामेटिक लुक देती हैं। डबल या ट्रिपल लेयर में ये और भी आकर्षक लगती हैं।

साइड प्लेटेड फ्रिल्स– एक तरफ प्लेट्स डालकर बनाई गई फ्रिल्स आउटफिट को स्ट्रक्चर्ड और क्लासी लुक देती हैं। कॉटन फैब्रिक में ये ज्यादा स्मूद बनती हैं और फॉर्मल वियर के लिए उपयुक्त रहती हैं।

क्यों हैं खास फ्रिल्स

फ्रिल्स किसी भी साधारण परिधान में नारीत्व, कोमलता और आकर्षण जोड़ देती हैं। यह न केवल आउटफिट को वॉल्यूम देती हैं, बल्कि उसे ट्रेंडी और स्टाइलिश भी बनाती हैं। सही डिजाइन और फैब्रिक के साथ चुनी गई फ्रिल्स आपके व्यक्तित्व को और निखार सकती हैं।

चुनट वाली फ्रिल्स

बड़े टांकों से कपड़े को खींचकर बनाई गई यह फ्रिल पारंपरिक और मॉडर्न दोनों लुक में फिट बैठती है। यह कॉटन और सिंथेटिक दोनों फैब्रिक में अच्छी बनती है।

फ्रिल बनवाते समय ध्यान रखने योग्य बातें

- हमेशा अच्छी क्वालिटी और पक्के रंग का फैब्रिक चुनें।
- बेहतर फॉल के लिए जॉर्जेट, साटन या सॉफ्ट नेट जैसे मिक्स फैब्रिक का चयन करें।
- फ्रिल के किनारों पर पिको या इंटरलॉक सिलाई करवाने से फिनिशिंग प्रोफेशनल लगती है।
- लेस, बीड्स, मोती या पाइपिंग से आप ड्रेस को फेस्टिव टच दे सकती हैं।
- फ्रिल्ड ड्रेस को हाथ से सॉफ्ट डिटर्जेंट से धोना बेहतर होता है, ताकि उसकी शेप और सिलाई सुरक्षित रहे।
- फ्रिल्स केवल डिजाइन नहीं, बल्कि स्टाइल स्टेटमेंट हैं। सही चुनाव और संतुलन के साथ आप अपने वार्डरोब को नया, ट्रेंडी और आकर्षक रूप दे सकती हैं।

होली में त्वचा और बालों की संपूर्ण देखभाल

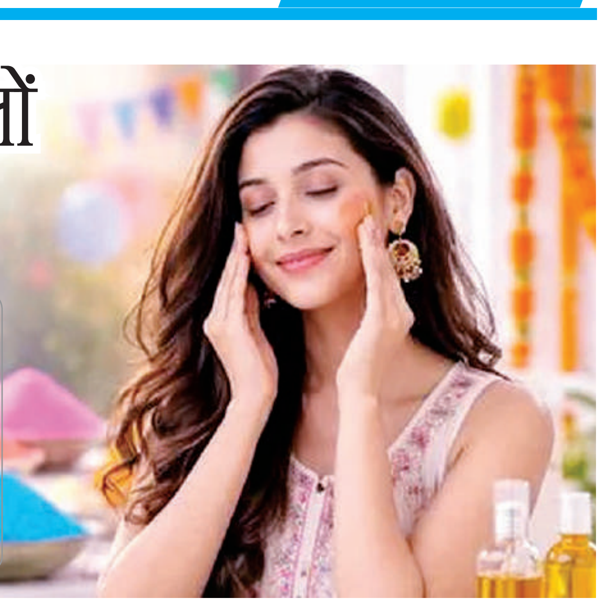

होली खुशियों, उमंग और उत्साह का पर्व है। रंगों से सराबोर यह त्योहार रिश्तों में मिठास घोलता है, लेकिन बाजार में मिलने वाले कई रंगों में माइका, लेड और अन्य हानिकारक रसायन मिले होते हैं। ये त्वचा को रूखा, बेजान और एलर्जीग्रस्त बना सकते हैं। बालों में रूखापन, दोमुंहे बाल और झड़ने की समस्या भी बढ़ सकती है। इसलिए होली का आनंद लेते समय सावधानी बरतना बेहद आवश्यक है।

शहनाज हुसैन
सौंदर्य विशेषज्ञ

धूप और यू.वी. किरणों से बचाव

होली प्रायः खुले वातावरण में खेली जाती है। तेज धूप और यू.वी. किरणें त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती हैं, जिससे टैनिंग और नमी की कमी हो जाती है। होली खेलने से लगभग 20 मिनट पहले कम से कम SPF 20 युक्त सनस्क्रीन लगाएं। यदि त्वचा संवेदनशील है या मुंहासे हैं, तो अधिक SPF का चयन करें। शुष्क त्वचा वालों को पहले सनस्क्रीन और उसके बाद मॉइस्चराइजर लगाना चाहिए।

त्वचा की सुरक्षा के लिए मॉइस्चराइजिंग कवच

रंग खेलने से पहले चेहरे, हाथों, पैरों और अन्य खुले अंगों पर अच्छी मात्रा में मॉइस्चराइजर या क्रीम लगाएं। इससे रंग सीधे त्वचा में नहीं समाएंगे और बाद में आसानी से हटाए जा सकेंगे। तिल का तेल या नारियल तेल भी प्राकृतिक सुरक्षा परत का काम करता है।

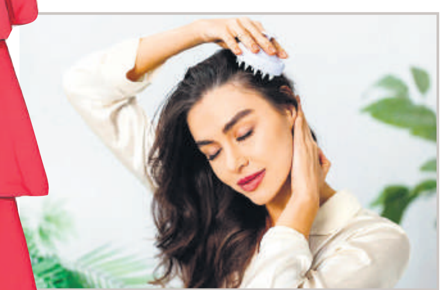

बालों की गहराई से सफाई

पहले बालों को सादे पानी से अच्छी तरह धोएं ताकि सूखा रंग निकल जाए। फिर हल्के हर्बल शैंपू से धोएं। अंतिम धुलाई के लिए बीयर में थोड़ा नींबू रस मिलाकर बालों पर डाल सकते हैं, इससे बालों में चमक आती है।

बालों की सुरक्षा है अनिवार्य

होली से पहले बालों में हेयर सीरम, कंडीशनर या नारियल तेल लगाएं। इससे बालों पर एक सुरक्षात्मक परत बनती है, जो रंगों के दुष्प्रभाव से बचाती है। चाहें तो हल्की हेयर क्रीम भी लगा सकते हैं। इससे बालों में नमी बनी रहती है और रंगों को हटाना आसान हो जाता है।

रंग हटाने के सही तरीके

होली के बाद चेहरे को बार-बार साफ पानी से धोएं। फिर क्लींजिंग क्रीम या लोशन लगाकर गीले कॉटन से हल्के हाथों साफ करें। आंखों के आसपास की त्वचा को धीरे-धीरे साफ करें। घरेलू क्लींजर के लिए ठंडे दूध में तिल या जैतून का तेल मिलाकर उपयोग करें। शरीर से रंग हटाने के लिए तिल के तेल की हल्की मालिश प्रभावी रहती है।

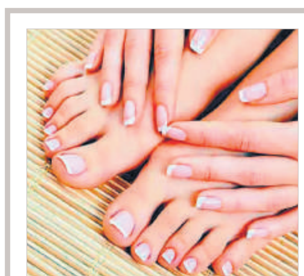

नाखूनों की देखभाल भी बेहद जरूरी

रंगों से नाखून पीले और कमजोर हो सकते हैं। होली खेलने से पहले नाखूनों पर नेल पॉलिश की एक परत लगा लें। इससे रंग नाखूनों में नहीं समाएंगे और बाद में आसानी से साफ हो जाएंगे।

स्नान और स्क्रब की सही प्रक्रिया

नहाते समय लूफ या मुलायम कपड़े से हल्के हाथों से स्क्रब करें। स्नान के तुरंत बाद पूरे शरीर पर मॉइस्चराइजर लगाएं ताकि त्वचा की नमी बनी रहे। यदि खुजली हो, तो पानी में थोड़ा सिरका मिलाकर त्वचा पर डालें। यदि लाल चकत्ते या एलर्जी बनी रहे, तो चिकित्सक से सलाह लें।

होली के बाद पोषण की भरपाई

अगले दिन शहद, दही और हल्दी का मिश्रण चेहरे व खुले अंगों पर लगाएं। इससे त्वचा की रंगत निखरेगी और मुलायमाहट लौटेगी। बालों के लिए नारियल और अरंडी के तेल को हल्का गर्म कर मालिश करें। गर्म तौलिया लपेटने की प्रक्रिया 4-5 बार दोहराएं, फिर एक घंटे बाद शैंपू कर लें। इससे बालों को गहराई से पोषण मिलेगा।

प्यार की अंधाधुंध बरसात कहीं धोखा तो नहीं!

प्रेम में अपनापन, देखभाल, सम्मान, विश्वास और पारस्परिक लगाव की गहरी भूमिका होती है। आजकल रिश्तों में एक शब्द तेजी से चर्चा में है- लव बॉम्बिंग। शुरुआत में यह व्यवहार बेहद रोमांटिक और आकर्षक लगता है, जहां कोई व्यक्ति जरूरत से ज्यादा प्यार, तारीफ और ध्यान देकर सामने वाले को खास महसूस कराता है, लेकिन कई मामलों में इसके पीछे भावनात्मक नियंत्रण या निर्भरता बनाने की मंशा छिपी होती है। ऐसे में जरूरी है कि हम समझें, लव बॉम्बिंग क्या है और इसे समय रहते कैसे पहचानें।

रेखा शाह
बलिया

क्या है लव बॉम्बिंग

लव बॉम्बिंग वह स्थिति है, जब किसी रिश्ते में एक व्यक्ति अत्यधिक प्रेम, ध्यान और प्रशंसा की "बरसात" कर दूसरे को भावनात्मक रूप से अपने ऊपर निर्भर बना लेता है। शुरुआत में वह लगातार संदेश भेजना, महंगे उपहार देना, हर समय उपलब्ध रहना और जरूरत से ज्यादा तारीफ करना जैसी बातें करता है। इससे सामने वाला व्यक्ति प्रभावित होकर उससे गहरा जुड़ाव महसूस करने लगता है, लेकिन जैसे ही भावनात्मक निर्भरता बन जाती है, वही व्यक्ति अचानक अपना व्यवहार बदल देता है, ध्यान कम कर देता है, दूरी बना लेता है या भावनात्मक दबाव बनाने लगता है। इस प्रकार वह रिश्ते को नियंत्रण का माध्यम बना लेता है।

प्रेम मूलतः मन से मन की यात्रा है, लेकिन कुछ लोग इसी भावनात्मक जुड़ाव का उपयोग चालाकी से करने लगते हैं। वे प्रेम का दिखावाकर सामने वाले को नियंत्रित करने या उसका इस्तेमाल करने की कोशिश करते हैं। इसी व्यवहार को आधुनिक मनोविज्ञान में "लव बॉम्बिंग" कहा जाता है। आइए समझते हैं कि यह क्या है, इसकी पहचान कैसे करें और इससे बचाव कैसे संभव है।

लव बॉम्बिंग की पहचान

- शुरुआत में जरूरत से ज्यादा तारीफ और अटेंशन
- बहुत कम समय में गहरे वादे या भविष्य की बड़ी-बड़ी बातें
- लगातार मैसेज और हर गतिविधि पर नजर
- महंगे या अप्रत्याशित उपहारों की भरमार
- निजी निर्णयों या संबंधों पर नियंत्रण की कोशिश, हालांकि हर अधिक प्रेम जताना लव बॉम्बिंग नहीं होता। अंतर इस बात से समझ आता है कि सामने वाले का व्यवहार संतुलित और सम्मानजनक है या नियंत्रक और दबावपूर्ण।

लोग क्यों करते हैं लव बॉम्बिंग

कई बार यह व्यवहार असुरक्षा, आत्महीनता या नियंत्रण की प्रवृत्ति से जुड़ा होता है। कुछ लोग भावनात्मक, सामाजिक या आर्थिक लाभ पाने के लिए भी ऐसा करते हैं। वे सामने वाले को अपना आदी बनाकर रिश्ते को अपने फायदे के लिए उपयोग करते हैं।

नकारात्मक प्रभाव

यदि कोई व्यक्ति लव बॉम्बिंग का शिकार हो जाए, तो उसके आत्मविश्वास पर गहरा असर पड़ सकता है। अचानक बदले व्यवहार से भ्रम, असुरक्षा और अवसाद की स्थिति पैदा हो सकती है। व्यक्ति स्वयं को दोषी मानने लगता है और भावनात्मक शोषण सहने लगता है। शुरुआत में जो रिश्ता सुहावना लगता है, वही आगे चलकर दबाव, अपराधबोध, जलन और क्रोध का कारण बन जाता है।

लव बॉम्बिंग से बचने के उपाय

- **समय लें :** किसी भी रिश्ते को समझने और परखने के लिए पर्याप्त समय दें। जल्दबाजी में बड़े निर्णय न लें।
- **सीमाएं तय करें :** अपनी भावनात्मक और व्यक्तिगत सीमाएं स्पष्ट रखें। किसी को भी उन पर अतिक्रमण करने का अधिकार न दें।
- **संतुलन बनाए रखें :** अत्यधिक अटेंशन या निवेश को सहज रूप से स्वीकार करने के बजाय सतर्क रहें।
- **'ना' कहना सीखें :** यदि कोई दबाव बना रहा है, तो स्पष्ट रूप से मना करें। प्रेम में विवेकहीन निर्णय भविष्य में नुकसान पहुंचा सकते हैं।
- अंततः सच्चा प्रेम व्यक्ति को स्थिरता, सम्मान और सुरक्षा देता है। यदि किसी संबंध में असंतुलन, नियंत्रण या दबाव महसूस हो, तो सजग होना आवश्यक है। प्रेम जीवन को संवारता है, जबकि छलपूर्ण प्रेम मन को आहत कर सकता है।

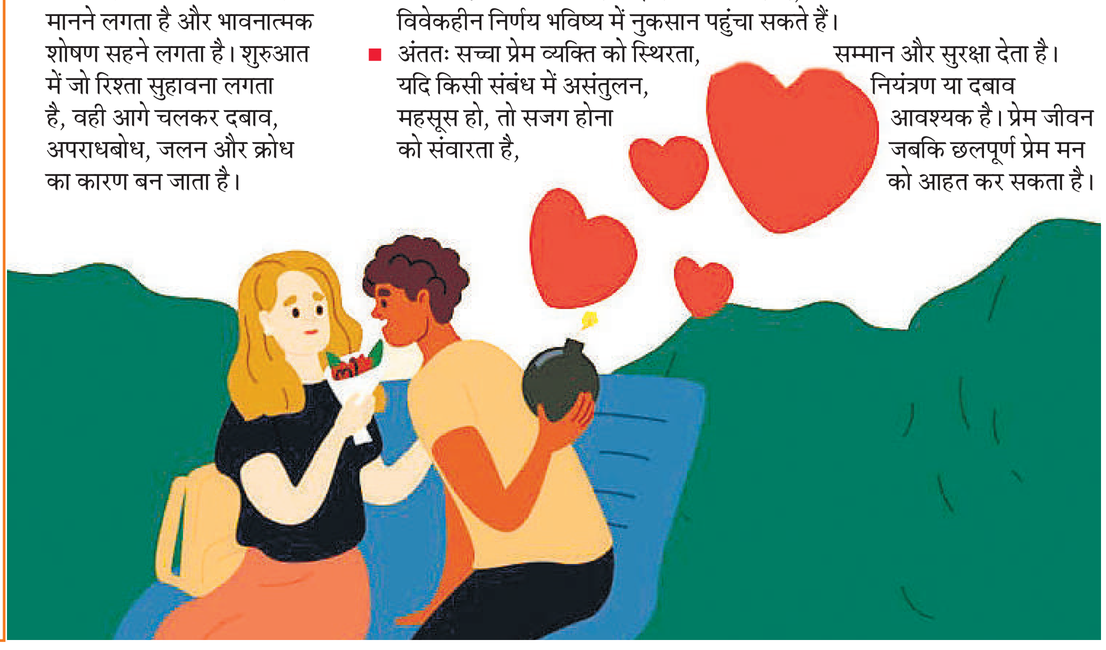

खाना खजाना

गुलाब जामुन कस्टर्ड ठंडाई

त्योहारों और खास मौकों पर जब मिठास कुछ अलग अंदाज में परोसनी हो, तो गुलाब जामुन कस्टर्ड ठंडाई एक बेहतरीन विकल्प है। यह डेजर्ट पारंपरिक गुलाब जामुन की मिठास और कस्टर्ड की मलाईदार बनावट का अनोखा संगम है। केसर की हल्की खुशबू और सूखे मेवों की सजावट इसे और भी आकर्षक बना देती है। कम समय में तैयार होने वाली यह मिठाई स्वाद के साथ-साथ देखने में भी बेहद लुभावनी लगती है। मेहमानों को प्रभावित करना हो या परिवार के साथ मीठा पल साझा करना हो, यह रेसिपी हर अवसर को खास बना देती है।

सामग्री

- गुलाब जामुन- 8-10 (छोटे टुकड़ों में कटे हुए)
- दूध- 500 मिली
- कस्टर्ड पाउडर - 3 बड़े चम्मच
- चीनी - 4 बड़े चम्मच
- केसर - 5-6 धागे
- सूखे मेवे - सजावट के लिए

बनाने की विधि

थोड़े ठंडे दूध में कस्टर्ड पाउडर घोल लें। बाकी दूध को गैस पर गरम करें, उसमें चीनी और केसर डालें। जब दूध उबलने लगे तो उसमें घुला हुआ कस्टर्ड मिश्रण मिलाएं और लगातार चलाते रहें। गाढ़ा होने पर गैस बंद कर दें और ठंडा होने दें। सर्विंग ग्लास में कटे हुए गुलाब जामुन और ऊपर से कस्टर्ड मिश्रण डालें

पान गुजिया: मिठास में घुला पान का अनोखा स्वाद

त्योहारों का मौसम हो या किसी खास मौके की मिठास बढ़ानी हो, गुजिया हमेशा से भारतीय रसोई की शान रही है। पारंपरिक मावा गुजिया में यदि पान का ताजगी भरा स्वाद जोड़ दिया जाए, तो यह मिठाई और भी खास बन जाती है। पान गुजिया एक ऐसा अभिनव व्यंजन है, जिसमें मावे की गाढ़ी मिठास और पान की सुगंध मिलकर एक अलग ही स्वाद अनुभव देती है। यह रेसिपी खासतौर पर उन लोगों के लिए है, जो पारंपरिक मिठाइयों में थोड़ा नया प्रयोग पसंद करते हैं।

सामग्री

- मैदा, घी मोयन के लिए-1 कप
- मावा और कसा हुआ नारियल-1 कप
- काजू-बादाम कटे हुए-2 चम्मच
- पान के टुकड़े कटे हुए-2 चम्मच
- चम्मच पान फ्लेवर सिरप-2-3
- तलने के लिए घी

बनाने की विधि

मैदा में घी डालकर अच्छे से मोयन मिलाएं। फिर पानी डालकर सख्त आटा गूंथ लें। मावा को हल्का भून लें। इसमें नारियल, काजू-बादाम, पान के टुकड़े और पान फ्लेवर सिरप मिलाएं। मैदे की छोटी-छोटी लोइयां बनाकर बेल लें। इसमें तैयार भरावन भरकर गुजिया का आकार दें। कड़ाही में घी गरम करें और मध्यम आंच पर गुजिया सुनहरी होने तक तल लें। तैयार पान गुजिया को ठंडा होने दें और परोसें।

न्यूज ब्रीफ

जनपद में 27 अप्रैल तक निषेधाज्ञा लागू

कुशीनगर, अमृत विचार : आगामी त्योहारों को सकुशल संपन्न कराने के लिए जनपद में निषेधाज्ञा लागू की गई है। अपर जिला मजिस्ट्रेट (न्यायिक) प्रेम कुमार राय ने बताया कि अगले कुछ दिनों में होलिका दहन, होली, जमात-उल-विदा (अलविदा), रमजान का अंतिम शुक्रवार, ईद-उल-फितर, चेटीचंद, रामनवमी, महावीर जयंती, गुड फ्राइडे, डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती, ईस्टर सेटरडे, महर्षि कश्यप एवं महाराज निषाद राज गुहा जयंती, ईस्टर मंडे, चंद्रशेखर जयंती, परशुराम जयंती जैसे पर्व व त्योहार मनाए जाएंगे। साथ ही यूपी बोर्ड, सीबीएसई व आईसीएसई परीक्षाएं भी चालू हैं। विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाएं भी हैं। ऐसे में कानून व्यवस्था व शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने को भा0न्या0सं0 2023 की धारा-163 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश/निषेधाज्ञा लागू की गई है। उक्त आदेश तत्काल प्रभाव से 27 अप्रैल तक प्रभावी रहेगा या अग्रिम आदेश तक लागू रहेगा।

वार्षिकोत्सव में बच्चों ने दीं प्रस्तुतियां

सिद्धार्थनगर। उस्का बाजार विकास क्षेत्रांतर्गत पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय हथिवडताल में शनिवार को वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिनमें देशभक्ति गीत, नृत्य, नाटक और समूहगान शामिल रहे। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान मनोज कुमार साहनी ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

3 व 4 को बंदी

गोरखपुर, अमृत विचार। होली पर्व के अवसर पर रेल म्यूजियम सह हेरिटेज प्लाजा गोरखपुर 03 एवं 04 मार्च, 2026 को बन्द रहेगा।

सरेआम फायरिंग में 5 गिरफ्तार

शुक्रवार को भदाह चौराहे पर वर्चस्व की जंग में चली थीं गोलियां

जिला संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के भदाह चौराहे पर वर्चस्व की जंग में सरेआम गोलीबारी करने वाले गैंग के पांच आरोपियों को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से तीन 32 बोर पिस्टल, छह कारतूस, एक 315 बोर तमंचा, दो कारतूस, एक चाकू तथा घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद की गई है।

कोतवाली प्रभारी जय प्रकाश दूबे ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने महामाया पॉलीटेक्निक बालूशासन के पश्चिम स्थित बाग के पास से बाइक सवार तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उनकी पहचान कृष्णा यादव निवासी ऊनखास, हरिओम पासवान निवासी राउतपार और विपिन भारती उर्फ कट्टा निवासी ऐंचाकाट, कोतवाली खलीलाबाद के रूप में हुई। तलाशी के दौरान कृष्णा यादव के पास से 32 बोर की पिस्टल व दो कारतूस, हरिओम पासवान के पास से 32 बोर की पिस्टल व एक कारतूस तथा विपिन भारती के पास से 315 बोर तमंचा व दो कारतूस बरामद हुए। पुलिस के अनुसार पूछताछ में कृष्णा यादव ने बताया कि बस्ती जनपद के मुंडेरवा क्षेत्र के अरईल निवासी प्रियांशु दूबे अपने माता-पिता के साथ खलीलाबाद के घोरखल में किराए के मकान में रहते हैं। आरोप है कि वर्चस्व को लेकर दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी रंजिश में 27 फरवरी को सूचना मिली कि प्रियांशु दूबे भदाह चौराहे स्थित एक इंटर कॉलेज में किसी को परीक्षा दिलाने आने वाले हैं। योजना के तहत आरोपी वहां पहले से मौजूद थे। प्रियांशु के पहुंचते ही कृष्णा यादव ने पिस्टल से फायरिंग कर दी, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद सभी आरोपी फरार हो गए। पकड़े गए आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने घटना में शामिल दो अन्य आरोपियों प्रेम प्रकाश सिंह निवासी ऊनखास और शेषनाथ तिवारी निवासी सोनखर, मुंडेरवा (जनपद बस्ती) को इंडस्ट्रियल एरिया से गिरफ्तार कर लिया।

सड़क हादसे में युवक की मौत, साथी घायल

संतकबीरनगर, अमृत विचार। लखनऊ-गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर डड़वा चौराहे के पास शुक्रवार की देर शाम अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, साथी घायल हो गया। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के ढोढ़ई गांव निवासी 30 वर्षीय वीर बहादुर सिंह पुत्र स्वर्गीय हरिनरायन सिंह और उनके दोस्त मोनू वर्मा पुत्र अशोक वर्मा निवासी पचपोखरी बाजार दुधारा शुक्रवार को एक ही बाइक से बस्ती गए थे। राष्ट्रीय राजमार्ग के डंड़वा चौराहे के पास अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दिया। हादसे में मौके पर ही बाइक पर पीछे बैठे वीर बहादुर सिंह की मौत हो गई। जबकि मोनू वर्मा घायल हो गए।

लापता युवक का शव मिला, हत्या की आशंका

संतकबीरनगर, अमृत विचार। धनघटा थाना क्षेत्र के सेमरडाडी गांव निवासी 22 वर्षीय युवक का शव शनिवार शाम गांव के उत्तर स्थित एक ट्यूबवेल के पास गेहूं के खेत में मिलने से सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना पर क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, सेमरडाडी निवासी ठाकुर प्रसाद का पुत्र अजय कुमार शर्मा बीते बुधवार दोपहर घर से निकला था, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, पर कोई सुराग नहीं मिला। अगले दिन परिजनों ने धनघटा थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। शनिवार शाम करीब चार बजे ग्रामीणों ने गांव के उत्तर दिशा में स्थित ट्यूबवेल के पास गेहूं के खेत में एक युवक का शव पड़ा देखा। पहचान करने पर वह अजय कुमार शर्मा निकला। शव देख परिजनों में कोहराम मच गया। ग्रामीणों के मुताबिक मृतक के सिर और चेहरे पर गंभीर चोट के निशान पाए गए हैं। आशंका जताई जा रही है कि युवक की हत्या कर शव को खेत में फेंक दिया गया। मृतक की जेब से उसका मोबाइल फोन भी बरामद हुआ है। थाना प्रभारी दिलीप सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। सभी पहलुओं पर गहन जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

कार्यालय क्षेत्र पंचायत कटरा बाजार, गोण्डा।

पत्रांक – 2963 / लेखा पंचम राज्य वित्त/केन्द्रीय वित्त/2025–26, दिनांक– 28.2.2026

अल्प कालीन निविदा

लोक निर्माण विभाग / जिला पंचायत / अन्य विभागों में पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि पंचम राज्य वित्त/ पन्द्रहवाँ वित्त आयोग द्वारा क्षेत्र पंचायत कटरा बाजार को अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष अनुमोदित कार्ययोजना 2025–26 की निम्नलिखित परियोजनाओं पर निर्माण हेतु मोहर बन्द निविदायें प्रतिशत दर पर आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 02.03.2026 से दिनांक 09.03.2026 तक कार्यालय अवधि में विकास खण्ड मुख्यालय पर नगद मूल्य देकर अपरान्ह प्राप्त कर सकते है। निविदायें दिनांक 09.03.2026 को अपरान्ह 03 बजे तक निविदा बाक्स में डाली जायेगी। तदोपरान्त प्राप्त निविदायें उसी दिन अपरान्ह 03 बजे उपस्थित निविदा दाताओं के समक्ष गठित निविदा समिति द्वारा खोली जायेगी।

क.सं.	परियोजना का नाम	कार्य की लम्बाई (मी0 में)	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)	धरोहर धनराशि	निविदा फार्म का मूल्य 12% जी0एस0टी0 सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	विरवा के चिटीपुर से श्मशान घाट तक इण्टरलाकिंग कार्य	100 मी0	5.31	26550	560	3 माह
2	चयपुरवा के बसई चितई में विघालय रोड से महाराजदत्त पण्डित के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य	60 मी0	3.0	15000	560	03 माह
3	क्षेत्र पंचायत कटरा बाजार में कैटल कैचर की खरीद	1 अदद	7.03	35150	560	03 माह

निविदा हेतु निर्धारित शर्त :–

1. प्रत्येक कार्य/परियोजनाओं पर उपरोक्तानुसार कालम 5 में अंकित धरोहर की धनराशि का 5 प्रतिशत अंश निविदा के साथ एन0एस0सी0 /बैंक ड्राफ्ट के रूप में जमा करना होगा, जो खण्ड विकास अधिकारी, कटरा बाजार पक्ष में बन्धक होगा। शेष धरोहर धनराशि 08 प्रतिशत भुगतान के समय देय होगा अथवा कटौती कर ली जायेगी।
2. निर्धारित समय सीमा के पश्चात् कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।
3. निविदा फार्म पर किसी भी प्रकार की कटिंग / परिलेखन मान्य नहीं होगा।
4. निविदा फार्म पर दर उल्लेख अंको एवं शब्दों में लिखना होगा।
5. बिना कोई कारण स्पष्ट किये निविदा को स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा।
6. निविदादाता को निविदा के साथ टी–6, बिड सिक्योरिटी, पैन, आधार, पंजीकृत प्रपत्र, जी0एस0टी0, हैसियत प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा।

खण्ड विकास अधिकारी
कटरा बाजार, गोण्डा।

प्रमुख
क्षेत्र पंचायत कटरा बाजार, गोण्डा।

नवनियुक्त जिलाध्यक्ष का स्वागत

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। भाजपा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य के भाजपा जिला कार्यालय पर प्रथम आगमन पर निवर्तमान जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान की अध्यक्षता में भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम निवर्तमान जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान ने जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य का स्वागत अभिनंदन कर उनको उज्जवल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी।

भाजपा जिला कार्यालय पर नवनियुक्त जिलाध्यक्ष का स्वागत करते कार्यकर्ता।

नवनियुक्त जिलाध्यक्ष ने कहा कि भाजपा शीर्ष नेतृत्व ने मुझ जैसे सामान्य से कार्यकर्ता को जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी है, यह भाजपा में ही संभव है, उसके लिए मै शीर्ष नेतृत्व का आभार प्रकट करता हूं। निश्चित रूप से पार्टी ने जिस विश्वास के साथ मुझे जिम्मेदारी दी है उस पर मैं खरा उतरने का प्रयास करूंगा। कार्यक्रम में उपस्थित सांसद जगदंबिका पाल, विधायक बांसी राजा जय प्रताप सिंह, पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार डॉ सतीश द्विवेदी व पूर्व विधायक डुमरियागंज राघवेंद्र सिंह ने नए जिलाध्यक्ष को सम्मानित करते हुए शुभकामनाएं दी। स्वागत समारोह के उपरांत नवनियुक्त जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य को निवर्तमान जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान ने ससम्मान जिलाध्यक्ष की कुर्सी पर बैठा कर कार्यभार सौंपा। उक्त अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष शीतल सिंह, पूर्व जिलाध्यक्षण राम कुमार कुंवर, नरेंद्र मणि त्रिपाठी, लाल जी त्रिपाठी, नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद माधव, शिवनाथ चौधरी, विधायक प्रतिनिधि सत्य प्रकाश राही, जिला मीडिया प्रभारी भाजपा निशांत पाण्डेय, संतोष शुक्ला एवं भाजपा के पदाधिकारीगण, नेतागण, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष दीपक का लोगों ने किया स्वागत

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जनपद मुख्यालय पर भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य के सम्मान में स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने माल्यार्पण कर उनका जोरदार स्वागत किया। स्वागत समारोह में वरिष्ठ समाजसेवी रामसहाय मौर्या उर्फ पिन्टू मौर्य भी अपने समर्थकों एवं टीम के साथ उपस्थित रहे। जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य ने कहा कि संगठन की मजबूती ही उनकी प्राथमिकता है और सभी कार्यकर्ताओं को साथ लेकर जनहित एवं राष्ट्रहित में कार्य किया जायेगा। वहीं पिन्टू मौर्य ने कहा कि दीपक मौर्य के जिलाध्यक्ष बनने से संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी। इस दौरान प्रदीप राजा मौर्या, राजीव मौर्या, राजकुमार मौर्या, राजकिशोर मौर्या, अखिलेश मौर्या, अमित मौर्या, जितेन्द्र कुमार मौर्य, देवेंद्र यादव आदि मौजूद रहे।

होली विशेष गाड़ियों का हो रहा संचलन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की सुविधा के लिए 05125/05126 छपरा-गोरखपुर कैंट-छपरा अनारक्षित होली विशेष गाड़ी का संचलन 02 से 31 मार्च तक सप्ताह में 05 दिन (गुरुवार एवं रविवार को छोड़कर) 22 फेरों के लिये किया जायेगा।

इसके अलावा 05101/05102 गोरखपुर-नई दिल्ली-गोरखपुर होली विशेष गाड़ी का संचलन गोरखपुर से 05 से 14 मार्च तक प्रत्येक मंगलवार, गुरुवार एवं शनिवार को तथा नई दिल्ली से 06 से 15 मार्च तक प्रत्येक बुधवार, शुक्रवार एवं रविवार को 05 फेरों के लिये किया जायेगा। इस गाड़ी में एस.एल. आर.डी. के 02, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 08 तथा शयनयान श्रेणी के 08 कोचों सहित कुल 18 कोच लगाये जायेंगे।

05071/05072 छपरा-आनन्द विहार टर्मिनल-छपरा वाया गोरखपुर होली विशेष गाड़ी का संचलन छपरा से 02 से 16 मार्च क प्रत्येक सोमवार को तथा आनन्द विहार टर्मिनल से 03 से 17 मार्च, 2026 तक प्रत्येक मंगलवार को 03 फेरों के लिये किया जायेगा। इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेज यान का 01, एल.एस.एल. आर.डी. का 01, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 05, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 06, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02 तथा वातानुकूलित प्रथम सह द्वितीय श्रेणी के 01 कोच सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे। वहीं रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु 05089/05090 छपरा-आनन्द विहार टर्मिनल-छपरा वाया गोरखपुर होली विशेष गाड़ी का संचलन छपरा से 05 से 14 मार्च तक प्रत्येक बृहस्पतिवार एवं शनिवार को तथा आनन्द विहार टर्मिनल से 06 से 15 मार्च, 2026 तक प्रत्येक शुक्रवार एवं रविवार को 04 फेरों के लिये किया जायेगा।

इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेज यान का 01, एल.एस.एल.आर.डी. का 01, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 05, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 06, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02 तथा वातानुकूलित प्रथम सह द्वितीय श्रेणी के 01 कोच सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

निरीक्षण के दौरान यात्रियों से वार्ता करते महाप्रबंधक

होली पर्व पर सुगम यात्रा के लिए उत्तर रेलवे तैयार : महाप्रबंधक

नई दिल्ली, अमृत विचार। आगामी होली पर्व के दौरान यात्रियों की यात्रा सुगम बनाने के मद्देनजर, उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक राजेश कुमार पांडे ने नई दिल्ली और आनंद विहार टर्मिनल रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण किया। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य त्योहार के दौरान भीड़ प्रबंधन, यात्री सुरक्षा और स्वच्छता के उच्च मानकों को सुनिश्चित करना था। महाप्रबंधक के साथ दिल्ली के मंडल रेल प्रबंधक पुष्पेश रमन त्रिपाठी और उत्तर रेलवे मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। इस दौरान उन्होंने इन व्यस्त स्टेशनों की परिचालन तैयारियों की समीक्षा की। महाप्रबंधक ने कहा कि होली पर्व पर सुगम यात्रा के लिए उत्तर रेलवे तैयार है।

प्रथम काल

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–अम्बेडकरनगर।
पता:–विकास भवन, निकट कलक्ट्रेट अम्बेडकरनगर।
पत्रांक 1634 / ग्रा0अ0वि0 / निविदा पत्राली / अनु0सहायक / 2025–26 / दिनांक 24.02.2026

अल्प कालीन मैनुअल निविदा की प्रेस सूचना

महामहिम श्री राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड अम्बेडकरनगर मे सीएसआर योजनान्तर्गत निर्माण कार्यो की ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उ0प्र0 में ए,बी,सी एवं डी श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से मैनुअल विधि के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। विड डाक्यूमेण्ट के साथ संलग्न बिल आफ क्वांटिटी के अंकित दरों में जी0एस0टी0 के अतिरिक्त अन्य सभी कर सम्मिलित हैं, जी0सी0टी0 का भुगतना सरकार के निर्देशानुसार नियमानुसार पृथक से किया जायेगा । निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यो के लिए निविदा दे सकता है।

1. कार्य से सम्बंधित विवरण निम्नवत् हैः–

क्र0सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	बिड सिकुरिटि (इ0एम0डी0) (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य जी.एस.टी. सहित (यदि आवश्यक हो) (रू0में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षा ऋतु सहित	अधि0 अभि0 कार्यालय कक्ष सं0 6 अम्बेडकरनगर	अधी0 अभि0 ग्रा0अ0वि0 परि0 अयोध्या	जिलाधिकारी कार्यालय अम्बेडकर नगर
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	अम्बेडकर नगर	ग्राम वाजिदपुर गांव मे श्री प्रदीप मांझी के घर से राजितराम पाल के घर तक सी0सी0 रोड एवं बन्द नाली निर्माण कार्य,टाण्डा।	6.33	0.13	500.00+225.00 +42.00=767.00	3 माह	अधि0 अभि0 कार्यालय कक्ष सं0 31 अम्बेडकर नगर	अधी0 अभि0 ग्रा0अ0वि0 परि0 अयोध्या	जिलाधिकारी कार्यालय अम्बेडकर नगर
2	अम्बेडकर नगर	ग्राम वाजिदपुर गांव मे श्री रामगुनी वर्मा के पशुशाला से दिलीप मांझी के घर के तक सी0सी0 रोड एवं बन्द नाली निर्माण कार्य,टाण्डा।	3.69	0.08	500.00+150.00 +27.00=677.00	3 माह	अधि0 अभि0 कार्यालय कक्ष सं0 31 अम्बेडकर नगर	अधी0 अभि0 ग्रा0अ0वि0 परि0 अयोध्या	जिलाधिकारी कार्यालय अम्बेडकर नगर

2. निविदा सूचना में अंकित कार्यालयों में विड् डाक्यूमेण्ट की उपलब्धता की तिथिः 03.03.2026 से 16.03.2026 तक ।
3. निविदा विक्री प्रारम्भ तिथि समय व स्थानः तिथिः 03.03.2026 को कार्यालय अधिशासी अभियंता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, प्रखण्ड–अम्बेडकरनगर, अधीक्षण अभियंता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, परिमण्डल–अयोध्या एवं जिलाधिकरी, जनपद अम्बेडकरनगर पूर्वान्ह 10.00 बजे से।
4. निविदा विक्री के लिए अन्तिम तिथि समय व स्थानः तिथिः 16.03.2026 को कार्यालय अधिशासी अभियंता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, प्रखण्ड–अम्बेडकरनगर, अधीक्षण अभियंता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, परिमण्डल–अयोध्या एवं जिलाधिकरी, जनपद अम्बेडकरनगर अपरान्ह 4.00 बजे तक।
5. निविदा प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि समय व स्थानः 17.03.2026 को अपरान्ह 12.00 बजे तक कार्यालय अधिशासी अभियंता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, प्रखण्ड–अम्बेडकरनगर ।
6. निविदा खोलने के लिए अन्तिम तिथि समय व स्थानः 17.03.2026 को अपरान्ह 3.00 बजे कार्यालय अधिशासी अभियंता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, प्रखण्ड–अम्बेडकरनगर ।
7. टेण्डर प्रक्रिया से पूर्व का कोई भी शपथ–पत्र मान्य नही होगा ।
8. निविदा आमंत्रण कर्त्ता को आई0टी0बी0 के क्लाज 09 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि–पत्र जारी करने का अधिकार है जो किसी भी समाचार–पत्र में प्रकाशित नही किया जायेगा । अधिक जानकारी हेतु कृपया नियोक्ता कार्यालय अर्थात कार्यालय अधिशासी अभियंता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, प्रखण्ड–अम्बेडकरनगर में सम्पर्क करें ।
9. सभी सम्भावित निविदा–दाताओं को सलाह दी जाती है कि विड् सम्मिट करने से पूर्व विड् डाक्यूमेण्ट को भली–भॉति पढ़ लें ।

UP - 247155 दिनांकः 27/02/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग,
प्रखण्ड–अम्बेडकरनगर ।
श्री राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से

बच्चों को डेस्क और बैग का किया वितरण

सिद्धार्थ नगर, अमृत विचार। विकास खण्ड नौगढ़, जोगिया, उसका, बर्डपुर, लोटन, शोहरतगढ़ एवं बढ़नी में स्कूली बच्चों में डेस्क और बैग का वितरण सांसद राज्यसभा बृजलाल और डीएम शिवशरणप्पा जी.एन. ने किया। राज्यसभा सांसद के प्रयासों से भारत सरकार का उपक्रम हिंदुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत एवं कार्यदाई संस्था यूनिसेड ने इनोवेशन द्वारा बच्चों के शिक्षा और स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए कार्यक्रम में जिला सिद्धार्थ नगर के बच्चों के लिए एक अद्भुत और बहुत ही लाभदायक कार्यक्रम की शुरुआत की।

खोज व इनोवेशन को मिलेगा एनडीए का कवच

वाराणसी, अमृत विचार। आईआईटी बीएचयू में नई एनडीए व्यवस्था से वैज्ञानिकों की खोजों और इनोवेशन को सुरक्षा कवच मिलेगा। साथ ही रिसर्च की ग्लोबल रीच बढ़ेगी। एनडीए यानी नॉन डिस्क्लोजर एग्रीमेंट या अनिवार्य गोपनीयता समझौता। इस नियम के तहत सभी शोधकर्ताओं के बौद्धिक संपदा अधिकारों की रक्षा की जाएगी। इसके अलावा गोपनीय सूचनाओं को अनधिकृत तौर पर बाहर किए जाने से जुड़े संभावित उल्लंघनों को रोका जाएगा। शुक्रवार को इसकी जानकारी देते हुए एसोसिएट डीन (अनुसंधान एवं विकास) व बौद्धिक संपदा अधिकार प्रभारी प्रो. प्रदीप पाइक ने कहा कि इसे सेल की ओर से स्वीकृत किया गया है।

उन्होंने कहा, एनडीए ड्राफ्ट के तहत सभी शोधार्थियों, परियोजना कर्मियों, फेलो, इंटर्न, अंतरराष्ट्रीय मेहमानों, शोधकर्ताओं, अल्पकालिक अतिथियों और उनके द्वारा किए गए रिसर्च व प्रोजेक्ट से जुड़े कार्यों पर यह लागू होगा। इस पहल के बाद संस्थान में तैयार होने वाले इनोवेशन, पेटेंट योग्य आविष्कारों, तकनीकी ज्ञान और गोपनीय शोध के परिणामों तथा उनके मुख्य फॉर्मूले को सुरक्षा मिलेगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धी और वैश्विक शोध परिवेश में बौद्धिक संपदा की सुरक्षा और गोपनीयता बनाए रखना बहुत जरूरी है। अनिवार्य एनडीए व्यवस्था संस्थान के हितों को बढ़ाने के साथ ही उद्योग साझेदारों और सहयोगी संस्थानों के साथ विश्वास और पारदर्शिता को भी मजबूत करेगी। डीन (अनुसंधान एवं विकास) प्रो. राजेश कुमार, डीन (संकाय कार्य) प्रो. एनके मुखोपाध्याय और डीन (शैक्षणिक कार्य) प्रो. देवेंद्र सिंह ने कहा कि अनिवार्य एनडीए सिस्टम से रिसर्च की प्रशासनिक क्षमता बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि आईआईटी बीएचयू वैश्विक सहयोग, अंतरविषयक अनुसंधान और उद्योग भागीदारी को बढ़ावा दे रहा है, लेकिन साथ ही इसे सुरक्षा कवच देने के लिए बौद्धिक संपदा की सुरक्षा भी उसका दायित्व है।

इन पर लागू होगा एनडीए

- बौद्धिक संपदा और पेटेंट योग्य इनोवेशन।
- शोध परिणाम और तकनीकी ज्ञान।
- गोपनीय सूचनाएं और स्वामित्वाधिकार प्रक्रियाएं।
- आईआईटी बीएचयू के संस्थागत हित।

अंतरराष्ट्रीय विद्वानों और शोधकर्ताओं से संबंधित सहभागिताएं।

- सुरक्षित रिसर्च इकोसिस्टम संस्थान में होगा तैयार।

कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, अयोध्या।

संख्या :– 2204 / जि.आ.अधि. / चेतावनी / 2025–26/ अयोध्या / **दिनांक: फरवरी 28, 2026**

अपील / चेतावनी

होली त्यौहार के दृष्टिगत जनपद अयोध्या के आबकारी दुकानों के फुटकर अनुज्ञापियों को सचेत / निर्देशित किया जाता है कि यदि:–

अ. किसी देशी / कम्पोजिट दुकान में मदिरा में जलमिश्रण अथवा हानिकारक पदार्थ मिलाया जाता है।

ब.किसी देशी / कम्पोजिट दुकान से निर्धारित मूल्य से अधिक मूल्य पर बिक्री करते पाया जाता है।

तो सम्बन्धित दुकान के अनुज्ञापी व विक्रेता के विरूद्ध संयुक्त प्रान्त आबकारी अधिनियम, 1910 (यथासंशोधित) तथा भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं में नियमानुसार कठोरतम् कार्यवाही की जायेगी।

2– मदिरा के उपभोक्ता शराब दुकान से क्यू.आर. कोड लगी एवं सीलबन्द मदिरा निर्धारित एम.आर.पी./ विक्रय मूल्य पर पी.ओ.एस. मशीन से स्कैन कराकर ही खरीद कर सेवन करें। दुकान के आस–पास या सार्वजनिक स्थान पर मदिरापान करना निषेध है। यदि किसी के द्वारा इसका उल्लंघन किया जाता है तो उसके विरूद्ध कार्यवाही सम्भव है।

3– उक्त के अतिरिक्त जन साधारण को सूचित किया जाता है कि अवैध अडडों से बिकने वाली अवैध मदिरा का सेवन न करें, क्योंकि अवैध अडडों से मिलने वाली मदिरा जहरीली हो सकती है तथा मिथाईल एल्कोहल भी हो सकता है, जो एक विष है तथा इसके अल्प मात्रा के सेवन से आंखो की रोशनी जाने के साथ व्यक्ति की मृत्यु भी हो सकती है। यदि किसी को अवैध मदिरा की बिकी की सूचना प्राप्त होती है तो तत्काल जनहित में जनपद के प्रशासनिक / पुलिस अधिकारियों को उनके दूरभाष नम्बर के साथ ही **जिला आबकारी अधिकारी, अयोध्या मो.नं.–9454465637, आबकारी निरीक्षक, क्षेत्र–1, अयोध्या मो.नं.–9454466228, आबकारी निरीक्षक, क्षेत्र–2, मो.नं.– 9454466229, आबकारी निरीक्षक, क्षेत्र–3, मो.नं.–9532711064, आबकारी निरीक्षक, क्षेत्र–4, मो.नं.– 8448971707, आबकारी निरीक्षक, क्षेत्र–5, मो.नं.–8840056825, आबकारी विभाग के ट्रोल फ्री नम्बर 14405 पर सूचना देने का कष्ट करें। सूचना व्हाटसएप द्वारा उपरोक्त मोबाइल नम्बर एवं कन्ट्रोल रूम व्हाट्स नम्बर 9454466019 पर संदेश द्वारा भी दी जा सकती है।** आप द्वारा दी गई सूचना ऐसे अड्डों पर तुरन्त प्रशासनिक कार्यवाही में मददगार एवं सम्भावित जनहानि को रोकने में उपयोगी हो सकती है।

4–**किसी भी समारोह स्थल यथा होटल / बैंक्टहॉल आदि पर वैवाहिक / जन्मदिन /वर्षगांठ / पार्टी / उत्सव / संगोष्ठी आदि के अवसर पर बिना अकेजनल बार अनुज्ञापन (एफ.एल.– 11 लाइसेंस) प्राप्त किये बिना मदिरा पान कराने पर सम्बन्धित के विरूद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।** किसी भी प्रकार की शिकायत उपरोक्त नम्बरों पर तत्काल करने का कष्ट करें। सूचना देने वाले का नाम व पता गुप्त रखा जायेगा।

सुरेश चन्द्र मिश्र
जिला आबकारी अधिकारी,
अयोध्या।

उपलब्धि | **अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चमके कुशीनगर के बधिर क्रिकेट खिलाड़ी, डीएम ने सम्मानित कर बढ़ाया हौसला**

आकाश ने एशिया कप में भारत को दिलाई ऐतिहासिक जीत

उपेन्द्र तिवारी, कुशीनगर।

अमृत विचारः कुशीनगर के उभरते बधिर क्रिकेट खिलाड़ी आकाश सैनी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए भारत का नाम गौरवान्वित किया है उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि से जनपद सहित पूरे उत्तर प्रदेश और देश में हर्ष एवं गर्व का वातावरण है।

आकाश सैनी ने अपने क्रिकेट जीवन की शुरुआत डायमंड क्रिकेट एकेडमी से की, जहाँ उन्होंने विधिवत प्रशिक्षण प्राप्त कर अपनी खेल प्रतिभा को निखारा। कोविड-19 काल के पश्चात वे अपने गृह जनपद कुशीनगर लौट आए और वर्तमान में कुशीनगर क्रिकेट एकेडमी में नियमित अभ्यास कर अपनी प्रतिभा को निरंतर विकसित कर रहे हैं। लखनऊ प्रवास के दौरान आकाश सैनी ने डिफ क्रिकेट एसोसिएशन से जुड़कर उत्तर प्रदेश की ओर से लगभग 20 टूर्नामेंट मैच खेले, जिनमें राष्ट्रीय एवं जोनल स्तर की प्रतियोगिताएँ शामिल रहीं। 17 वर्ष की आयु में पहली बार उनका चयन भारतीय बधिर क्रिकेट टीम में एशिया कप हेतु किया गया। 18 से 25 फरवरी 2026 तक एशियन डेफ क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा, इंडियन डेफ क्रिकेट एसोसिएशन के माध्यम से आयोजित बधिर क्रिकेट एशिया कप का आयोजन बाराबती स्टेडियम में संपन्न हुआ। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भारत, नेपाल एवं श्रीलंका की टीमों ने भाग लिया। आकाश सैनी भारतीय टीम के महत्वपूर्ण सदस्य रहे। उनके शानदार प्रदर्शन एवं पूरी टीम के सामूहिक प्रयास से भारत ने पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए फाइनल मुकाबले में श्रीलंका को 6 विकेट से पराजित कर एशिया कप का खिताब अपने नाम किया। पर जिला क्रीड़ा अधिकारी रवि कुमार ने कहा कि आकाश सैनी की यह उपलब्धि न केवल कुशीनगर, बल्कि सम्पूर्ण प्रदेश के लिए प्रेरणादायी है। सीमित संसाधनों के बावजूद आकाश ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति, अनुशासन और अथक परिश्रम के बल पर यह मुकाम हासिल किया है, जो अन्य खिलाड़ियों विशेषकर दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। जिला प्रशासन द्वारा आकाश सैनी को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर द्वारा सम्मानित भी किया गया।

आकाश सैनी को सम्मानित करते जिलाधिकारी कुशीनगर महेंद्र सिंह तंवर। अमृत विचार

लालयेत् पंचवर्षाणि
दशवर्षाणि ताडयेत्।
प्राप्ते तु षोडशे वर्षे पुत्रं
मित्रवदाचरेत्॥

बच्चों को पांच साल की उम्र तक प्यार और देखभाल के साथ रखना चाहिए। दस साल की उम्र तक उन्हें अनुशासन में रखना चाहिए। लेकिन जब वे सोलह साल के हो जाएं, तो उनके साथ दोस्तों की तरह व्यवहार करना चाहिए।

होली भारतीय लोक संस्कृति की अभिव्यक्ति

रंग पर्व होली को नमस्कार। कृत्रिम मेधा, असली मेधा व ऑनलाइन बुद्धिमत्ता को नमस्कार। सत्व, रज और तम की त्रिगुणी को नमस्कार। ब्रह्मा, विष्णु और महेश त्रिदेवों को नमस्कार। धर्म, अर्थ और काम की पुरुषार्थत्रयी को नमस्कार। गीता, ब्रह्मसूत्र व उपनिषद की प्रस्थानत्रयी को नमस्कार। शब्द, अपशब्द व संसदीय मर्यादाहीनता को नमस्कार। प्रकृति चिरंतन और आनंदरस से परिपूर्ण। इसके अंतःपुर में आनंदरस का महास्रोत है। भारतीय चिंतन में इसी स्रोत का नाम है-उत्स। आनंद का यह स्रोत मधुमय है। उत्सव इसी आनंद रस का अतिरेक आपूर्ण है। यूरोप और अमेरिकी समाजों के उत्सव बाजार तय करता है और भारत के उत्सव तय करता है देश-काल।

प्रकृति सदाबहार नायिका है। नदियां हंसती नृत्य करती बहती हैं, मनुष्य आनंदित होता है। सो नदियों के तट पर उत्सव नृत्य और संकीर्तन। प्रकृति जहां-जहां जब-जब आनंदित करती है तब-तब वहां-वहां उत्सव, लेकिन काल सबका नियंता है। अथर्ववेद के ऋषि भृगु ने गाया है कि काल में ही सुख-दुख और आनंद है। काल में ही ऋक् यजुष और सामगान हैं। भारतीय उत्सवों में प्रकृति और काल-मुहूर्त की जुगुलबंदी है। वसंत ऐसी ही मनभावन उपस्थिति है। वसंत में प्रकृति और काल की गलमिलौवल है।

प्रकृति मनमौजी है, तमाम रूपों में सजती है, खिलती है। बड़ी मस्त-मस्त और बिंदास है, लेकिन यह नायिका परम स्वतंत्र नहीं है। प्रकृति में नियमबद्धता है। वैदिक ऋषियों ने सृष्टि के इस संविधान को ऋत कहा, ग्रीष्म, वर्षा, शिशिर, हेमंत, पतझड़ और वसंत इसी ऋत के ऋतु-रूप हैं। वसंत परिपूर्ण प्राकृतिक तरूणाई है। प्रकृति की अंग-अंग उमंग का नाम है वसंत। यों सभी उत्सव मनुष्य का सामाजिक उल्लास हैं, लेकिन वसंत समूची प्रकृति का चरम परम उल्लास धर्म है। हम सब प्रकृति के अंश हैं, प्रकृति के गुणों के प्रभाव में है। प्रकृति गीत गाए, नाचे, महकें और मनुष्य चुप रहे ऐसा हो ही नहीं सकता। प्रकृति के रूप मनुष्य ही नहीं अन्य प्राणियों को भी संवेदित करते हैं। वर्षा ऋतु में मोर नाचते हैं, मेढक गीत गाते हैं। शरद् ऋतु जानकर खंजन पक्षी पुलक में होते हैं पर वसंत के संवेदन की बात ही दूसरी है। वसंती पवन भारतीय काव्य का उत्प्रेरण रही है। आखिरकार क्या हो जाता है? वायु देव को वसंत में, जिसे छूकर आगे बढ़ते हैं, वही मदमस्त हो जाता है। वे कलियों की चोली उड़ा ले जाते हैं, तरूणों को सहलाते हैं, तरूणियों को तब तक गुदगुदाते हैं, जब तक वे खिलखिलाकर पूरी खिल नहीं जाती। तरूण तो तरूण हैं। मनतरंग में झूमना उनकी स्वाभाविकता है, लेकिन बूढ़े-बुजुर्ग भी वासंती पवन में मदमस्त हो जाते हैं। नदी, तालाब और खेत-ऊसर भी वसंत की मौज में होते हैं। हमारे गांव से बहने वाली सई नदी भी आनंदमगन हो जाती है। उसके तट पर खड़े वन बबूल के पेड़ों पर गीत उगते हैं। पक्षी प्रेमगीत गाते हैं, गाएं उछलती हैं। न शीत की जकड़न और न गम की उमस और बेचैनी। वसंत का प्रभाव सब पर एक जैसा। बूढ़े मनुष्य ही नहीं बूढ़े वृक्ष भी फूलों से लद जाते हैं। फागुन सबको लहालोट करता है। मनतरंग के देव 'काम' भीतर से कुलाचें मारते हैं। वसंत इसीलिए ऋतुराज है।

> प्रकृति मनमौजी है, तमाम रूपों में सजती है, खिलती है। बड़ी मस्त-मस्त और बिंदास है यह, लेकिन यह नायिका परम स्वतंत्र नहीं है। प्रकृति में नियमबद्धता है। वैदिक ऋषियों ने सृष्टि के इस संविधान को ऋत कहा, ग्रीष्म, वर्षा, शिशिर, हेमंत, पतझड़ और वसंत इसी ऋत के ऋतु-रूप हैं। वसंत परिपूर्ण प्राकृतिक तरूणाई है। प्रकृति की अंग-अंग उमंग का नाम है वसंत। यों सभी उत्सव मनुष्य का सामाजिक उल्लास हैं, लेकिन वसंत समूची प्रकृति का चरम परम उल्लास धर्म है। हम सब प्रकृति के अंश हैं, प्रकृति के गुणों के प्रभाव में है। प्रकृति गीत गाए, नाचे, महकें और मनुष्य चुप रहे ऐसा हो ही नहीं सकता।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश

पृथ्वी सगंधा है। फूलों से सुगंध उड़ती है, मरूद्गण इस सुगंध को दसों दिशाओं तक पहुंचाते हैं। धरती आकाश गंध आपूरित होते हैं। तिक्त नीम अशोक हो जाती है और बेहया की पौध हो जाती है मौलश्री। तब गुलाब रातरानी जैसी सुगंध देने लगता है और रातरानी कमलगंध में हहराती प्रीति। प्रकृति के सभी रूप रसवंत हो जाते हैं। नदियां नर्तन करती हैं, झीलें गीत गाती हैं, वनस्पतियां झूम उठती हैं। शरद् और ग्रीष्म गलबहियां डालकर मिलते हैं। पक्षी मस्त-मस्त गीत गाते हैं। वे ऋत बंधन में रहते हैं, लेकिन वसंत और होली में शास्त्रीयता का कोई बंधन नहीं। यह वसंत दो दिन के लिए नहीं आता। पूरे तीन-चार माह तक विहंसता है, समूची प्रकृति को रस आपूरित करता है। प्रकृति का हरेक अंश उत्सव मनाता है। हरेक वृक्ष, हरेक फूल, कीट, पतिंग, पशु, पक्षी और मनुष्य मधु उत्सव में होता है। होली इन्हीं मधु उत्सवों का महोत्सव है।

होली आनंद का अतिरेक है और अतिरेक कभी शास्त्रीय नहीं होता। होली का लोक अपने छंद स्वयं गढ़ता है। लोक में अतिरिक्त ऊर्जा है, उफनाती ऊर्जा आनंद का अतिरेक है यहां। ऊर्जा का अतिरेक ही उत्सव बनता है। मनुष्य की तरह समाज का भी मूल-उत्स होता है। समाज का मूल-उत्स संस्कृति है। समाज का आनंदमगन समवेत ही उत्सव हैं। होली भारत का मधुरस है, मधुछंद है, सामगान है, लोकनृत्य है और लोक संस्कृति की चरम अभिव्यक्ति है। होली भारत के मन का उल्लास है। चहुदिश, दिक्काल, लाल गुलाल, सबके गाल। होली का उल्लास प्रायोजित नहीं होता। भारतीय उत्सव प्रकृति का प्रसाद है। होली महाप्रसाद है। होली मधु अनुभूति का मधु प्रसाद है। प्रकृति का यह मधु प्रसाद अखंड है। सूर्य उगते हैं, अस्त होते हैं। मास आते हैं, विदा होते हैं। संवत्सर, युग और मंवंतर आते हैं, पर मधु उत्सवों का मधु प्रसाद कोष रीता नहीं होता। वसंत ऐसा ही मधुकोष लेकर हर साल आता है। होली के अवसर पर बांटता है। होली का यह मधु पूरे साल चलता है। होली भारत का मन मधुमय करती है। इसीलिए यह लोक-महोत्सव है। भारत की भू-सांस्कृतिक आस्था का नर्तन, दर्शन दिग्दर्शन है। यहां लोक अभिव्यक्ति है, राष्ट्रीय एकत्व है और सांस्कृतिक समरसता है। लोक आनंद की अनुभूति है। तमाम असंभवों के संगम है। होली सबकी प्रीति है, राष्ट्र की रीति है। भारत की उमंग और भारत के मन की रंग-तरंग है। देश के उत्तर, दक्षिण और पूरब, पश्चिम होली सबकी प्यारी है। होली विश्ववारा भारतीय संस्कृति का मन आनंद है। होली गीता गाता नृत्य मगन उन्मुक्त अध्यात्म है। धरती, आकाश, वन और संपूर्ण उपवन, का गीत, संगीत है। होली जाति, पंथ उम्र से परे जीवंत महामुक्ति और महाउल्लास है।

कुछ विद्वानों ने होली को मिस्र या यूनान से आयातित बताया है। होली जैसा उत्सव बेशक मिस्र में था, यूनान में भी था। जैमिनि ने होलाका पर्व का उल्लेख (400-200 ईसा पूर्व) किया और लिखा कि होलाका सभी आर्यों का उत्सव था। आचार्य हेमाद्रि (1260-70 ई0) ने पुराण उद्धरणों से होली की प्राचीनता दर्शायी है। वात्स्यायन के कामसूत्र (1.4.42) में यह एक वसंतोल्लास क्रीड़ा पर्व है।

प्राचीनता और आधुनिकता अलग-अलग नहीं होती। वे पृथक दो इकाइयां नहीं हैं। प्रकृति सृष्टि का प्रवाह अविच्छिन्न है। जिसे हम प्राचीनता कहते हैं, वह और भी प्राचीन परंपरा का विकास है। इसी तरह आधुनिकता भी है। 100 बरस पहले जिसे आधुनिकता कहते थे, वह भी प्राचीन होती जा रही है। परंपरा एक सतत् प्रवाह है। परंपरा और उत्सव व्यक्तिगत नहीं होते। उन्हें काल विभाजन के अनुसार नहीं बांटा जा सकता। सामूहिकता हरेक कालखंड में आनंददायी रही है। सामूहिक आनंद और उत्सव पर्यायवाची हैं। प्राचीन भारत का समाज सामूहिकता में आनंदित है इसलिए हर दिन मधुउत्सव है, प्रतिपल मंगल गीत हैं, प्रतिपल मधुवर्षा है। सामूहिकता शोक और दुख को फटकने भी नहीं देती, लेकिन विदेशी सत्ता के प्रभाव में हम भारत के लोग सामूहिकता खोते गये। व्यक्तिगत के भीतर और भी व्यक्तिगत होते गए। सो होली जैसे अंतर्राष्ट्रीय उत्सव भी व्यक्तिगत हो रहे हैं। अब बाजार तय करता है हमारे उत्सव की रूपरेखा। सो भारतीय समाज में विषाद है। उत्सवधर्म विषाद को प्रसाद में बदलते हैं। आइए उत्सवधम हों हम सब। आओ रंग चढ़ा लें देशी कि रंग परदेशी उतर जाए।

सभ्यता के मानक: शोर में डूबती संवेदनाएं

शादियों और त्योहार का समय है, साथ ही बोर्ड परीक्षाओं का भी। एक तरफ विद्यार्थी अपनी तैयारी में व्यस्त हैं, दूसरी तरफ तड़क-भड़क वाला संगीत जोर-जोर से बजता है। दोनों परिस्थितियों में गजब का विरोधाभास है, लेकिन हम हमेशा से यह सहते आ रहे हैं। आज के समय में परिस्थितियां ज्यादा विकट हो रही है। कानफोड़ू संगीत, जिसमें गीत के बोल पता ही नहीं चलते या मन को नहीं भाते, उस पर भौंडा डांस। शादी वाले परिवार से आप आवाज कम करने को नहीं कह सकते। आपकी बात सुनी ही नहीं जाएगी। दुश्मनी हो जाएगी। कई बार तो रात दस वाले मानक का पालन भी नहीं किया जाता। यूं भी संगीत जितना धीमा हो, जितना मृदुल हो, उतना मधुर लगता है। फिर आपकी स्वतंत्रता भी वहां पर समाप्त हो जाती है, जहां दूसरे की शुरू होती है।

अमृता पांडे
स्वतंत्र लेखिका, हल्द्वानी

इस संदर्भ में एक दो घटनाएं ध्यान आ रही हैं। एक हमारे बचपन की, जब हम लोग स्कूल में पढ़ते थे। हमारे घर से लगा हुआ मकान था। दरवाजे आपस में आमने-सामने मिलते थे। उस घर में टीवी फुल वॉल्यूम में लगता था। मां जब वॉल्यूम कम करने को कहती थी तो वह आंटी बड़े गर्व से कहती थीं कि दीदी, यह नया टीवी है, इसमें वॉल्यूम ज्यादा ही है। अक्षरशः उन्होंने क्या कहा मुझे याद नहीं है, लेकिन भाव याद हैं। मां और पापा उनकी बुद्धि पर तरस खाकर हंसते थे। फिर एक दिन मां ने खुद जाकर वॉल्यूम कम करके उन्हें दिखाया था कि नए टीवी में भी वॉल्यूम कम की जा सकती है। टेक्नोलॉजी जितनी विकसित होगी, उतनी सुविधा संपन्न होगी।

> एक घटना वर्तमान की है। बेटा जापान में अपने कुछ मित्रों के साथ प्रोजेक्टर में कोई मूवी देख रहा था। जब चार-पांच युवा होते हैं, तो कुछ जोर से बोलना भी हो जाता है। भारतीय यूं भी ऊंची आवाज में ही बोलते हैं। फ्लैट्स की दीवार वहां पर बहुत हल्की कपड़े जैसी। शायद एक घर से दूसरे घर में आवाज पहुंच जाती हो।

एक घटना वर्तमान की है। बेटा जापान में अपने कुछ मित्रों के साथ प्रोजेक्टर में कोई मूवी देख रहा था। जब चार-पांच युवा होते हैं, तो कुछ जोर से बोलना भी हो जाता है। भारतीय यूं भी ऊंची आवाज में ही बोलते हैं। फ्लैट्स की दीवार वहां पर बहुत हल्की कपड़े जैसी। शायद एक घर से दूसरे घर में आवाज पहुंच जाती हो। डिस्टर्बेंस होने पर पड़ोस की आंटी ने पुलिस में कंप्लेंट कर दी। तुरंत पुलिस आई। बताया कि पड़ोस से कंप्लेंट आई है और वॉल्यूम कम करने को कहा। पुलिस का आना वहां पर कोई बड़ी बात नहीं है। यह एक सामान्य घटना है और जाते समय पुलिस वाले असुविधा के लिए खेद जताते हुए सॉरी भी बोल कर गए। क्योंकि यह कोई बहुत बड़ा अपराध नहीं था। अनजाने में की गई गलती थी। ये होते हैं सभ्यता के मानक। जहां पर हर संबंधित पक्ष अपनी गलती मानकर उस पर विचार कर लेता है। हमारे देश में इस तरह के मानक नहीं दिखाई देते। एआई से हम अपनी सुंदर तस्वीरें बना लेते हैं, पर मन को संवारने वाला कोई एआई हमने अभी तक विकसित नहीं किया है। इस तरह की सभ्यता और संस्कार से हम अभी भी कोसों दूर हैं।

पतझड़ से सबक लेने की जरूरत

मौसम पतझड़ का क्या आया कि साल भर से जिस पेड़ के सहारे पत्ते हरे-हरे दिख रहे थे, उनमें सारे के सारे पत्ते पेड़ से अलग हो गए। अलग होने के पहले ही पत्तों का हरापन गायब हो गया था और जब जमीन पर गिरे तो ज्यादातर पत्ते पीले हो गए, लगता है कि इन पत्तों को पीलिया रोग हो गया। एक भी पत्ता पेड़ से यह नहीं कह रहा कि साल भर के रिश्ते को वह नहीं तोड़ेगा और पेड़ का साथ निभाएगा।

पत्तों के संबंध विच्छेद कर लेने के बावजूद पेड़ जैसे वस्त्रविहीन हो गया हो, लेकिन अपनी डालों के साथ जस का तस खड़ा है। उसे अपनी डालों पर भरोसा है कि जल्द इन डालों पर नए पत्ते आएंगे और उसकी आभा और अच्छे रूप में निखरेगी। पेड़ को यह भरोसा किसी से मिल रहा है, तो पेड़ों की जड़ से मिल रहा है। पत्तों के गिरने के बावजूद पेड़ जड़ के सहारे खड़ा है।

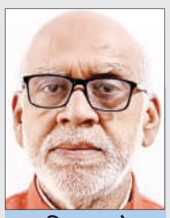

सलिल पाण्डेय
मिर्जापुर

ऐसी ही कुछ स्थिति मनुष्य की होती है। कभी इतना सुखमय और आनंदमय जीवन होता है कि उसकी प्रतिष्ठा समाज में बढ़ जाती है। लोगबाग उसे इर्द-गिर्द मंडराते रहते है। क्योंकि अच्छे दिनों में वह मनुष्य सबकी मदद करता रहता है। किसी ने कुछ मांगा तो इंकार नहीं किया, लेकिन समय किसी को छोड़ता नहीं। समय अनुकूल आता है, तो साधारण व्यक्ति राजसी जीवन जीने लगता है और समय बिगड़ता है, तो राजसी से वह रंक जैसा साधारण एवं निर्धन हो जाता है। जहां मनुष्य साधारण और निर्धन हुआ, तत्काल उसके इर्द-गिर्द रहने वाले किनारा कसने लगते हैं। जबकि इसी समय अपनों के सहारे की जरूरत पड़ती है, लेकिन मतलबी दुनियां में मतलब निकलते तत्काल मुंह मोड़ने वाले ज्यादा होते हैं। जब अपने लोग विपन्नता की स्थिति आते किनारा कसते हैं तब कमजोर मन वाला व्यक्ति हताश और निराश होने लगता है तथा अवसाद में चला जाता है, लेकिन बुद्धि-विवेक वाला पतझड़ से पत्ते विहीन हुए पेड़ों से सबक लेता है। उसे लगता है कि वह अपने बुद्धि-विवेक की जड़ के बल पर पुनः हरे-भरे पेड़ जैसा हो जाएगा। वह हिम्मत हारता नहीं। कहा भी गया है, 'हारिए न हिम्मत, बिसारिए न राम'। यहां राम का आशय समय के पुनः बलवान होने की उम्मीद से है। जो इन पंक्तियों पर भरोसा करता है तब वह नए सिरे से पुनः अपने को स्थापित करने की कोशिश करता है। कोशिशों का नतीजा प्रायः अनुकूल होता है और पुनः पत्ते विहीन पेड़ जो हो गए, वे समय के अंतराल पर हरे-भरे हो गए, उसी प्रकार सुनियोजित प्रयास से व्यक्ति भी पेड़ों की तरह हरा-भरा जरूर होने लगेगा।

तमाम उदाहरण है कि कल तक फकीरों जैसा जीवन जीने वाला, समय बदलते धन-धान्य तथा यश-कीर्ति से परिपूर्ण हो जाता है। आशय यही है कि समय अच्छा हो या बुरा, जड़ों के सहारे खड़ा व्यक्ति कभी परास्त नहीं हो सकता।

स्वच्छता का पर्व है होली

होली की पहचान देश की संस्कृति के रूप में होती है। वसंत ऋतु जनजीवन में नई चेतना का संचार कर रही होती है, फागुन की सुरमई हवाएं वातावरण को मस्त बनाती हैं, तभी होली के रंग लोकजीवन में घुल जाते हैं। इन्हीं दिनों नई फसल भी तैयार होती है और किसानों के लिए यह उल्लास का समय होता है। तभी होली के बहाने नए अन्न की पूजा पूरे देश में की जाती है। यही नहीं पूरी दुनिया में होली की ही तरह अलग-अलग समय में त्योहार मनाए जाते हैं, जिनका असल मकसद तनावों से दूर कुछ पल मौज-मस्ती के बिताना और अपने परिवेश के गैरजरूरी सामान से मुक्ति पाना होता है।

> तनिक गौर करें, होली का प्रारंभ घर-खलिहान की सफाई से होता है। कूड़ा-कचरा होली में जलाकर हम नकारात्मकता का अंत करते हैं। रंग लगाकर और रगड़-रगड़ कर स्नान करना तन-मन की शुद्धि का प्रतीक है। पुराने वस्त्र त्यागकर नए धारण करना नवजीवन का संदेश देता है।

वास्तव में होली का अर्थ है- हो ली, यानी जो बीत गई सो बीत गई, अब आगे की सुध है। गिले-शिकवे मिटाओ, गलतियों को माफ करो और एक दूसरे का रंगों में सराबोर कर दो-रंग प्रेम के, अपनत्व के, प्रकृति के। विडंबना है कि भारतीय संस्कृति की पहचान कहलाने वाला यह पर्व पर्यावरण का दुश्मन नशाखोरी, रंग की जगह त्वचा को नुकसान पहुंचाने, आनंद की जगह भोंडे उधम के लिए कुख्यात हो गया है। कहानियां, किवदंतियां कुछ भी कहें, लेकिन इस पर्व का वास्तविक संदेश तो स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण ही है। यह दुखद है कि अब इस त्योहार ने अपना पारंपरिक रूप और उद्देश्य खो दिया है और इसकी छवि पेड़ व हानिकारक पदार्थों को जलाकर पर्यावरण को हानि पहुंचाने और रंगों के माध्यम से जहर बांटने की बनती जा रही है। हालांकि देश के कई शहरों और मुहल्लों में बीते एक दशक के दौरान होली को प्रकृति-मित्र के रूप में मनाने के अभिनव प्रयोग भी हो रहे हैं। हमारा कोई भी संस्कार या उत्सव उल्लास की आड़ में पर्यावरण को क्षति की अनुमति नहीं देता। होलिका दहन के साथ सबसे बड़ी कुरीति हरे पेड़ों को काटकर जलाने की है।

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ लेखक

वास्तव में होली भी दीपावली की ही तरह खलिहान से घर के कोठार में फसल आने की ख़ुशी व्यक्त करने का पर्व है। याद करें कि होली में गोबर के बने उपले की माला अवश्य डाली जाती है। असल में ठंड के दिनों में जंगल जा कर जलावन लाने में डर रहता था, सो ऐसे समय के लिए घरों में उपलों को भी एकत्र कर रखते थे। चूंकि अब घर में नया अनाज आने वाला है सो, कंडे-उपले की जरूरत नहीं, तभी उसे होलिका दहन में इस्तेमाल किया जाता है। उपले की आंच धीमी होती है, लपटें ऊंची नहीं जातीं, इसमें नए अन्न- गेहूं की बाली या चने के छोड़ को भूना भी जा सकता है, सो हमारे पूर्वजों ने होली में उपले के प्रयोग किए। एक बात और आदिवासी समाज में प्रत्येक कृषि उत्पाद के लिए "नवा खाई' पर्व होता है, जो भी नई फसल आई, उसके लिए प्रकृति का धन्यवाद। होली भी किसानों के लिए कुछ ऐसा ही पर्व है। होलिका पर्व का वास्तविक समापन शीतला अष्टमी को होता है। पूर्णिमा की होली और उसके आठ दिन बाद अष्टमी का यह अवसर! शक संवत का पहला महीना चैत्र और इसके कृष्ण पक्ष पर बासी खाना खाने का बसौड़ा। इस दिन घर में चूल्हा नहीं जलता और एक दिन पहले ही पक्की रसोई यानी पूड़ी कचौड़ी, चने, दही बड़े आदि बन जाते हैं। सुबह सूरज उगने से पहले होलिका के दहन स्थल पर शीतला मैया को भोग लगाया जाता है। स्कंद पुराण शीतलाष्टक स्त्रोत के अनुसार "वन्देहं शीतलां देवींरासभस्थां दिगम्बराम। मार्जनीकलशोपेतां शूर्पालड्कृतमस्तकाम।।" अर्थात गर्दभ पर विराजमान दिगंबरा, हाथ में झाड़ू तथा कलश धारण करने वाली, सूप से अलंकृत मस्तकवाली भगवती शीतला की मैं वंदना करता हूं। शीतला माता के इस वंदना मंत्र से स्पष्ट है कि ये स्वच्छता की अधिष्ठात्री देवी हैं। हाथ में मार्जनी (झाड़ू) होने का अर्थ है कि समाज को भी सफाई के प्रति जागरूक होना चाहिए। कलश से तात्पर्य है कि स्वच्छता रहने पर ही स्वास्थ्य रूपी समृद्धि आती है। मान्यता के अनुसार, इस व्रत को रखने से शीतला देवी प्रसन्न होती हैं और व्रती के कुल में चेचक, खसरा, दाह, ज्वर, पीतज्वर, दुर्गंधयुक्त फोड़े और नेत्रों के रोग आदि दूर हो जाते हैं। हकीकत में संदेश यही है कि यदि स्वच्छता रखेंगे, तो ये रोग नहीं हो सकते।

तनिक गौर करें, होली का प्रारंभ घर-खलिहान की सफाई से होता है। कूड़ा-कचरा होली में जलाकर हम नकारात्मकता का अंत करते हैं। रंग लगाकर और रगड़-रगड़ कर स्नान करना तन-मन की शुद्धि का प्रतीक है। पुराने वस्त्र त्यागकर नए धारण करना नवजीवन का संदेश देता है। समापन पर स्वच्छता की देवी की पूजा कर समाज को साफ-सफाई का संदेश दिया जाता है। होली पर बसौड़ा चढ़ावा गरीबों के लिए सहारा बनता है। यही लोग नई उमंग से खेतों में श्रम करते हैं। अतः होली समरसता, पर्यावरण संरक्षण और मनोविनोद का मूल दर्शन प्रस्तुत करती है।

शिक्षा सुधार या शिक्षक नियंत्रण

सबसे खतरनाक और सुविधाजनक भ्रम है कि शिक्षक की भूमिका केवल आदेशों का पालन करने तक सीमित है। जैसे शिक्षक कोई स्विच हो-ऊपर से निर्देश आए और नीचे क्रियान्वयन हो जाए। समाज और व्यवस्था, दोनों ही अक्सर इसी धारणा में सुकून महसूस करते हैं, क्योंकि इससे जिम्मेदारी का बोझ अपने कंधों से उतर जाता है। अगर परिणाम अच्छे नहीं आए, तो उंगली शिक्षक पर और अगर सब ठीक चला, तो श्रेय व्यवस्था का। यही सबसे बड़ी बौद्धिक बेईमानी है।

प्रवीण त्रिवेदी
शिक्षक

शिक्षक केवल पाठ्यपुस्तक का दूत नहीं होता, वह कक्षा में खड़ा एक जीवित विवेक होता है। वह बच्चों के सवालों से रोज टकराता है, उनकी जिज्ञासाओं, भय और संभावनाओं को अपने सामने खुलते देखता है। आदेश कागज पर लिखे जाते हैं, लेकिन उनका असर जमीन पर बच्चों के दिमाग और भविष्य पर पड़ता है। इस अंतर को समझने की जहमत समाज अक्सर नहीं उठाता। आदेश मानने की अपेक्षा तो रखी जाती है, पर यह नहीं पूछा जाता कि वह आदेश बच्चों के जीवन में क्या बदल रहे हैं। विडंबना यह है कि जब भी शिक्षा व्यवस्था में कोई सुधार की बात होती है, शिक्षक को सबसे पहले "अनुशासन में लाने" का लक्ष्य बनाया जाता है। प्रशिक्षण, निरीक्षण, मूल्यांकन सबका उद्देश्य यही मान लिया जाता है कि शिक्षक को और अधिक नियंत्रित किया जाए। यह मानकर चला जाता है कि शिक्षक सोचने लगे तो व्यवस्था बिगड़ जाएगी। दरअसल डर यह है कि अगर शिक्षक सचमुच सोचने लगा, सवाल पूछने लगा, तो कई खोखले आदेश टिक नहीं पाएंगे। समाज भी इस खेल में बराबर का भागीदार है। वही समाज जो अपने बच्चों की हर कमी का ठीकरा स्कूल पर फोड़ देता है, वही समाज शिक्षक से यह उम्मीद नहीं करता कि वह व्यवस्था से सवाल पूछे। शिक्षक आदर्श बने, त्यागी बने, राष्ट्रनिर्माता बने, लेकिन चुपचाप बने। बोलने वाला शिक्षक असुविधाजनक हो जाता है और असुविधाजनक सच किसी को पसंद नहीं आता।

अब समय है कि शिक्षक को केवल निर्देशों का पालनकर्ता मानने की सुविधा छोड़ दी जाए। अगर शिक्षा को सचमुच सुधारना है, तो शिक्षक को केंद्र में लाना होगा। केवल जिम्मेदारी देने के लिए नहीं, बल्कि अधिकार और विश्वास देने के लिए भी। वरना हम हर साल नई योजनाओं, नए आदेशों और वही पुराने नतीजों के बीच घूमते रहेंगे और दोष हमेशा उसी पर डालेंगे जो सबसे सामने, सबसे ईमानदारी से खड़ा है।

मेलों पर संकट: सुरक्षा व आजीविका के बीच संतुलन की तलाश

भारत के पारंपरिक मेले केवल मनोरंजन का साधन नहीं हैं, वे हमारे सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक जीवन का जीवंत हिस्सा हैं। गांव-गांव, शहर-शहर लगने वाले ये मेले सदियों से लोगों के मेल-मिलाप, लोक संस्कृति और आजीविका का आधार रहे हैं। यहां झूले लगाने वाले, खिलौने बेचने वाले, बर्तन, चूड़ी, हस्तशिल्प बेचने वाले दुकानदार, बुनकर, लोक कलाकार और छोटे कुटीर उद्योगों से जुड़े हजारों परिवार अपनी रोजी-रोटी कमाते हैं, लेकिन आज यह पारंपरिक कारोबार गंभीर संकट के दौर से गुजर रहा है। विशेष रूप से गुजरात में तो स्थिति ऐसी बन गई है कि मेले लगभग समाप्ति की ओर हैं। अन्य राज्यों में भी कड़े नियमों की आशंका से मेला आयोजकों और झूला संचालकों के बीच असुरक्षा का माहौल है।

राजकोट में एक गेमिंग जोन में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया था। उस हादसे के बाद राज्य सरकार ने सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सख्त नियम लागू किए। जन सुरक्षा सर्वोपरि है, इसमें कोई मतभेद नहीं हो सकता। सरकार का दायित्व है कि वह नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे, लेकिन नियम बनाते समय इस बात पर शायद ध्यान ही नहीं दिया गया कि राजकोट की घटना एक बंद, पक्के और अवैध गेमिंग जोन में हुई थी, जबकि पारंपरिक मेले और झूले खुले वातावरण में अस्थायी ढांचे में लगाए जाते हैं।

जगराम गुर्जर
लेखक

खुले मेलों के झूले न तो पक्के भवनों में होते हैं, न ही उनमें जटिल बिजली व्यवस्था या आग पकड़ने वाली बनावट होती हैं। इसके बावजूद नए नियमों का सबसे अधिक प्रभाव इन्हीं छोटे मेला आयोजकों और झूला संचालकों पर पड़ा है। नए प्रावधानों के तहत महंगे इंजीनियरिंग सर्टिफिकेट, भारी बीमा कवर, जटिल लाइसेंस प्रक्रिया और बार-बार निरीक्षण जैसी शर्तें लागू कर दी गई हैं। छोटे स्तर पर काम करने वाले ये लोग पहले ही भारी कर्ज लेकर अपने झूले खरीदते हैं। उनके लिए महंगे प्रमाण पत्र और बीमा प्रीमियम जुटाना लगभग असंभव है। गौर करने वाली बात है कि कोई भी मेला आयोजक या झूला संचालक सुरक्षा नियमों को हटाने की मांग नहीं कर रहा। बंद गेमिंग जोनों के लिए कठोर नियम आवश्यक हैं और उनका पालन होना चाहिए, लेकिन खुले मेलों के पारंपरिक झूलों के लिए अलग, सरल और व्यावहारिक नियम बनाए जाने चाहिए।

आज देश में अनेक झूला निर्माता कार्यरत हैं। क्या उनके निर्माण मानकों की नियमित जांच होती है? क्या यह सुनिश्चित किया जाता है कि हर झूला तकनीकी कसौटियों पर खरा उतरता है? यदि निर्माण स्तर पर ही त्रुटि रह जाए तो उसका खामियाजा अंतिम संचालक और आम जनता को भुगतना पड़ता है। इसलिए समस्या का समाधान केवल संचालन स्तर पर कठोरता बढ़ाने में नहीं है, बल्कि निर्माण से लेकर संचालन तक एक संतुलित और व्यावहारिक निगरानी व्यवस्था बनाने में है। पारंपरिक मेलों को समाप्त होने देना केवल आर्थिक क्षति नहीं होगी, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक विरासत के लिए भी आघात होगा। आज जब बड़े मॉल और डिजिटल मनोरंजन के साधन तेजी से बढ़ रहे हैं, तब भी मेले लोगों को खुला, सामुदायिक और पारिवारिक मनोरंजन प्रदान करते हैं। ग्रामीण अर्थ व्यवस्था को संबल देने में इनकी भूमिका को नकारा नहीं जा सकता।

आवश्यक है कि सरकार, प्रशासन और मेला आयोजकों के प्रतिनिधि मिलकर एक व्यवहारिक नीति तैयार करें। एक ऐसी नीति जो भले ही सुरक्षा से समझौता न करे, लेकिन छोटे व्यवसायियों को काम करने से भी नहीं रोके। यदि समय रहते संतुलित निर्णय नहीं लिया गया, तो आने वाली पीढ़ियां शायद केवल किताबों में पढ़ेंगी कि कभी हमारे गांव-शहरों में रंग-बिरंगे मेले लगते थे, जिनमें बच्चों की हंसी और लोकगीतों की गूंज होती थी। सुरक्षा और आजीविका के बीच संतुलन ही इस संकट का वास्तविक समाधान है। यही समय की मांग है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

हादसे में स्कूटी सवार छात्र-छात्रा की मौत

लखनऊ-कानपुर हाईवे स्थित जाजमऊ चौकी के निकट डंपर ने मारी टक्कर

रफ्तार की मार

- **लखनऊ से दोनों अपने घर कानपुर लौट रहे थे**
- **छात्रा एरा मेडिकल कॉलेज में जीएनएम का कर रही थी कोर्स**

संवाददाता शुक्लागंज, उन्नाव

अमृत विचार। लखनऊ-कानपुर हाईवे पर शनिवार दोपहर हुए भीषण सड़क हादसे में स्कूटी सवार छात्र व छात्रा की मौत हो गई। दोनों लखनऊ से कानपुर घर लौट रहे थे तभी जाजमऊ चौकी से करीब 50 मीटर पहले तेज रफ्तार डंपर ने स्कूटी में टक्कर मार दी। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार कानपुर के काकादेव तुलसी नगर निवासी सतीश चंद्र का 28 वर्षीय बेटा ज्ञान सोनकर लखनऊ में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। वह 15 दिन पहले घर से लखनऊ गया था और शनिवार को स्कूटी से लौट रहा था। उसके साथ उसकी दोस्त कानपुर के बर्रा निवासी अरुण सिंह की 27 वर्षीय बेटी भूमिका भी थी। जो लखनऊ के एरा मेडिकल कॉलेज में जीएनएम की छात्रा थी। दोनों जैसे ही दोपहर 3 बजे जाजमऊ चौकी के पास पहुंचे पीछे से आए तेज रफ्तार डंपर ने स्कूटी में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर घायल हो गए। सूचना पर जाजमऊ चौकी प्रभारी विनोद सिंह फोर्स के साथ पहुंचे और घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। इसकी सूचना से परिजनों में कोहराम मच गया। बिलखते परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। ज्ञान सिंह की मौत से मां समेत बहन हेमा, शीतल, अविष्का व भाई दिव्यांशु का रो-रोकर बुरा हाल रहा। पुलिस ने डंपर को कानपुर नगर के जाजमऊ थानाक्षेत्र से कब्जे में लेकर चौकी पर खड़ा करवाया है। शवों को पीएम के लिए भेज दिया गया है।

कार से कुचलकर बालिका की मौत

हरदोई, अमृत विचार : 7 साल की बालिका दुकान पर साइकिल की मरम्मत करा रही थी। इसी बीच तेज़ रफ्तार कार उसे कुचलते हुए निकल गई। बुरी तरह ज़ख्मी हुई बच्ची को सीएचसी बेहंदर पहुंचाया गया, लेकिन वहां पहुंचने से पहले उसकी मौत हो गई। कासिमपुर थाने के घुघेरा मजरा हिया निवासी शफीकुल हसन की 7 साल की पुत्री एलिन शनिवार को गांव में सड़क किनारे दुकान पर अपनी साइकिल की मरम्मत करा रही थी,उसी बीच ककरहिया की तरफ से आ रही तेज़ रफ्तार वैगन-आर कार उसे कुचरते हुए निकल गई। हादसा होते देख वहां अफरा-तफरी मच गई। एलिन को सीएचसी बेहंदर पहुंचाया गया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव कब्ज़े में लेते हुए हादसे की जांच शुरु कर दी।

झुलसी बालिका की मौत से आक्रोश

- **एक सप्ताह से लखनऊ स्थित ट्रामा सेंटर में भर्ती थी**
- **परिजनों ने दुकानदार पर लगाया लापरवाही का आरोप**

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : कोतवाली बदोसरांय क्षेत्र के कोटवाधाम गांव में एक सप्ताह पहले खौलते पानी में गिरकर गंभीर रूप से झुलसी सात वर्षीय बालिका की इलाज के दौरान लखनऊ में मौत हो गई। शनिवार को शव गांव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। भारी आक्रोश व भीड़ को देखते हुए पुलिस और पीएसी बल की मौजूदगी में अंतिम संस्कार कराया गया। घटना 22 फरवरी को क्षेत्र के कोटवाधाम गांव में हुई। राजू गुप्ता की पौत्री वैष्णवी सुबह करीब नौ बजे गांव की एक किराना दुकान पर सामान लेने गई थी। दुकान के पास खोवा बनाने का कार्य चल रहा था और खौलते पानी के बड़े भगोने रखे थे। इसी दौरान वह कड़ाही से टकराकर खौलते पानी में गिर गई, जिससे वह करीब 60 प्रतिशत तक झुलस गई। घटना के तुरंत बाद परिजन उसे सिरौलीगौसपुर अस्पताल ले गए, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। हालत गंभीर होने पर उसे लखनऊ के ट्रामा सेंटर भेजा गया, जहां वह करीब एक सप्ताह से आईसीयू में भर्ती थी। इलाज के दौरान शनिवार को उसकी मौत हो गई। परिजनों ने दुकान संचालक पर लापरवाही का आरोप लगाया है। बालिका के बाबा राजू गुप्ता का कहना है कि खोवा बनाने का काम असुरक्षित ढंग से किया जा रहा था। इस संबंध में बदोसरांय कोतवाली में पहले ही मुकदमा दर्ज कराया जा चुका है। शव गांव पहुंचने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए। एहतियात के तौर पर क्षेत्राधिकारी रामनगर गरिमा पंत, प्रभारी निरीक्षक बदोसरांय अजीत विद्यार्थी सहित कई थानों की पुलिस बल मौके पर तैनात रही।

युवाओं के विचारों से तय होगी देश की दिशा : न्यायमूर्ति

बाराबंकी, अमृत विचार : मोहनलाल वर्मा एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, बाराबंकी में जनपद स्तरीय युवा संसद 2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उच्च न्यायालय इलाहाबाद न्यायमूर्ति सुभाष चंद्र शर्मा द्वारा माता सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि व दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

उद्घाटन संबोधन में न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि युवाओं के विचारों से देश की दिशा तय होगी। युवाओं को व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से युवाओं के विचार नीति निर्माण और संसद तक पहुंचने का मार्ग प्रशस्त होता है। कार्यक्रम का आयोजन मेरा युवा भारत बाराबंकी की जिला युवा अधिकारी रश्मि शबनम गुप्ता तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला नोडल अधिकारी पंकज कुमार पटवा के संयुक्त निर्देशन में किया गया। डॉ. पटवा ने बताया कि जिले भर से 103 युवाओं ने पंजीकरण कराया और प्रतिभागियों ने अपने विचार प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किए। समापन सत्र में उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत ने विजेताओं को प्रमाण पत्र वितरित किए। कार्यक्रम में प्रथम पांच प्रतिभागियों का चयन कर उनके नाम विधानसभा स्तर के लिए घोषित किए गए।

हत्या के प्रयास में दो को 10-10 वर्ष की कैद : बाराबंकी, अमृत विचार : न्यायालय ने हत्या के प्रयास प्रकरण में 2 अभियुक्तों को 10-10 वर्ष कठोर कारावास व 50-50 हजार रुपये अर्थदण्ड से दण्डित किया है।

कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, चित्रकूट

संख्या: 1881 / जि0आ0अ0/ चित्रकूट / अपील व आ0सू0/2025-26/ दिनांक: फरवरी 28 2026

अपील / आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि युवाओं के बीच नशा का बढ़ता प्रचलन चिंता का विषय है इस नशे की आदत से युवा वर्ग समाज के रचनात्मक विकास में अपना योगदान नहीं कर पा रहा है। ऐसी स्थिति में आप सभी से अपील है कि युवाओ को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें नशीली दवाओं के दुष्प्रभाव के सम्बन्ध में जागरूक करे, ताकि युवा वर्ग नशा मुक्त जीवन यापन करते हुए समाज के रचनात्मक विकास में महत्वपूर्ण सदस्य की भूमिका अदा कर सकें।

(अखिलेन्द्र बहादुर सिंह)
जिला आबकारी अधिकारी
चित्रकूट।

जीएसटी चोरी के चार शातिर गिरफ्तार

सीतापुर, अमृत विचार: 20 राज्यों में 1221 फर्मों के सहारे लगभग 500 करोड़ की जीएसटी चोरी में निरुद्ध चार अंतरराज्यीय शातिरों को सीतापुर पुलिस ने दबोचा। एसओजी टीम ने आरोपियों के कब्जे से दो लाख से अधिक नकदी, हीरों की अंगूठियां, गहने, कार, मोबाइल, सिम आदि बरामद किये है। एएसपी विनायक गोपाल भोसले के मुताबिक डीजीपी के निर्देश पर प्रदेश में गठित एसआईटी टीम ने अलग-अलग जनपदों में 118 मुकदमें दर्ज किए। सीतापुर शहर व उसके आसपास फर्जी कंपनी बना लाखों के वारेन्यारे हुए। इसे लेकर में कोतवाली नगर व देहात में केस दर्ज हुआ। एसपी अंकुर अग्रवाल ने जांच की जिम्मेदारी एसओजी टीम को सौंपी। टीम इंचार्ज इंस्पेक्टर सतेंद्र विक्रम सिंह ने सर्विलांस व मुखबिर की मदद से पड़ताल की तो पता चला कि जीएसटी चोरी करने वाले गिरोह का नेटवर्क उप्र सहित 20 राज्यों में है। आगरा निवासी गैंग सरगना सोना उर्फ आशीष, कुलदीप सिंह, थाना शाहगंज के नंगला कड़ेरू नरीपुरा निवासी विवेक कुमार और उत्तराखण्ड के अल्मोड़ा जनपद स्थित थाना रामनगर के भरतपुरी निवासी सूरज रावत को गिरफ्तार किया गया।

उत्तर प्रदेश सरकार
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग
(टी0वी0 शाखा)
संख्या– 66/ सू0एवंज0 सं0वि0 (टी0वी0) 06/2026
लखनऊः दिनांक 28 फरवरी, 2026

ई–निविदा सूचना

सचिवालय के अधिकारी भवन स्थित सैटेलाइट कम्युनिकेशन सेन्टर की छत पर लगी 8 फीट की दो छतरियां के स्थान पर नई छतरियां लगाने तथा समस्त छतरियों (12 फीट की 02 छतरी, 08 फीट की 04 छतरी तथा 04 फीट की 01 छतरी के अलावा डीटीएच की 14 छतरियों) के रिएलाइनमेंट कार्य एवं इस कार्य में लगने वाले समस्त उपकरणों/ सामग्रियों सहित समस्त कार्य कराये जाने हेतु अनुभवी व प्रतिष्ठित निविदादाताओं से ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। उक्त ई–निविदा वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 02/03/26 से 10/03/26 तक अपराह्न 1.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। आनलाइन प्राप्त समस्त निविदाओं की तकनीकी बिड को निविदादाताओं की उपस्थिति / अनुपस्थिति में दिनांक 10/03/25 को 2.00 बजे खोली जायेगी। ई–निविदा में प्रतिभाग करने हेतु निविदादाताओं के पास वैध डिजिटल सिग्नेचर तथा उक्त वेबसाइट पर पंजीकरण होना अनिवार्य है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण वेबसाइट पर उपलब्ध है।

UP - 247173 दिनांक: 28/02/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(विशाल सिंह)
सूचना निदेशक

रंगों से सराबोर लोग। ● अमृत विचार

रंग बरसे 2.0 ने बदली होली की तस्वीर

लखनऊ, अमृत विचार : होली के अवसर पर द अवियान में आयोजित रंग बरसे 2.0 कार्यक्रम धूमधाम और उत्साह के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। आयोजन के दौरान जीवंत और स्किन-फ्रेंडली ऑर्गेनिक रंगों के साथ सुरक्षित वातावरण में होली खेली गई। लाइव म्यूज़िक और पावर-पैक्ड प्रस्तुतियों ने पूरे माहौल को ऊर्जा से भर दिया। अंशुमान एंड बैंड की दमदार प्रस्तुति पर दर्शक झूम उठे, वहीं डीजे क्रिस्टल की हाई-एनर्जी बीट्स पर युवाओं ने जमकर उत्सव का आनंद लिया। संचालन एंकर संजना ने किया। द अवियान परिवार के जनरल मैनेजर आकाश सिंह राठौर ने बताया कि रंग बरसे 2.0 का उद्देश्य लोगों को एक सुरक्षित, सुव्यवस्थित और प्रीमियम होली अनुभव देना था।

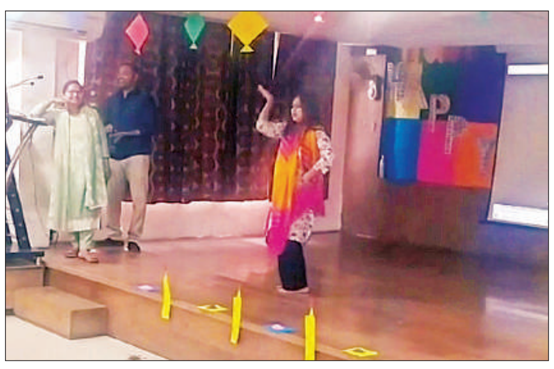

नृत्य प्रस्तुत करती युवती। ● अमृत विचार

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मोहा सभी का मन

लखनऊ, अमृत विचार : श्री रामस्वरूप मेमोरियल कालेज ऑफ इन्जीनियरिंग एण्ड मैनेजमेण्ट में शनिवार को इं. पंकज अग्रवाल संस्थापक एवं इं. पूजा अग्रवाल सह संस्थापिका की प्रेरणा से रंगों के उत्सव होली का रंगारंग कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक एवं पारम्परिक आयोजन किये गये। इस समारोह का मुख्य आकर्षण संस्मरण, कविताएं एवं होली गीत व नृत्य थे जिसने होली के विभिन्न आधुनिक एवं पारंपरिक रंगों को बिखेरते हुए सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया तथा नाचने, झूमने पर मजबूर कर दिया। कालेज के संस्थापक इं. पंकज अग्रवाल ने सभी को होली की शुभकामनाएं दीं एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में होली मनाने की प्रेरणा दी। समारोह में कालेज के समस्त अधिकारी, फैकल्टी एवं स्टाफ उपस्थित रहे। सभी ने एक-दूसरे को अबीर, गुलाल व रंग लगाये।

मां दुर्गा मंदिर पर अखंड रामायण पाठ

लखनऊ, अमृत विचार : माल के ग्राम पंचायत रानीपारा स्थित लगभग 500 वर्ष पुराने प्राचीन मां दुर्गा मंदिर में परंपरा के अनुसार प्रात: 10 :00 बजे से अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ का शुभारंभ हुआ। यह परंपरा वर्ष 2010 से अनवरत जारी है। ग्रामीणों की मान्यता है कि इस सिद्ध पीठ पर जो भी भक्त सच्ची श्रद्धा से आता है, माता रानी उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं। लोक कल्याण की भावना से हर साल 27 फरवरी को यह धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किया जाता है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से सुनील कुमार सिंह (प्रधान पति), प्रधान प्रत्याशी अविनाश सिंह के नेतृत्व में ग्रामीण मौजूद रहे। धर्मेंद्र सिंह गहरवार आयोजन की सफलता में जुटे रहे। अखिलेश सिंह उर्फ ललित भैया ने रामायण की चौपाइयों का सस्वर पाठ कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

हरदोई के फैजुल्लापुर विद्यालय में मनी होली

हरदोई, अमृत विचार : प्राथमिक विद्यालय फैजुल्ला पुर में होली का पर्व बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर में अबीर-गुलाल की रंगत ने उत्सव का सुंदर दृश्य प्रस्तुत किया। प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित तरीके से रंग लगाकर होली की शुभकामनाएं दी गईं तथा मिठाई खिलाकर उनका मुंह मीठा कराया गया। कार्यक्रम के दौरान इंचार्ज प्रधानाध्यापक शिवेंद्र सिंह बघेल ने बच्चों को होली के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व से अवगत कराया। उन्होंने बच्चों को भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने, बुजुर्गों का सम्मान करने और समाज में सकारात्मक संदेश फैलाने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर विद्यालय के अन्य प्रधान अध्यापकों सहित सहायक अध्यापक अभिषेक अवस्थी, शिक्षा मित्र पंकज कुमार एवं अजय प्रताप सिंह उपस्थित रहे।

कार्यालय सेनानायक 27वीं वाहिनी पीएसी सीतापुर।
फोन / फैक्स नं0: 0582-244232 सीयूजीरू +91-9454418838 ई-मेल:compac27@nic.in

पत्र संख्या: -57/2026 दिनांक: फरवरी, 27 2020
प्रेस विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि 27वी वाहिनी पीएसी सीतापुर में मानक मद-29 अनुरक्षण के अर्न्तगत आंवटित अनुदान के सापेक्ष वाहिनी आरटीसी में प्रचलित प्रशिक्षण की मूलभूत व्यवस्था के अर्न्तगत नाई शाप शौचालय की छत, सीलिंग मरम्मत एवं दीवार पर छुद्र प्लास्टर मरम्मत, शौचालय सीट तथा यूरीनल पाट, टाइल्स, आरटीसी कार्यालय की दीवार पर रंगाई पुताई सम्बन्धी कार्यो को कराये जाने हेतु निविदा दिनांक 05/03/2026 को आमंत्रित की जाती है, तददिनांक को ही अधोहस्ताक्षरित द्वारा प्राधिकृत द्वारा खोली जायेगी। इच्छुक ठेकेदार निविदा दिनांक से पूर्व किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 10.00 बजे 17.00 बजे तक कार्यालय में उपस्थित होकर निहित शर्तो के तहत निविदा फार्म प्राप्त कर सकते है।

सेनानायक
27वीं वाहिनी पीएसी
सीतापुर।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
मैं **सन्जू धुरिया पुत्री मिठाई लाल निवासी ग्राम सेमरीकला पोस्ट खानपुर तहसील लंभुआ जिला सुल्तानपुर** की हूँ। मेरी एक कृषि भूमि का बैनामा ग्राम मुस्तफाबाद तहसील बांगरमऊ, उन्नाव से गायब हो गयी है। जिसका दस्तावेज नंबर 5993 है जो दिनांक 15/11/2025 को बैनामा किया गया था। अत: जिस किसी व्यक्ति को मिला हो वह 9466444767 इस नम्बर पर सूचना देकर वापस कर सकता है।

Public Notice
I, Shawana Praveen (Old Name) D/o Khursheed Ahmad, resident of H.No. 273, Shah Qa-mar, New City, Etawah, Uttar Pradesh, have changed my name from Shawana Praveen (Old Name) to Shabana Parveen (New Name). Hence-forth, I shall be known and identified as Shabana Parveen (New Name) for all purpose.

सूचना
मेरा नाम ड्राइविंग लाइसेंस में त्रुटिवश प्रदीप कुमार सिंह दर्ज है। जबकि आधारकार्ड, पैन कार्ड व अन्य अभिलेखों में प्रदीप सिंह दर्ज है। दोनों नाम मेरे है। अत: अब मुझे प्रदीप सिंह के नाम से जाना पहचाना और ड्राइविंग लाइसेंस में दर्ज किया जाए। **प्रदीप सिंह पुत्र सहदेव सिंह निवासी सूरजपुर गुमानखेड़ा पोस्ट देवगांव, थाना खीरो, तहसील लालगंज, जनपद रायबरेली**

Public Notice
I, DEEPAK S/O MR. NANHA , R/O-VILL-RAIPUR, POST-PAKHARAURA, PS-SAFIPUR, UNNAO, UP, HEREBY INFORM EVERYONE THAT I HAVE CHANGED MY NAME TO DEEPAK KUMAR, AND HENCEFORTH I SHOULD BE KNOWN, IDENTIFIED, AND ADDRESSED AS DEEPAK KUMAR.

सूचना
मैं ने अपना नाम MOHAMMAD MUSTAKEEM से बदल कर MOHD MUSTAKEEM रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O: MOHD YUSUF R/O:18,A, BHAUSIYA SALHIPUR KANJASH PRATAPGARH UTTAR PRADESH 230403

सूचना
सूचित किया जाता है कि प्रार्थी के पासपोर्ट में नाम की वर्तनी WAHAJUL HAQUE लिखी है जबकि अन्य दस्तावेज़ में WAHAJUL HAQ दर्ज जो कि सत्य है। दोनो एक ही नाम है। **वहाजुल हक़ म0न0 377 बेगरिया मदरसा अलमोमिनात, दुबग्गा लखनऊ।** 226101

सूचना
मैने अपना नाम MEENU MEHTA से बदलकर MEENU SINHA रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। MEENU SINHA ADD-PLOT NO-11, KHASRA No-71, SAIDPUR JAGIR, JANKIPURAM, EXTENTION, DIST-LUCKNOW-226021 (U.P.)

सूचना
सूचित किया जाता है कि प्रार्थनी FATIMA ZAHRA ने अपना नाम बदल कर AYESHA FATIMA रख लिया है। जो कि सत्य है। दोनो एक ही नाम है। **आयशा फातिमा पत्नी रियाजुद्दीन म0न0 377 बेगरिया मदरसा अलमोमिनात, दुबग्गा लखनऊ।** 226101

सूचना
सूचित किया जाता है कि प्रार्थनी के पासपोर्ट में नाम की वर्तनी RASHIDA KHATUN लिखी है जबकि अन्य दस्तावेज़ में RASHEEDA KHATOON दर्ज है जो कि सत्य है। दोनो एक ही नाम है। **रशीदा खातून म0न0 377 बेगरिया मदरसा अलमोमिनात, दुबग्गा लखनऊ।** 226101

सूचना
पहले मेरा नाम ABDUL KALAM AZAD था अब मैने बदलकर अपना नाम ABDUL KALAM रख लिया है भविष्य में मुझे ABDUL KALAM के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O-ABDUL SUBOOR R/O- MOHLLA KAZI TOLA KANNAUJ-209725

सूचना
पहले मेरा नाम MOHAMMED SAMEER था अब मैने बदलकर अपना नाम MOHD SAMEER रख लिया है भविष्य में मुझे MOHD SAMEER के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O-MOHAMMAD MUBEEN R/O- VILL-RASOOLPUR TIKNIYAMAU GOSAAIGANJ, LUCKNOW

सूचना
पहले मेरा नाम ABDUL KALAM AZAD था अब मैने बदलकर अपना नाम ABDUL KALAM रख लिया है भविष्य में मुझे ABDUL KALAM के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O-ABDUL SUBOOR R/O- MOHLLA KAZI TOLA KANNAUJ-209725

सूचना
पहले मेरा नाम MOHD IJAHAR था अब मैने बदलकर अपना नाम MOHAMMAD IZHAR रख लिया है भविष्य में मुझे MOHAMMAD IZHAR के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O- KASIM ALI R/O- AKBARI GET JOGIYANA POST- MOHAN UNNAO

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

होली विशेष रेलगाड़ियाँ-2026 की संख्या में वृद्धि

रेलयात्रियों की सुविधा के लिए आगामी होली त्यौहार के दौरान पहले से ही घोषित अनेक होली विशेष रेलगाड़ियों के अलावा रेलवे द्वारा निम्नलिखित होली त्यौहार विशेष रेलगाड़ियों का भी संचालन किया जायेगा, जिनका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:–

02877/02878 राँची जं. – आनन्द विहार (ट.) – राँची जं. होली स्पेशल रेलगाड़ी — 03 फेरे

रेलगाड़ी सं. 02877 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 02878 आगमन	प्रस्थान
--	16:25	राँची जं.	19:10	--
18:00	--	आनन्द विहार (ट.)	--	19:30

चलने के दिन: **02877 राँची जं.** से (शनिवार) दिनांक 07.03.2026 को एवं **02878 आनन्द विहार (ट.)** से (प्रत्येक रविवार) दिनांक 01.03.2026 एवं 08.03.2026 को।
स्थान: प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: मेसरा, बरकाकाना, खलारी, टोरी जं., लातेहार, डाल्टनगंज, गढ़वा रोड जंक्शन, नगर उंटारी, रेनुकूट, चोपन, सोनभद्र, चुनार, मिर्जापुर, सुबेदारगंज, गोविंदपुरी, टूण्डला जंक्शन एवं गाजियाबाद स्टेशन।

04654/04653 अमृतसर जं. – न्यू जलपाईगुड़ी – अमृतसर जं. सुपरफास्ट स्पेशल रेलगाड़ी — 08 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04654 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04653 आगमन	प्रस्थान
--	08:35	अमृतसर जं.	16:20	--
17:45	--	न्यू जलपाईगुड़ी	--	06:45

चलने के दिन: **04654 अमृतसर जं.** से (प्रत्येक बुधवार) दिनांक 04.03.2026 से 25.03.2026 तक एवं **04653 न्यू जलपाईगुड़ी जं.** से (प्रत्येक शुक्रवार) दिनांक 06.03.2026 से 27.03.2026 तक।
स्थान: 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: सहारनपुर जंक्शन, मुरादाबाद, सीतापुर जंक्शन, गोरखपुर जंक्शन, छपरा, मुज़फ्फरपुर जंक्शन, समस्तीपुर जंक्शन, कटिहार जंक्शन एवं किशनगंज स्टेशन।

04823/04824 जोधपुर जं. – मऊ जं. – जोधपुर जं. स्पेशल रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 10 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04823 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04824 आगमन	प्रस्थान
--	17:00	जोधपुर जं.	08:40	--
13:25	13:35	लखनऊ जं.	11:35	11:45
23:20	--	मऊ जं.	--	04:00

चलने के दिन: **04823 जोधपुर जं.** से (प्रत्येक रविवार) दिनांक 01.03.2026 से 29.03.2026 तक एवं **04824 मऊ जं.** से (प्रत्येक रविवार) दिनांक 03.03.2026 से 31.03.2026 तक।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: पीपाड़ रोड जं., गोतन, मेड़ता रोड जं., रेन, डिगाना जं., मकराना जं., कुचामन सिटी, नावा सिटी, फुलेरा जं., जयपुर जं., बांदीकुई जं., मंडावर एम. रोड, खेड़ली, नदबई, भरतपुर जं., मथुरा जं., हाथरस सिटी, कासगंज जं., फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ जं., अयोध्या कैंट, अयोध्या धाम जं., शाहगंज जं., खोरासन रोड, आजमगढ़ एवं मुहम्मदाबाद स्टेशन।

05101/05102 गोरखपुर जं. – नई दिल्ली – गोरखपुर जं. स्पेशल रेलगाड़ी — 10 फेरे

रेलगाड़ी सं. 05101 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 05102 आगमन	प्रस्थान
--	18:00	गोरखपुर जं.	23:45	--
07:30	--	नई दिल्ली	--	09:45

चलने के दिन: **05101 गोरखपुर जं.** से (प्रत्येक मंगलवार, गुरूवार, शनिवार) दिनांक 05.03.2026 से 14.03.2026 तक एवं **05102 नई दिल्ली जं.** से (प्रत्येक बुधवार, शुक्रवार, रविवार) दिनांक 06.03.2026 से 15.03.2026 तक।
स्थान: शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: खलीलाबाद, बस्ती, गोंडा जंक्शन, बुढ़वल जंक्शन, सीतापुर जंक्शन, शाहजहाँपुर, बरेली, मुरादाबाद एवं गाजियाबाद स्टेशन।

04684/04683 अमृतसर जं. – अयोध्या धाम जं. – अमृतसर जं. स्पेशल रेलगाड़ी — 02 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04684 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04683 आगमन	प्रस्थान
--	14:30	अमृतसर जं.	16:30	--
10:35	--	अयोध्या धाम जं.	--	17:30

चलने के दिन: **04684 अमृतसर जं.** से (गुरूवार) दिनांक 05.03.2026 को एवं **04683 अयोध्या धाम जं.** से (शनिवार) दिनांक 07.03.2026 को।
स्थान: शयनयान।
ठहराव: जलंधर सिटी जं., लुधियाना जंक्शन, धूरी जंक्शन, पटियाला, अंबाला छावनी जंक्शन, सहारनपुर जंक्शन, मुरादाबाद जंक्शन एवं लखनऊ स्टेशन।

09019/09020 बांद्रा टर्मिनस – गोरखपुर जं. – बांद्रा टर्मिनस अनारक्षित स्पेशल रेलगाड़ी — 02 फेरे

रेलगाड़ी सं. 09019 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 09020 आगमन	प्रस्थान
--	08:35	बांद्रा टर्मिनस	09:45	--
14:48	14:53	लखनऊ जं.	05:10	05:15
20:40	--	गोरखपुर जं.	--	23:35

चलने के दिन: **09019 बांद्रा टर्मिनस** से (रविवार) दिनांक 01.03.2026 को एवं **09020 गोरखपुर जं.** से (सोमवार) दिनांक 02.03.2026 को।
स्थान: सामान्य।
ठहराव: बोरीवली, पालघर, दहानू रोड, वापी, वलसाड, नवसारी, उधना जंक्शन, सूरत, सायन, भरूच जंक्शन, वडोदरा जंक्शन, गोधरा जंक्शन, दाहोद, रतलाम जंक्शन, नागदा जंक्शन, उज्जैन जंक्शन, मकसी जंक्शन, शुजालपुर, सीहोर, संत हिरदाराम नगर, बीना जंक्शन, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, बाराबंकी जंक्शन, गोंडा जंक्शन, मानिकपुर जंक्शन, बस्ती एवं खलीलाबाद स्टेशन।

09713/09714 फुलेरा जं. – दिल्ली सराय रोहिल्ला – फुलेरा जं. अनारक्षित स्पेशल रेलगाड़ी — 06 फेरे

रेलगाड़ी सं. 09713 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 09714 आगमन	प्रस्थान
--	11:40	फुलेरा जं.	02:30	--
18:05	--	दिल्ली सराय रोहिल्ला	--	19:10

चलने के दिन: **09713 फुलेरा जं.** एवं **09714 दिल्ली सराय रोहिल्ला** से (सोमवार एवं बुधवार) दिनांक 02.03.2026 से 04.03.2026 तक।
स्थान: सामान्य।
ठहराव: रेनवाल, रिंगस जंक्शन, श्री माधोपुर, कानवत, नीम का थाना, मावंडा, डाबला, नारनौल, अटेली, कुंड, रेवाड़ी जंक्शन, पटौदी रोड, गुरुग्राम एवं दिल्ली कैंट स्टेशन।

05089/05090 छपरा जं. – आनन्द विहार (ट.) – छपरा जं. स्पेशल रेलगाड़ी — 08 फेरे

रेलगाड़ी सं. 05089 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 05090 आगमन	प्रस्थान
--	20:00	छपरा जं.	15:30	--
18:10	--	आनन्द विहार (ट.)	--	19:40

चलने के दिन: **05089 छपरा जं.** से (प्रत्येक गुरूवार एवं शनिवार) दिनांक 05.03.2026 से 14.03.2026 तक एवं **05090 आनन्द विहार (ट.)** से (प्रत्येक शुक्रवार एवं रविवार) दिनांक 06.03.2026 से 15.03.2026 तक।
स्थान: प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: मशरख जंक्शन, दिघवा दुबौली, थावे, पडरौना, रुड़की, कप्तानगंज, गोरखपुर जंक्शन, खलीलाबाद, बस्ती, गोंडा, बुढ़वल, सीतापुर, शाहजहाँपुर, बरेली जंक्शन, मुरादाबाद एवं गाजियाबाद जंक्शन।

05071/05072 छपरा जं. – आनन्द विहार (ट.) – छपरा जं. स्पेशल रेलगाड़ी — 06 फेरे

रेलगाड़ी सं. 05071 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 05072 आगमन	प्रस्थान
--	15:00	छपरा जं.	08:15	--
10:20	--	आनन्द विहार (ट.)	--	11:30

चलने के दिन: **05071 छपरा जं.** से (प्रत्येक सोमवार) दिनांक 02.03.2026 से 16.03.2026 तक एवं **05072 आनन्द विहार (ट.)** से (प्रत्येक मंगलवार) दिनांक 03.03.2026 से 17.03.2026 तक।
स्थान: प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: मशरख जंक्शन, दिघवा दुबौली, थावे, पडरौना, रुड़की, कप्तानगंज, गोरखपुर जंक्शन, खलीलाबाद, बस्ती, गोंडा, बुढ़वल, सीतापुर, शाहजहाँपुर, बरेली जंक्शन, मुरादाबाद एवं गाजियाबाद जंक्शन।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी अन्य सूचना और विस्तृत समय–सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा–हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

फिनो पेमेंट्स बैंक ने किया मुखौटा कंपनियों का उपयोग

नयी दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) फिनो पेमेंट्स बैंक की जीएसटी चोरी की जांच कर रहा है। कंपनी पर देश में प्रतिबंधित ऑनलाइन मनी गेमिंग से अर्जित अवैध धन की हेराफेरी करने के लिए फर्जी कंपनियों और भुगतान मंच का इस्तेमाल करने का संदेह है। सूत्रों ने शनिवार को यह बताया। उन्होंने कहा कि अब तक की जांच में धोखाधड़ी में बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी के शामिल होने की बात सामने आई है, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

अमृत विचार
लखनऊ, रविवार, 1 मार्च 2026
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

गुजरात में 185 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना शुरू

नयी दिल्ली, एजेंसी : अदाणी ग्रीन एनर्जी (एजीईएल) की अनुषंगी इकाई ''अदाणी ग्रीन एनर्जी ट्वेंटी फाइव सी लिमिटेड'' ने गुजरात के खावड़ा में 185 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना का परिचालन शुरू कर दिया है। कंपनी ने शनिवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी गई जानकारी में बताया कि इस संयंत्र के चालू होने के साथ ही एजीईएल की कुल परिचालन नवीकरणीय उत्पादन क्षमता बढ़कर 17,472.2 मेगावाट हो गई है। 28 फरवरी 2026 को इस सुविधा को चालू करने और एक मार्च 2026 से बिजली उत्पादन शुरू करने का निर्णय लिया गया।

जिंदल पॉली फिल्म्स मामले में एनसीएलएटी का स्टे से इनकार

नयी दिल्ली, एजेंसी। अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के उस आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है, जिसमें जिंदल पॉली फिल्म्स के शेयरधारकों द्वारा कंपनी के खिलाफ दायर ''क्लास एक्शन'' याचिका को स्वीकार कर लिया था। ''क्लास एक्शन'' या सामूहिक कार्रवाई याचिका कानूनी प्रक्रिया का एक ऐसा तरीका है, जिसमें लोगों का एक बड़ा समूह किसी कंपनी या संस्था के खिलाफ एक साझा मुकदमा दायर करते हैं।

दुर्लभ पृथ्वी खनन के लिए अपनी तटरेखा खोलेगा आंध्र प्रदेश

अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश अपनी खनिज समृद्ध तटरेखा को बड़े पैमाने पर दुर्लभ पृथ्वी और टाइटेनियम युक्त तटीय रेत खनन के लिए खोलने की योजना बना रहा है। यह एक रणनीतिक कदम है जिसका उद्देश्य चीन से आयात पर भारत की निर्भरता को कम करना और महत्वपूर्ण खनिजों के लिए एक घरेलू मूल्य श्रृंखला बनाना है। सार्वजनिक क्षेत्र के आंध्र प्रदेश खनिज विकास निगम (एपीएमडीसी) ने तटीय जिलों में कई भारी खनिज युक्त भंडारों की पहचान की है, जो राज्य को टाइटेनियम डाइऑक्साइड, टाइटेनियम धातु और दुर्लभ पृथ्वी प्रसंस्करण के लिए एक संभावित केंद्र के रूप में स्थापित करता है।

प्रदर्शनी में ग्रामीण सशक्तिकरण

ठाणे। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) की ओर से ठाणे के गावदेवी मैदान में आयोजित खादी-ग्रामोद्योग महोत्सव-2026 ग्रामीण सशक्तिकरण तथा खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों के संवर्धन के सात दशकों के समर्पित प्रयास की प्रदर्शनी आयोजित की गयी है। आगामी छह मार्च तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में खादी की समृद्ध विरासत तथा लोकप्रिय ग्रामोद्योग उत्पादों की जीवंत झलक प्रस्तुत की जा रही है।

नई पहचान

गुजरात के साणंद में माइक्रोन सेमीकंडक्टर फैसिलिटी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कंपनी के एटीएमपी (असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग) प्लांट का उद्घाटन किया। कर्मचारियों से बात करते पीएम और साथ में माइक्रोन के सीईओ संजय मेहरोत्रा। फोटो : एजेंसी

सेबी प्रमुख और कनाडा के वित्त मंत्री के बीच चर्चा

नयी दिल्ली, एजेंसी। बाजार नियामक सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने कनाडा के वित्त मंत्री फ्रैंकोइस-फिलिप शैम्पेन के साथ संस्थागत निवेश को सुविधाजनक बनाने और नियामक सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। चर्चा के दौरान सेबी प्रमुख के साथ पूर्णकालिक सदस्य संदीप प्रधान और कार्यकारी निदेशक मनिंदर चीमा भी उपस्थित थे। सेबी द्वारा शनिवार को ''एक्स'' पर साझा की गई जानकारी के अनुसार, इस बैठक में संस्थागत निवेश को बढ़ावा देने, नियामक समन्वय को सुदृढ़ करने और आपसी हित के विभिन्न मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

डीमैट अकाउंट खोलना क्यों है जरूरी, किन बातों का रखें ध्यान

प्रकुल सक्सेना, कारोबार डेस्क

अमृत विचारः निवेश को सुरक्षित और पेपरलेस बनाने के लिए सेबी ने 1 अप्रैल 2019 से फिजिकल शेयरों को डिजिटालाइज्ड यानी डीमैट करना अनिवार्य कर दिया है।

स्टेट बैंक समेत कई सरकारी और निजी बैंक अपने बैंकिंग ऐप्स से डीमैट अकाउंट बनाने की सुविधा दे रहे हैं। अगर आप भी शेयर ट्रेडिंग शुरूकरने की सोच रहे हैं या अभी आपने अपने फिजिकल शेयर को डिमैट नहीं किया है तो यहां दी गयी जानकारी आपके काम की है। आईए जानते हैं डिमैट अकाउंट से संबंधित सभी जरूरी बातें-

स्टेप-बाय-स्टेप प्रोसेस

- डीमैट खाता खोलें : यदि आपके पास पहले से खाता नहीं है, तो किसी भी सेबी-पंजीकृत ब्रोकर से या ऐप से डीमैट खाता खोलें।
- डीआर फार्म भरें : अपने ब्रोकर से ''डीमैट रिक्वेस्ट फॉर्म'' प्राप्त करें। इस फॉर्म पर वैसे ही हस्ताक्षर करें जैसे आपने पुराने शेयर सर्टिफिकेट पर किए थे।
- सर्टिफिकेट सरेंडर करें : हर शेयर सर्टिफिकेट पर 'सरेंडर्ड फॉर डीमटेरियलाइजेशन' लिखें। इससे सर्टिफिकेट की भौतिक वैधता समाप्त हो जाती है और सुरक्षा बढ़ती है।
- ब्रोकर को जमा करें : डीआर फॉर्म और मूल सर्टिफिकेट अपने ब्रोकर (डीपी) को सौंप दें। आगे की करवाई डीपी करेगा।

आवश्यक मुख्य दस्तावेज

- ओरिजिनल शेयर सर्टिफिकेट्स : वे सभी फिजिकल सर्टिफिकेट जिन्हें आप डिजिटल करना चाहते हैं। सुनिश्चित करें कि इन पर कंपनी का नाम, फोलियो नंबर और सर्टिफिकेट नंबर स्पष्ट हो। पैन कार्ड अनिवार्य है और यह आपके डीमैट खाते से लिंक होना चाहिए। आधार कार्ड या पासपोर्ट जैसे पते के प्रमाण।

हार्डवेयर में भी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहा भारत: मोदी

पीएम मोदी ने किया साणंद में माइक्रोन टेक्नोलॉजी के सेमीकंडक्टर संयंत्र का उद्घाटन

साणंद, एजेंसी

- **दुनिया तक यह संदेश साफ और स्पष्ट रूप से पहुंच गया है कि भारत सक्षम है, भारत प्रतिस्पर्धी है और भारत प्रतिबद्ध हैः प्रधानमंत्री**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को गुजरात के साणंद में माइक्रोन टेक्नोलॉजी के सेमीकंडक्टर संयंत्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सॉफ्टवेयर में अपनी ताकत के लिए पहचाने जाने के बाद अब देश हार्डवेयर क्षेत्र में भी अपनी विशिष्ट पहचान मजबूती से स्थापित कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अमेरिका स्थित कंपनी के एटीएमपी (संयोजन, परीक्षण, अंकन और पैकेजिंग) संयंत्र का उद्घाटन भारत और अमेरिका के बीच गहरी साझेदारी को दर्शाता है। मोदी ने कहा कि दुनिया तक यह संदेश साफ और स्पष्ट रूप से पहुंच गया है कि भारत सक्षम है, भारत प्रतिस्पर्धी है और भारत प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सॉफ्टवेयर की ताकत के लिए लंबे समय से पहचाने जाने वाला भारत अब हार्डवेयर क्षेत्र में भी अपनी पहचान मजबूती से बना रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह आयोजन भारत और अमेरिका के बीच मजबूत सहयोग का प्रमाण है, विशेष रूप से एआई और चिप प्रौद्योगिकियों के क्षेत्रों में, जहां दोनों देशों के बीच साझेदारी बहुत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि दुनिया ने 20वीं सदी के दौरान औद्योगिक क्रांति का दौर देखा। उस समय जो देश कारखानों, मशीनों और बड़े पैमाने पर उत्पादन में आगे थे, उन्होंने तेजी से प्रगति की। लेकिन यह सदी एआई क्रांति की है और सेमीकंडक्टर इस बदलाव का सेतु हैं। छोटी सी चिप औद्योगिक क्रांति और एआई क्रांति दोनों को जोड़ने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि अगर पिछली सदी में तेल की अहमियत थी, तो इस सदी की दिशा तय करने वाले माइक्रोचिप्स होंगे। इसी विचार को ध्यान में रखते हुए, भारत ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ने का फैसला किया।

प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि देश ने अपने ''सेमीकंडक्टर मिशन'' की घोषणा उस समय की थी जब दुनिया कोविड महामारी से जूझ रही थी। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि महामारी के दौरान सब कुछ बिखरता हुआ महसूस हो रहा था, लेकिन जो बीज हमने दृढ़ विश्वास के साथ बोए थे, वे अब बढ़ रहे हैं और फल दे रहे हैं। बताया कि उनकी सरकार ने अब तक 'सेमीकॉन इंडिया' कार्यक्रम के तहत 10 परियोजनाओं को मंजूरी दी है और माइक्रोन संयंत्र के अलावा तीन और परियोजनाओं में बहुत जल्द उत्पादन शुरू होने वाला है। उन्होंने कहा कि हम जो सेमीकंडक्टर परिवेश बना रहे हैं, वह किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं है, यह पूरे भारत के लिए है।'' नोएडा (उत्तर प्रदेश), असम, ओडिशा और पंजाब में स्थित परियोजनाओं पर काम शुरू हो गया है। मोदी ने कहा कि इस बजट में 'भारत सेमीकंडक्टर मिशन 2.0' की घोषणा की गई है। इसका उद्देश्य यह है कि जैसे-जैसे उत्पादन बढ़ेगा, भारत में सामग्री घटकों और सेवाओं की मांग भी बढ़ेगी। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन और निर्यात में पिछले 11 वर्षों में हुई भारी वृद्धि पर भी प्रकाश डाला। यह नया संयंत्र साणंद में एक नया परिवेश तैयार करेगा। प्रधानमंत्री ने टाटा नैनो फैक्ट्री का जिक्र करते हुए कहा, कि जब एक बड़ी वाहन कंपनी यहां आई थी, तो उसके साथ एक पूरा परिवेश विकसित हुआ। भविष्य में साणंद सेमीकंडक्टर क्षेत्र में अपनी सफलता का एक नया अध्याय लिखेगा। एक सरकारी बयान के अनुसार यह संयंत्र एसएसडी (सॉलिड स्टेट ड्राइव) भंडारण उपकरण के साथ ही रैम प्रकार के डीरैम और एनएएनडी उत्पादों का निर्माण करेगा। माइक्रोन टेक्नोलॉजी ने इस संयंत्र में 22,516 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

गेल महाराष्ट्र में 1,736 करोड़ रुपये निवेश करेगी

दिल्ली, एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र की गैस कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड महाराष्ट्र में एक पवन ऊर्जा परियोजना स्थापित करने के लिए 1,736.25 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी ने वर्ष 2035 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है और यह निवेश उसके नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो के विस्तार की दिशा में एक कदम है।

गेल ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि शुक्रवार को हुई निदेशक मंडल की बैठक में 178.2 मेगावाट क्षमता की पवन ऊर्जा परियोजना स्थापित करने के निवेश प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

अनुबंध मिलने के 24 महीनों के भीतर पूरी होने वाली यह परियोजना कंपनी के मौजूदा 117.95 मेगावाट के पोर्टफोलियो में इजाफा करेगी। इसके अलावा, कंपनी के पास राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में फैली 27 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजनाएं भी हैं। वर्तमान में कंपनी की पवन ऊर्जा परियोजनाएं गुजरात (19.2 मेगावाट), कर्नाटक (38.1 मेगावाट) और तमिलनाडु (60.65 मेगावाट) में स्थित हैं। गेल भारत की सबसे बड़ी प्राकृतिक गैस पारेषण और विपणन कंपनी है।

एनटीपीसी पर लगाया 10.86 लाख का जुर्माना

मुंबई, एजेंसी

- **एनएसई और बीएसई ने जारी किये अलग-अलग नोटिस**

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी) के निदेशक मंडल में स्वतंत्र निदेशकों के अनुपात में कमी को लेकर शेयर बाजारों ने उस पर कुल 10 लाख 85 हजार 600 रुपये का जुर्माना लगाया है। एनटीपीसी ने शनिवार को शेयर बाजारों को बताया कि उसे 27 फरवरी को बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज से अलग-अलग नोटिस मिले हैं।

दोनों ने चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में सेबी के एलओडीआर (लिस्टिंग ऑब्लिगेशन एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स) नियमावली के नियम 17(1) का पालन न करने के लिए 5,42,800 रुपये के एक समान जुर्माने लगाये हैं। जुर्माने की कुल राशि 10,85,600 रुपये है। नियम 17(1) निदेशक मंडल की संरचना से संबंधित है।

यह नियम किसी भी सूचीबद्ध कंपनी के निदेशक मंडल में कम से कम एक महिला निदेशक और 50 प्रतिशत स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति को अनिवार्य बनाता है।

कंपनी ने शेयर बाजारों को बताया है कि एक सार्वजनिक उपक्रम होने के नाते उसके निदेशकों की नियुक्ति का अधिकार राष्ट्रपति के पास है।

वह ऊर्जा मंत्रालय के समक्ष पर्याप्त संख्या में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति का मसला उठाती रही है, ताकि सेबी के नियम 17(1) का अनुपालन किया जा सके। उसने शेयर बाजारों से आग्रह किया है कि इन बातों को ध्यान में रखते हुए उस पर जुर्माना नहीं लगाया जाना चाहिए।

एनटीपीसी की वेबसाइट के अनुसार, वर्तमान में उसके निदेशक मंडल में कुल 13 सदस्य हैं जिनमें पांच स्वतंत्र निदेशक हैं।

जनवरी में 152.49 लाख लोगों ने देश में की हवाई यात्रा

मुंबई, एजेंसी

देश के भीतर हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या जनवरी 2026 में वार्षिक आधार पर 4.36 प्रतिशत बढ़कर 152.49 लाख रही। यह जानकारी नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा जारी आंकड़ों में दी गई है। शुक्रवार देर शाम जारी आंकड़ों के अनुसार, इंडिगो, एयर इंडिया समूह, स्पाइसजेट और अकासा एयर सहित प्रमुख घरेलू विमानन कंपनियों ने जनवरी 2025 में कुल 146.11 लाख यात्रियों को सेवाएं दी थीं। दिसंबर में पायलटों के विश्राम और ड्यूटी अवधि के कड़े नियमों के कारण परिचालन संबंधी बाधाओं का सामना करने वाली इंडिगो ने अपनी बाजार हिस्सेदारी फिर से हासिल कर ली है। कंपनी 63.6 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी और 97.04 लाख यात्रियों के साथ शीर्ष पर रही। इसके विपरीत, एयर इंडिया समूह की बाजार हिस्सेदारी पिछले महीने की तुलना में लगभग तीन प्रतिशत घटकर 26.5 प्रतिशत (40.34 लाख यात्री) रह गई।

दुर्लभ पृथ्वी खनन के लिए तटरेखा खोलेगा आंध्र प्रदेश

अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश अपनी खनिज समृद्ध तटरेखा को बड़े पैमाने पर दुर्लभ पृथ्वी और टाइटेनियम युक्त तटीय रेत खनन के लिए खोलने की योजना बना रहा है। यह एक रणनीतिक कदम है जिसका उद्देश्य चीन से आयात पर भारत की निर्भरता को कम करना और महत्वपूर्ण खनिजों के लिए एक घरेलू मूल्य श्रृंखला बनाना है।

ईरान की लड़ाई से निर्यातकों को व्यापार लागत बढ़ने की चिंता

नयी दिल्ली, एजेंसी

भारतीय निर्यातकों का कहना है कि खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष ने स्थापित वैश्विक व्यापारिक मामलों की राहों को बाधित करना शुरू कर दिया है। निर्यातकों का कहना है कि हवाई मार्गों में बदलाव हो रहे हैं तथा लाल सागर और प्रमुख खाड़ी जलडमरूमध्यों के माध्यम से समुद्री व्यापार में अनिश्चितता बढ़ गई है। भारतीय निर्यात इकाइयों के शीर्ष मंच फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशंस (फियो) के अध्यक्ष राल्हन ने शनिवार को एक बयान में कहा कि यदि अंतर्राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स के मार्गों में परिवर्तन लंबे समय तक जारी रहता है, तो माल को केप ऑफ गुड होप (आशा अंतरीप) के रास्ते भेजना पड़ सकता है, जिससे यूरोप और अमेरिका के लिए माल पहुंचाने के समय में अनुमानित 15-20 दिन की वृद्धि होगी। इससे माल ढुलाई लागत में वृद्धि होगी और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर दबाव बढ़ेगा।

पश्चिम एशिया तनाव से एयर ट्रैफिक ठप, उड़ानें निलंबित, यूरोप-अमेरिका का सफर हुआ मुश्किल

एयर इंडिया ने रविवार के लिए यूरोप, अमेरिका और कनाडा की 28 प्रमुख उड़ानों को किया रद्द

नई दिल्ली/दुबई, एजेंसियां

पश्चिम एशिया में ईरान और इजरायल के बीच छिड़े भीषण सैन्य संघर्ष ने वैश्विक विमानन क्षेत्र को गहरे संकट में डाल दिया है। सुरक्षा जोखिमों और कई देशों के हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण भारतीय विमानन कंपनियों ने अपनी सेवाओं में आपातकालीन बदलाव किए हैं। एयर इंडिया ने रविवार, 1 मार्च 2026 को यूरोप, अमेरिका और कनाडा के लिए निर्धारित अपनी 28 प्रमुख उड़ानों को रद्द करने का बड़ा फैसला लिया है।

ईरानी हवाई क्षेत्र से एयर इंडिया का यू-टर्न : शनिवार को दिल्ली से तेल अवीव (इजराइल) के लिए रवाना हुई एयर इंडिया की फ्लाइट AI 139 को ईरानी हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने से ठीक पहले सुरक्षा कारणों से बीच रास्ते से ही वापस दिल्ली बुला लिया गया। एयर इंडिया ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि पश्चिम एशिया में लगातार बदलती स्थिति और यात्रियों व चालक दल की सुरक्षा के मद्देनजर उस क्षेत्र की सभी उड़ानें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दी गई हैं।

नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर टर्मिनल के बाहर इंतजार कर रहे यात्री। • एजेंसी

दुबई एयरपोर्ट पर फंसीं पीवी सिंधू ऑल इंग्लैंड ओपन पर संशय

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधू शनिवार को दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फंस गईं। सिंधू अगले मंगलवार से शुरू होने वाले प्रतिष्ठित ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए लंदन जा रही थीं, लेकिन मध्य पूर्व में अचानक बढ़े सैन्य तनाव के कारण उड़ान संचालन पूरी तरह निलंबित कर दिया गया।

सोशल मीडिया पर साझा किया वीडियो

सिंधू ने इंस्टाग्राम पर दुबई हवाई अड्डे का एक वीडियो साझा किया, जिसमें भारी भीड़ और अफरा-तफरी का माहौल दिख रहा है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, ₹अगली सूचना तक सभी उड़ानें निलंबित कर दी गई हैं। सिंधू के साथ उनके कोच और सहयोगी स्टाफ भी मौजूद हैं।

डीजीसीए का अलर्ट और यात्रियों को सलाह

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने सभी भारतीय ऑपरेटरों को 'हाई अलर्ट' पर रहने और केवल सुरक्षित कॉरिडोर का उपयोग करने के निर्देश दिए हैं। विमानन कंपनियां प्रभावित यात्रियों को पूर्ण रिफंड या बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के री-शेड्यूलिंग का विकल्प दे रही हैं। यात्रियों को सलाह दी है कि वे एयरपोर्ट निकलने से पहले आधिकारिक फ्लाइट स्टेटस पोर्टल पर अपडेट जरूर चेक कर लें।

रविवार को रद्द रहने वाली प्रमुख उड़ानें

- **लंदन :** दिल्ली-मुंबई से हीथ्रो और अमृतसर से गैटविक सेवाएं।
- **अमेरिका/कनाडा :** न्यूयॉर्क, नेवार्क, शिकागो और टोरंटो के लिए दिल्ली व मुंबई से चलने वाली उड़ानें।
- **यूरोप :** दिल्ली और मुंबई से फ्रैंकफर्ट तथा दिल्ली से पेरिस की सेवाएं।

(इन शहरों से भारत आने वाली वापसी की उड़ानें भी रद्द रहेंगी।)

इंडिगो की उड़ानें थमीं, वैकल्पिक मार्गों की चुनौती : देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने भी पश्चिम एशिया के तनावग्रस्त क्षेत्रों की अपनी सभी उड़ानें रोक दी हैं। ईरान, इराक और इजरायल के हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण खाड़ी देशों और यूरोप जाने वाली उड़ानों को अब लंबे वैकल्पिक रास्तों से भेजा जा रहा है। इस मार्ग परिवर्तन की वजह से उड़ान का समय 2 से 4 घंटे तक बढ़ गया है, जिससे परिचालन लागत में भी भारी वृद्धि हुई है।

6 देशों में भारतीयों को सावधान रहने की सलाह, निकासी शुरू

नई दिल्ली, अमृत विचार ब्यूरो/ एजेंसी

पश्चिम एशिया में ईरान और इजराइल के बीच छिड़े भीषण सैन्य संघर्ष ने लाखों भारतीयों की सुरक्षा पर संकट खड़ा कर दिया है। भारत सरकार ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ईरान, इजराइल, जॉर्डन, कतर, संयुक्त अरब अमीरात और फलस्तीन में रह रहे अपने नागरिकों के लिए अत्यधिक सावधानी बरतने की एडवाइजरी जारी की है।

- **ईरान-इजराइल में कड़ी सतर्कता के निर्देश :** तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने नागरिकों से अपील की है कि वे अनावश्यक आवाजाही से बचें और 'जहाँ तक संभव हो, घरों के अंदर ही रहें'। दूतावास ने स्पष्ट किया है कि नागरिक स्थानीय खबरों पर पैनी नजर रखें और दूतावास के अगले निर्देशों का इंतजार करें। वहीं, इजराइल में मौजूद भारतीयों को भी हर समय सतर्क रहने और तुरंत भारतीय दूतावास के पोर्टल पर पंजीकरण कराने की सलाह दी गई है।
- **निकासी अभियान : जॉर्डन और मिस्र बनेंगे रेस्क्यू रूट :** युद्धग्रस्त क्षेत्रों में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए भारत सरकार ने बड़े स्तर पर तैयारी शुरू कर दी है। ईरान में फंसे नागरिकों को जॉर्डन और मिस्र के रास्ते सुरक्षित बाहर निकाला जा रहा है। इजरायल में भी हवाई क्षेत्र बंद होने की स्थिति में सड़क मार्ग और वैकल्पिक बंदरगाहों के जरिए भारतीयों की निकासी की योजना बनाई गई है।
- **भारतीय नौसेना हाई अलर्ट पर :** सूत्रों के अनुसार, भारत सरकार ने अरब सागर और ओमान की खाड़ी में तैनात अपने युद्धपोतों को 'हाई अलर्ट' पर रखा है। यदि हवाई मार्ग पूरी तरह बंद होते हैं, तो जलमार्ग के जरिए भारतीयों को निकालने के लिए नौसेना का उपयोग किया जा सकता है।

महायुद्ध का अलर्ट

- **ईरान-इजराइल में फंसे भारतीयों को जॉर्डन-मिस्र के रास्ते निकालने की तैयारी दूतावास ने कहा- घरों के अंदर रहें**

कहां कितने भारतीय

देश	भारतीय नागरिकों की अनुमानित संख्या
संयुक्त अरब अमीरात (UAE)	36 लाख से 40 लाख
कतर	8.35 लाख
इजराइल	26,000 से 41,000
जॉर्डन	16,500 से 21,000
ईरान	4,000 से 10,000
फलस्तीन	20 से 30

हिब्रू विश्वविद्यालय बंद

इजरायल के प्रसिद्ध यरूशलम हिब्रू विश्वविद्यालय ने बिगड़ते हालात के मद्देनजर एक सप्ताह के लिए सभी शैक्षणिक और शोध गतिविधियों को रद्द कर दिया है। विश्वविद्यालय में लगभग 170-180 भारतीय छात्र हैं, जिनमें से अधिकांश शोधकर्ता (Researchers) हैं। इन छात्रों की सुरक्षा को लेकर दूतावास सीधे संपर्क में है और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट होने के निर्देश दिए गए हैं।

महिलाओं को सशक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा टीकाकरण

● प्रधानमंत्री मोदी ने की एचपीवी टीका अभियान की शुरुआत

जयपुर, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सर्वाइकल कैंसर के विरुद्ध राष्ट्रीय 'ह्यूमन पैपिलोमावायरस' (एचपीवी) टीकाकरण अभियान की शुरुआत शनिवार को राजस्थान के अजमेर से की। उन्होंने इस अभियान को देश की नारीशक्ति को सशक्त करने की दिशा में अहम कदम करार दिया।

इसके साथ ही मोदी ने राजस्थान के लिए 16,686 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले कार्यों एवं परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया। आधिकारिक बयान के अनुसार प्रधानमंत्री

ने कायड़ विश्रामस्थली में बने टीकाकरण स्थल से राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान की शुरुआत की। उन्होंने नौ से 14 वर्ष की पांच बालिकाओं को एचपीवी टीका लगाए जाने के बाद उनसे संवाद भी किया। बाद में जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, आज वीरांगनाओं की इस धरती से मुझे देशभर की बेटियों के लिए एक अहम अभियान शुरू करने का अवसर मिला है। अजमेर से एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू हुआ है। ये अभियान देश की नारीशक्ति को सशक्त बनाने की दिशा में अहम कदम है। प्रधानमंत्री ने राजस्थान की जिन परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया उसमें 8,554 करोड़ की 34 परियोजनाएं राज्य सरकार के विभिन्न विभागों से तथा करीब 8,132 करोड़ की नौ प्रमुख परियोजनाएं केन्द्र के राष्ट्रीय राजमार्ग और ऊर्जा विभाग की हैं।

आखिर क्यों बिगड़ी बात

अमेरिका और ईरान के संबंध कभी दोस्ती तो कभी दुश्मनी के चरम पर रहे हैं, लेकिन फरवरी 2026 की घटनाओं ने दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध के मुहाने पर लाकर खड़ा कर दिया है। 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के परमाणु ठिकानों पर किए गए सर्जिकल स्ट्राइक ने उस कूटनीतिक धागे को तोड़ दिया है, जिसे महीनों की मेहनत से मस्कट और जिनेवा में बुना गया था। यह विवाद महज दो देशों की रंजिश नहीं है, बल्कि वर्चस्व, सुरक्षा और परमाणु हथियारों की दौड़ का एक ऐसा जटिल ताना-बाना है जिसने पूरे पश्चिम एशिया को बारूद के ढेर पर बिठा दिया है। विवाद की गहराई को समझने के लिए हमें 2015 के परमाणु समझौते और फिर 2018 में डोनाल्ड ट्रंप द्वारा उससे हटने के फैसले को देखना होगा। ट्रंप का मानना था कि पिछला समझौता ईरान को बम बनाने से नहीं रोकता, बल्कि उसे केवल टालता है।

अमेरिका-ईरान वार्ता

ट्रंप की नाराजगी के कारण

● शून्य संवर्धन की मांग : अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप चाहते हैं कि ईरान को एक ग्राम यूरेनियम भी संवर्धित करने की अनुमति न मिले।

● स्थायी क्लॉज : ट्रंप पुराने समझौते के 'सनसेट क्लॉज' (जिसके तहत कुछ प्रतिबंध समय के साथ खत्म हो जाते) के सख्त खिलाफ हैं। वह एक स्थायी प्रतिबंध चाहते हैं।

● ईरान का आक्रामक रुख : बातचीत के दौरान भी हूती विद्रोहियों द्वारा लाल सागर में अमेरिकी जहाजों पर हमले जारी रहे, जिससे ट्रंप को लगा कि ईरान केवल बातचीत का नाटक कर रहा है।

विवाद की मुख्य वजह

● परमाणु बम का डर : अमेरिका को संदेह है कि ईरान फतवा (परमाणु हथियारों के खिलाफ धार्मिक आदेश) की आड़ में गुप्त रूप से परमाणु हथियार विकसित कर रहा है।

● मिसाइल प्रोग्राम : ईरान के पास मध्य-पूर्व में सबसे बड़ा बैलिस्टिक मिसाइल शस्त्रागार है। अमेरिका चाहता है कि परमाणु वार्ता में मिसाइलों को भी शामिल किया जाए, जिसे ईरान अपनी संप्रभुता का उल्लंघन मानता है।

● क्षेत्रीय विस्तारवाद : ईरान द्वारा हमास (गाजा), हिजबुल्ला (लेबनान) और हूतियों (यमन) को दिया जाने वाला समर्थन अमेरिका और उसके मित्र देशों (इजरायल, सऊदी अरब) के लिए बड़ा खतरा है।

● आर्थिक प्रतिबंध : अमेरिका ने ईरान की अर्थव्यवस्था की रीढ़ 'तेल निर्यात' पर कड़े प्रतिबंध लगा रखे हैं, जिसे ईरान 'आर्थिक आतंकवाद' कहता है।

वर्तमान स्थिति दिखाती है कि कूटनीति केवल औपचारिकता रह गई है। ईरान पीछे नहीं हटता और अमेरिका हमले जारी रखता है, तो दुनिया ऊर्जा संकट और क्षेत्रीय अस्थिरता की चपेट में आ जाएगी।

मस्कट से जिनेवा तक

● सहमति के बिंदु : ईरान इस बात पर राजी हो गया था कि वह 60% संवर्धित यूरेनियम के स्टॉक को फ्रीज कर देगा और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के निरीक्षकों को अधिक पहुँच प्रदान करेगा।

● टकराव के बिंदु : ईरान चाहता था कि अमेरिका पहले सभी प्रतिबंध हटाए और भविष्य में किसी भी राष्ट्रपति द्वारा समझौते से दोबारा न हटने की कानूनी गारंटी दे।

वर्ल्ड ब्रीफ

अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों में हो सकता है विलंब

तिरुवनंतपुरम। तिरुवनंतपुरम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे ने शनिवार को यात्रियों के लिए एक परामर्श जारी कर आगाह किया कि कुछ अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में देरी हो सकती है या उनके मार्ग में बदलाव किया जा सकता है। हवाई अड्डे ने कहा कि संभावित व्यवधान कई अंतर्राष्ट्रीय हवाई क्षेत्रों के अस्थायी रूप से बंद होने और प्रतिबंधों के कारण हैं। तिरुवनंतपुरम इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने परामर्श में कहा कि यात्रियों को हवाई अड्डे की यात्रा करने से पहले संबंधित एयरलाइनों के साथ उड़ान की नवीनतम स्थिति की जांच करने और उसी के अनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाने की सलाह दी गई है।

हूती विद्रोही जहाजों पर फिर शुरू करेंगे हमले

काहिरा। यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने ईरान के समर्थन में समुद्री मार्गों और इजराइल पर मिसाइल एवं ड्रोन हमले फिर से शुरू करने का फैसला किया है। हूती विद्रोहियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने यह बात नाम उजागर न करने की शर्त पर कही क्योंकि हूती नेतृत्व की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा कि विद्रोहियों का पहला हमला आज रात ही हो सकता है। ट्रंप प्रशासन के साथ हुए एक समझौते के तहत विद्रोहियों ने लाल सागर के समुद्री मार्ग पर अपने हमले रोक दिए थे।

सिएरा लियोन के 16 सैनिकों को किया रिहा

कोनाक्री (गिनी)। अफ्रीकी देश गिनी ने शुक्रवार को पड़ोसी देश सिएरा लियोन के उन 16 सैनिकों और पुलिस अधिकारियों को रिहा कर दिया जिन्हें इस सप्ताह की शुरुआत में सीमा विवाद में गिरफ्तार किया गया था। सिएरा लियोन के प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। सिएरा लियोन के सूचना मंत्रालय ने एक पोस्ट में कहा, गिनी के अधिकारियों द्वारा गिरफ्तार किए गए सभी सुरक्षा अधिकारियों को सिएरा लियोन को सौंप दिया गया है।

एएनटीएफ ने अफीम सहित युवक को पकड़ा

चित्तौड़गढ़। राजस्थान में चित्तौड़गढ़ में मादक पदार्थ निरोधी कार्यबल (एएनटीएफ) ने एक युवक को गिरफ्तार करके उससे करीब ढाई किलोग्राम अवैध अफीम बरामद की है। एएनटीएफ के आईजी विकास कुमार ने शनिवार को बताया कि चित्तौड़गढ़ चौकी ने शुक्रवार देर रात चंदेरिया रोलाहेड़ा मार्ग पर नाकेबंदी के दौरान एक मोटर साइकिल पर सवार युवक को रुकने का इशारा किया तो वह बाइक छोड़कर भागने लगा।

कम दृश्यता, रनवे में कमी से क्रैश हुआ था अजीत पवार का विमान

वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो ने जारी की बारामती विमान हादसे की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट

● हादसे में अजित पवार सहित पांच लोगों की चली गई थी जान

नई दिल्ली, एजेंसी

वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) ने बारामती में 28 जनवरी 2026 को हुई विमान दुर्घटना पर अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट शनिवार को जारी की, रिपोर्ट में दुर्घटना के समय दृश्यता न्यूनतम सीमा से कम होने और हवाई पट्टी तथा रनवे के रखरखाव में कमी की बात का खुलासा हुआ है। इस हादसे में महाराष्ट्र के तत्कालीन उपमुख्यमंत्री अजित पवार समेत विमान में सवार सभी पांच लोगों की मौत हो गई थी।

जांच में पता चला है कि विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से ठीक पहले पायलट ने कहा था - उफ, उफ। वीएसआर वेंचर्स का लीयरजेट 45 एक्सआर विमान (पंजीकरण संख्या वीटी-एसएसके) मुंबई से पवार को लेकर बारामती पहुंचा था। वहां उतरते समय रनवे 11 की बाईं तरफ विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था और उसमें आग लग गई थी। रिपोर्ट में बताया गया है कि बारामती हवाई पट्टी पर सिर्फ वीएफआर के तहत परिचालन की अनुमति है जिसके लिए न्यूनतम दृश्यता पांच किलोमीटर होनी चाहिए। पायलट और एटीसी के बीच हुए संचार से पता चलता है कि उस समय दृश्यता तीन किमी थी जिसके बारे में एटीसी ने पायलट को सूचना दी थी। उपग्रह से प्राप्त तस्वीरों के माध्यम से बताया गया है कि बारामती में हल्का कोहरा था। इसके अलावा हवाई पट्टी के रखरखाव और वहां मौजूद इंतजामों में खामियों का भी पता चला है। रिपोर्ट में बताया गया है कि रनवे की आखिरी बार री-कार्पेटिंग करीब 10 साल पहले मार्च 2016 में की गई थी। रनवे पर मौजूद मार्किंग धूमिल हो चुकी थी और सतह से छोटे-छोटे कंकड़ निकल आए थे।

विमान पायलट की आखिरी आवाज उफ, उफ

पहली बार में पायलट ने विमान को उतारने की बजाय एक और चक्कर लगाने का फैसला किया। दूसरे प्रयास में पायलट ने 8 .40 बजे रनवे 11 पर उतरने की अनुमति मांगी। लेकिन उतरते समय हादसा हो गया। एटीसी ने आठ बजकर 44 मिनट 13 सेकेंड पर विमान से आखिरी आवाज सुनी - उफ, उफ। हादसे की जांच अभी जारी है और अंतिम रिपोर्ट बाद में आयेगी। इस बीच एएआईबी ने कुछ अनुशंसाएं की हैं। इनमें कहा गया है कि डीजीसीए सभी वीएफआर उड़ानों के ऑपरेटरों से अनियंत्रित हवाई पट्टियों पर परिचालन के दौरान मानक परिचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का सख्ती से पालन करने की हिदायत दे। साथ ही इन हवाई पट्टियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश देने के लिए कहा गया है कि मौसम संबंधी मानदंडों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित करायें ।

दुर्घटना से जुड़ीं सभी रिपोर्ट एक साझा मंच पर सार्वजनिक की जाएं : मंत्री

मुंबई। महाराष्ट्र की मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की नेता अदिति तटकरे ने शनिवार को मांग की कि विमान दुर्घटना से संबंधित सभी रिपोर्ट और निष्कर्षों को संकलित कर किसी साझा मंच पर उपलब्ध कराए जाए, ताकि आम लोग इसे देख सकें। इस हादसे में उपमुख्यमंत्री अजित पवार की मौत हो गई थी। वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) ने पुणे जिले के बारामती में ठीक एक महीने पहले हुए उस विमान हादसे की प्रारंभिक रिपोर्ट शनिवार को जारी की, जिसमें पवार और चार अन्य लोगों की जान चली गई थी। जांच एजेंसी ने 22 पन्नों की अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा कि विमान हादसे के सभी पहलुओं की जांच की जाएगी, ताकि तथ्यों, मूल कारणों और इससे जुड़े कारकों का पता लगाया जा सके। तटकरे ने पत्रकारों से कहा कि चूंकि विमान दुर्घटना की जांच में कई एजेंसी शामिल हैं, इसलिए बेहतर होगा कि सभी रिपोर्ट और निष्कर्षों को एक ही स्थान पर या एक ही मंच पर साझा किया जाए, ताकि आम लोग उन्हें समझ सकें।

शांति बहाली में सहयोग करे सरकार: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमले की निंदा करते हुए शनिवार को कहा कि वह पश्चिम एशिया में सैन्य संघर्ष खत्म कराने में मदद करे और क्षेत्र में रहने वाले सभी भारतीय नागरिकों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करे। मुख्य विपक्षी दल ने यह सवाल भी किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने इजराइल दौर का उपयोग तनाव कम करने के लिए क्यों नहीं किया या फिर वह इस युद्ध का समर्थन करते हैं? अमेरिका और इजराइल ने शनिवार को ईरान के कई शहरों में हवाई हमले किए। ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए पश्चिम एशिया में अमेरिका और इजराइल से जुड़े कई सामरिक स्थलों को निशाना बनाया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच तेजी से बढ़ती शत्रुता बेहद चिंताजनक है। पूरे पश्चिम एशिया में प्रत्येक भारतीय नागरिक की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा, मैं भारत सरकार से हमारे लोगों की सुरक्षा के लिए तत्काल और सक्रिय कदम उठाने का आग्रह करता हूं। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, हम पूरे पश्चिम एशिया में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के बारे में चिंतित हैं।

अफगान बलों ने गिराया पाकिस्तानी जंगी विमान

● पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के दावे को मनगढ़ंत-झूठा बताया

काबुल/इस्लामाबाद, एजेंसी

अफगानिस्तान के सुरक्षा बलों ने शनिवार को पूर्वी नंगरहार प्रांत में एक पाकिस्तानी लड़ाकू विमान को मार गिराया और पायलट को हिरासत में ले लिया। स्थानीय मीडिया में रक्षा मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी। तुलु न्यूज़ के अनुसार, अफगान बलों ने पायलट को हिरासत में ले लिया है।

पाकिस्तान के सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने शनिवार को अफ़गान मीडिया के उस दावे को खारिज कर दिया जिसमें उसने नंगरहार प्रांत में एक पाकिस्तानी लड़ाकू विमान को मार गिराने और उसके पायलट को जिंदा पकड़ने का दावा किया था। इस बीच, समाचार एजेंसी खामा प्रेस ने नंगरहार पुलिस कमान के प्रवक्ता सैयद तैयब हम्माद के हवाले से कहा कि नंगरहार हवाई अड्डे पर वायु रक्षा प्रणाली के चालू होने के तुरंत बाद लडाकू विमान को मार गिराया गया। उन्होंने इस घटना को एक बड़ी कामयाबी बताया। उल्लेखनीय है कि तालिबान के प्रवक्ता ज़बीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा था कि पाकिस्तान के हमलों में कई अफगानों की जान जा चुकी है, जबकि अफगानिस्तान आत्म रक्षा में सैन्य कार्रवाई कर रहा है। पाकिस्तान ने सैन्य विमान गिराने को झूठा और मनगढ़ंत वाकया बताया। सूचना मंत्रालय ने इस आरोप को पूरी तरह से नकारते हुए कहा कि पाकिस्तान सैन्य बलों का कोई भी लड़ाकू विमान नहीं गिराया गया है और कोई भी पायलट लापता या पकड़ा नहीं गया है। बयान में कहा गया, पाकिस्तान सैन्य बलों ने किसी भी पाकिस्तानी लड़ाकू विमान के नुकसान की कोई रिपोर्ट नहीं दी है। मंत्रालय ने कहा कि आरोप को साबित करने के लिए क्रैश का मलबा, मलबा या पकड़े गए पायलट का कोई भी विज़ुअल सबूत पेश नहीं किया गया है।

संरा प्रमुख ने हिंसा पर जताई चिंता

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच हिंसा बढ़ने पर चिंता व्यक्त की और दोनों देशों से शत्रुता को तत्काल समाप्त करने का आह्वान किया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने शुक्रवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र प्रमुख अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच हिंसा बढ़ने और नागरिक आबादी पर इसके प्रभाव को लेकर बेहद चिंतित हैं। उन्होंने शत्रुता को तत्काल समाप्त करने का आह्वान किया।

एसआईआर के बाद बंगाल में 7.04 करोड़ से अधिक वोटर

● राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने दी जानकारी

कोलकाता, एजेंसी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने शनिवार को बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान हटाए गए और जोड़े गए नामों के बाद पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची में मतदाताओं की संख्या 7.04 करोड़ से अधिक है।

अग्रवाल ने पत्रकारों को बताया कि मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया के परिणामस्वरूप फॉर्म-7 के माध्यम से 5.46 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम हटाए गए और फॉर्म-6 एवं फॉर्म-6ए के माध्यम से 1.82 लाख से अधिक मतदाताओं का नाम शामिल किया गया। उन्होंने कहा कि पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान 58 लाख से अधिक गणना प्रपत्र प्राप्त नहीं हुए, जिनमें मृत, स्थानांतरित और दोहराव वाले मतदाताओं के मामले शामिल हैं। अग्रवाल ने यह भी कहा कि 60 लाख से अधिक मतदाता अभी भी विचाराधीन श्रेणी में हैं, लेकिन उन्हें एसआईआर के बाद की मतदाता सूची में शामिल कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि यह संशोधन प्रक्रिया निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार की गई है। वहीं, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्वाचन क्षेत्र भवानीपुर में नए सिरे से राजनीतिक हलचल पैदा कर दी, जहां 47,000 से अधिक नाम हटाए गए हैं और 14,000 से अधिक नामों को विचाराधीन श्रेणी में रखा गया।

बोलीविया में विमान क्रैश, 15 लोगों की मौत

ला पाज। बोलीविया की राजधानी के पास नकदी ले जा रहा एक मालवाहक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिससे राजमार्ग पर लगभग एक दर्जन वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। बोलीविया की वायु सेना से संबंधित हरक्यूलिस विमान देश के 'सेंट्रल बैंक' से अन्य शहरों में नए नोट पहुंचाने जा रहा था। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर जमीन पर बड़ी संख्या में नोट बिखरे हुए थे। दमकल विभाग के प्रमुख पावेल टोवर ने यह स्पष्ट नहीं किया कि घटना में मारे गए लोग विमान में थे या ला पाज हवाई अड्डे के पास राजमार्ग पर खड़ी कारों में सवार थे। उन्होंने बताया कि कुछ लोग घायल भी हुए हैं।

पंजाब में आतंकी गिरोह का भंडाफोड़, आईईडी बरामद

● खुफिया जानकारी पर पुलिस ने दो लोगों को किया गिरफ्तार

चंडीगढ़, एजेंसी

पंजाब पुलिस ने शनिवार को कहा कि उसने विदेश स्थित एक आतंकी गिरोह का भंडाफोड़ करके दो लोगों को गिरफ्तार करने के साथ आरडीएक्स से भरा और पूरी तरह से तैयार एक परिष्कृत विस्फोटक उपकरण (आईईडी) बरामद किया है। इसके साथ ही पुलिस ने एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम करने का दावा किया है।

पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि एसएएस नगर पुलिस की राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ (एसएसओसी) ने खुफिया जानकारी के आधार पर एक अभियान चलाया और एक विदेशी आतंकी गिरोह का भंडाफोड़ किया। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान लगभग 2.5 किलोग्राम वजन का एक पूरी तरह से तैयार किया गया आरडीएक्स से भरा आईईडी, जिसमें दोहरे विस्फोट तंत्र (रिमोट और टाइमर) लगे थे, एक ग्लॉक पिस्तौल और गोला-बारूद बरामद किया गया। डीजीपी ने बताया कि विदेशी एजेंटों के निर्देशों पर काम कर रहे दो आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि लक्षित लक्ष्य के संबंध में आगे के निर्देशों के लिए उन्होंने आईईडी को एसबीएस नगर बाईपास के पास छिपा दिया था। यादव ने कहा कि उपकरण पूरी तरह उपयोग के लिए तैयार था।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष आज पहले की गई मेहनत सुखद परिणाम दे सकती है। व्यापार में नई योजना बना सकते हैं। प्रेम संबंधों में थोड़ी परेशानी रहेगी।

तुला आज समय का बेहतरीन सदुपयोग कर पाएंगे। प्रेम-प्रसंग में नजदीकियां बढ़ेंगी। बच्चों के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

वृष आज आपका दिन बहुत ही शुभ रहने वाला है। सरकारी कार्यों से लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र के लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त कर लेंगे।

वृश्चिक आज उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे। आपमें सकारात्मक ऊर्जा की अधिकता रहेगी। अपने लक्ष्य पर पूरा फोकस बनाए रखें।

मिथुन आज नौकरी को बदलने का विचार बना सकते हैं। धर्म के प्रति मन में आस्था कम हो सकती है। आपके व्यवहार की प्रशंसा होगी।

धनु आज आवश्यक कार्यों को दोपहर से पहले पूर्ण कर लें। संपत्ति के क्रय-विक्रय से धन लाभ होगा। वैवाहिक संबंधों का तनाव दूर होगा।

कर्क आज रुके निर्माण कार्यों को दोबारा शुरू कर सकते हैं। फालतू में अपना समय बर्बाद न करें। अधिकारियों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें।

मकर आज परोपकार के कार्यों में मन लगाएंगे। विद्यार्थी पढ़ाई में शानदार प्रदर्शन करेंगे। जीवनसाथी आपका काफी ध्यान रखेगा।

सिंह आज अजनबी लोगों से दोस्ती करने से बचें। आपकी दिनचर्या अच्छी नहीं रहेगी। व्यवसाय में धन का नुकसान होगा।

कुंभ आज किसी समारोह में सम्मिलित होने का विचार बनाएंगे। आपको नए अनुभवों के लिए तैयार रहना चाहिए। त्वरित प्रतिक्रिया देने से बचें।

कन्या आज आपको जिम्मेदार व्यक्तियों का मार्गदर्शन मिलेगा। दोपहर बाद शुभ समाचार मिलेंगे। अपना मनोबल व आत्मविश्वास बनाए रखें।

मीन आज किसी से करियर को लेकर सलाह लेना उचित रहेगा। सभी कार्यों को समय से पूर्ण कर लेंगे। प्रेमी के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

शिक्षक भर्ती घोटाला: कोर्ट ने बंगाल सरकार को फटकारा

● विद्यालय सेवा आयोग के पूर्व सलाहकार सिन्हा को दी बेल

कोलकाता, एजेंसी

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने अभियोजन की मंजूरी देने में लंबे समय तक देरी करने के लिए पश्चिम बंगाल सरकार की आलोचना करते हुए स्कूल शिक्षक भर्ती घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में विद्यालय सेवा आयोग के पूर्व सलाहकार एस पी सिन्हा को जमानत दे दी है।

न्यायमूर्ति जय सेनगुप्ता ने शुक्रवार को सशर्त जमानत देते हुए सिन्हा को एक लाख रुपये के मुचलके के साथ इतनी ही राशि के दो जमानतदार पेश करने और विशेष पीएमएलए अदालत के समक्ष अपना पासपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। अदालत ने सरकारी सहायक शिक्षक का पद दिलाने का वादा करके विद्यालयों में नौकरी के इच्छुक अभ्यर्थियों से बड़ी रकम वसूले जाने का उल्लेख करते हुए कहा, ये आरोप शायद चिटफंड संचालकों द्वारा किए गए अपराधों से भी कहीं अधिक जघन्य हैं। जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने कहा कि अदालत अभियोजन की स्वीकृति से जुड़े आंतरिक रूप से संबद्ध मुद्दे का उल्लेख किए बिना नहीं रह सकती। अदालत ने कहा, न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध होगा यदि सभी आरोपियों को लंबी हिरासत के कारण धीरे-धीरे जमानत मिल जाए, लेकिन राज्य द्वारा मंजूरी नहीं मिलने के कारण मुकदमा रुक जाए।

डीयू दीक्षांत समारोह | उपराष्ट्रपति ने कहा-अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा दें विश्वविद्यालय

भारत के विकास में स्नातकों की भूमिका अहम

● वैश्विक रैंकिंग पाने के लिए ऊंचा लक्ष्य रखना जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने स्नातकों को 'विकसित भारत' के सपने का वास्तुकार बताते हुए शनिवार को कहा कि विश्वविद्यालयों को ऐसे अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना चाहिए, जो भारतीय परिस्थितियों से जुड़े हों और साथ ही वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी भी हों। वह यहां दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के 102वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे।

इस दौरान उन्होंने उच्च शिक्षा में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी

का उल्लेख करते हुए कहा कि इस वर्ष 70 प्रतिशत से अधिक स्वर्ण पदक विजेता महिलाएं हैं। समारोह में 1.2 लाख से अधिक छात्रों को डिग्रियां प्रदान की गईं। कार्यक्रम में राधाकृष्णन मुख्य अतिथि थे, जबकि समारोह की अध्यक्षता डीयू के कुलपति योगेश सिंह ने की। राधाकृष्णन ने कहा कि डीयू की शुरुआत तीन कॉलेज, दो संकाय और आठ विभागों से हुई थी। उन्होंने कहा कि आज विश्वविद्यालय 16 संकायों, 86 विभागों, 90 कॉलेजों, 20 हॉल और छात्रावासों, 30 से अधिक केंद्रों व संस्थानों, 34 पुस्तकालयों और छह लाख से अधिक छात्रों के साथ एक विशाल संस्थान बन चुका है। इस उपलब्धि का श्रेय शिक्षकों, प्रशासकों और छात्रों के सामूहिक प्रयासों का है। विवि में प्रवेश के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि कुलपति योगेश सिंह ने उन्हें बताया कि सीट बिना देरी के भर जाती है और कट-ऑफ 98 प्रतिशत तक पहुंच जाती है। कहा कि डीयू देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में है, फिर भी वैश्विक रैंकिंग में ऊंचा स्थान पाने को ऊंचा लक्ष्य रखना चाहिए।

डिग्रियां प्रमाणपत्र ही नहीं राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता

कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जलवायु चुनौतियों और लोकतंत्र पर बढ़ते दबावों के दौर में उन्होंने कहा कि आपकी डिग्री केवल प्रमाण पत्र नहीं बल्कि मानवता और राष्ट्र के प्रति एक प्रतिबद्धता है। उन्होंने छात्रों से आजीवन सीखने की भावना बनाए रखने, नशीले पदार्थों से दूर रहने और अपनी उपलब्धियों से परिवार, विश्वविद्यालय और देश का नाम रोशन करने का आग्रह किया। कहा कि 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में स्नातक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। विश्वविद्यालयों को अनुसंधान, उद्यमिता और नवाचार को बढ़ावा देना चाहिए।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

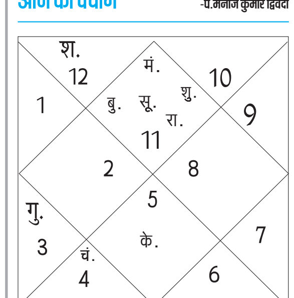

आज की ग्रह स्थिति : 1 मार्च, रविवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- फाल्गुन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी 19 .09 तक तत्पश्चात चतुर्दशी।

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- पुष्य 20 .34 तक तत्पश्चात अश्लेषा।

सुडोकू - 75 का हल

2	7	1	8	6	9	4	5	3
4	8	9	2	5	3	7	1	6
5	6	3	4	1	7	9	8	2
9	2	6	5	3	4	1	7	8
7	5	4	1	8	2	6	3	9
1	3	8	9	7	6	2	4	5
6	9	7	3	4	8	5	2	1
3	1	2	7	9	5	8	6	4
8	4	5	6	2	1	3	9	7

सुडोकू -76

	1	7					2	
	3	6			5	8		
9			7		2			6
		4						
	5	1				7	9	
			1			2		8
5			3		7			1
		8				6	5	
	6					3	4	

“कश्मीरी ‘विलो’ (बल्ला) कई चैंपियनों की किट का हिस्सा रही है। जम्मू-कश्मीर का चैंपियनों को सक्षम बनाने से लेकर खुद चैंपियन बनने तक का सफर देखना बेहद खूबसूरत है। यह सत्र निरंतरता, जुझारूपन और उत्कृष्ट प्रदर्शन पर आधारित था।

–सचिन तेंदुलकर

सुपर-8 में आज

टीम	समय
जिम्बाब्वे-द. अफ्रीका	दोपहर 3 बजे
भारत-वेस्टइंडीज	शाम 7 बजे

हाईलाइट

अपने अभियान का सकारात्मक अंत चाहेगा जिम्बाब्वे

नई दिल्ली। सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो जाने के बावजूद जोश से भरी जिम्बाब्वे की टीम को अगर टी20 विश्व कप में अपने अभियान का शानदार अंत करना है तो उसे बेहतरीन फॉर्म में चल रहे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले सुपर आठ के मैच में अपनी गेंदबाजी की कमजोरियों को दूर करना होगा। जिम्बाब्वे ने लीग चरण में अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहकर सुपर आठ में जगह बनाई थी लेकिन इस चरण में उसे वेस्टइंडीज और भारत के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद सिकंदर रजा की अगुवाई वाली यह टीम दक्षिण अफ्रीका को कड़ी टक्कर देने के लिए प्रतिबद्ध होगी। आईसीसी के इस टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका को हराना मुश्किल है और अगर जिम्बाब्वे को उसे चुनौती देनी है तो उसके गेंदबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा जिन्होंने वेस्टइंडीज और भारत के खिलाफ पिछले दो मैच में 250 से अधिक रन लुटाए।

वरुण अब भी टी-20 के नंबर गेंदबाज हैं: डारेन सैमी

कोलकाता। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डारेन सैमी ने रविवार को यहां ईडन गार्डन्स में टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ अपने ‘वर्चुअल क्वार्टरफाइनल’ से पहले कहा कि पिछले दो मैच में रन लुटाने के बावजूद वरुण चक्रवर्ती टी20 क्रिकेट में दुनिया के नंबर एक गेंदबाज बने हुए हैं। चक्रवर्ती ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने चार ओवर में 47 रन दिए। भारत के पिछले सुपर आठ मैच में जिम्बाब्वे जैसी कमजोर टीम के खिलाफ भी उन्हें संघर्ष करना पड़ा। लेकिन सैमी ने साफ किया कि कुछ खराब प्रदर्शन से चक्रवर्ती का नंबर एक गेंदबाज होने का रुतबा कम नहीं होता। सैमी ने शनिवार को मैच से पहले मीडिया से बातचीत में कहा पिछली बार जब मैंने देखा था तो मुझे लगता है कि वह टी20 क्रिकेट में नंबर एक गेंदबाज थे। हम हर प्रतिद्वंद्वी टीम का सम्मान करते हैं।

पीवी सिंधू दुबई में फंसी, उड़ानों का संचालन निलंबित

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू शनिवार को प्रतिष्ठित ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के लिए जाते समय दुबई हवाईअड्डे पर फंस गईं क्योंकि मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण उड़ान संचालन निलंबित कर दिया गया। यह टूर्नामेंट अगले मंगलवार से शुरू होना है। सिंधू ने इंस्टाग्राम पर एक भीड़भाड़ वाले हवाईअड्डे का वीडियो साझा करते हुए लिखा सभी उड़ानें अगली सूचना तक निलंबित। शनिवार को अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर बड़ा सैन्य अभियान शुरू किया। इन सैन्य हमलों के कारण खाड़ी क्षेत्र में हवाई क्षेत्र बंद कर दिया गया जिससे कई उड़ानें प्रभावित हुईं। दुबई हवाईअड्डे ने भी मिसाइल हमलों के बाद हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण अनिश्चितकाल के लिए सभी परिचालन निलंबित कर दिए हैं।

जो जीतेगा, वही खेलेगा सेमीफाइनल

वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत का मुकाबला आज, गेंदबाजी में करना होगा बेहतर प्रदर्शन

टी-20 विश्व कप

कोलकाता, एजेंसी

भारतीय बल्लेबाज अब अपने पुराने रंग में दिख रहे हैं, लेकिन गेंदबाज अब भी प्रभावशाली प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। ऐसी परिस्थितियों में वेस्टइंडीज के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले टी-20 विश्व कप के क्वार्टर फाइनल जैसे सुपर आठ के मैच में उसे इस विभाग में अपना बेहतर प्रदर्शन करना होगा। वेस्टइंडीज की दक्षिण अफ्रीका से हार और भारत की जिम्बाब्वे पर जीत ने ग्रुप एक के सुपर आठ के इस मैच को दोनों टीम के लिए करो या मरो जैसा बना दिया है। इसलिए अब दोनों टीम कोई कसर नहीं छोड़ेंगी और ऐसे में ईडन गार्डन्स में एक रोमांचक मुकाबला देखने को मिल सकता है।

इस मैच के विजेता को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मार्च को दूसरे सेमीफाइनल में खेलने का मौका मिलेगा। जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत ने बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया। उसके बल्लेबाज सही समय पर लय में लौट आए हैं और अब गेंदबाजों की बारी है। पिछले मैच में शीर्ष क्रम में वापसी करने वाले संजू सैमसन सहित चोटी के सभी छह बल्लेबाजों ने उपयोगी योगदान दिया। संजू ने केवल 24 रन बनाए, लेकिन उन्होंने शुरू में ही रन गति तेज कर दी जिसका बाकी बल्लेबाजों पर सकारात्मक असर पड़ा। उनके आक्रामक रवैये ने अभिषेक शर्मा के हौसले को बुलंद किया, जिनका इस टूर्नामेंट में पिछला सर्वश्रेष्ठ स्कोर 15 था, जो उन्होंने लगातार तीन मैचों में शून्य पर आउट होने के बाद बनाया था। अभिषेक ने अर्धशतक लगाकर शानदार वापसी की तो तिलक वर्मा ने नंबर छह की अपनी नई भूमिका में नए इरादे के साथ बल्लेबाजी करते हुए 16 गेंदों में 44 रन बनाए। भारत ने चार विकेट पर 256 रन बनाए जो इस टी20 विश्व कप का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वे बिना किसी चिंता के ईडन गार्डन्स पहुंचे हैं। जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या ने भी शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन स्पिन गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती अपने पुराने फॉर्म में नहीं नजर आ रहे हैं। यह रहस्यमयी स्पिनर अपनी लेंथ को सही ढंग से नियंत्रित करने में विफल रहा है और ऐसा लगता है कि वह बहुत ज्यादा प्रयोग कर रहे हैं। चक्रवर्ती के नहीं चल पाने के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत को नुकसान हुआ। चक्रवर्ती ने उस मैच में चार ओवर में 47 रन लुटा दिए थे। वरुण ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ज्यादातर शॉर्ट पिच गेंदें की और जब उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ फुल लेंथ गेंद करने की कोशिश की तब भी उन्हें खास सफलता नहीं मिली। इस मैच में अनुभवी सिकंदर रजा ने उन्हें निशाने पर रखा। वरुण ने इस मैच में चार ओवरों में 35 रन दिए। यह देखना बाकी है कि टीम प्रबंधन चक्रवर्ती को अंतिम एकादश में बनाए रखता है या बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को टीम में शामिल करता है। कुलदीप ने वर्तमान टूर्नामेंट में अभी तक केवल एक मैच खेला है।

अभ्यास सत्र के दौरान पिच का निरीक्षण करते वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप (दाएं)। एजेंसी

टीम

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, संजू सैमसन, शिवम दुबे, इशान किशन, हार्दिक पंड्या, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रिंकू सिंह।

वेस्टइंडीज: शाई होप (कप्तान), जॉनसन चार्ल्स, शिमरोन हेटमायर, ब्रैंडन किंग, रोवमैन पॉवेल, शेरफेन रदरफोर्ड, क्वेंटिन सैम्पसन, रोस्टन चेस, जेसन होल्डर, रोमारियो शेफर्ड, मैथ्यू फोर्ड, अकील हुसैन, शमर जोसेफ, गुडाकेश मोती और जेडन सील्स।

कुलदीप यादव। एजेंसी

सुपर-8 ग्रुप 1

टीम	मैच	जीत	हार	रद	अंक	रनरेट
1. साउथ अफ्रीका	2	2	0	0	4	2.890
2. वेस्टइंडीज़	2	1	1	0	2	1.791
3. भारत	2	1	1	0	2	-0.100
4. ज़िम्बाब्वे	2	0	2	0	0	-4.475

सुपर-8 ग्रुप 2

टीम	मैच	जीत	हार	रद	अंक	रनरेट
1. इंग्लैंड	3	3	0	0	6	1.096
2. न्यूज़ीलैंड	3	1	1	1	3	1.390
3. पाकिस्तान	3	1	1	1	3	-0.123
4. श्रीलंका	3	0	3	0	0	-1.950

तिलक वर्मा छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आदर्श दिख रहे: सहायक कोच रेयान डोएशे

कोलकाता। भारत के सहायक कोच रेयान टेन डोएशे का मानना है कि तिलक वर्मा छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए आदर्श हैं जिससे मेजबान टीम को पारी के आखिर में जरूरी आक्रामकता मिलेगी। लेकिन रविवार को यहां टी20 विश्व कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ ‘वर्चुअल क्वार्टर-फाइनल में ऐसा जरूरी नहीं है। टूर्नामेंट के पहले पांच मैच में खराब प्रदर्शन के बाद टीम ने मुंबई इंडियंस के इस स्टाइलिश बल्लेबाज को जिम्बाब्वे के खिलाफ छठे नंबर पर भेजने का फैसला किया। उन्होंने अपनी नयी भूमिका में 16 गेंदों में 44 रन बनाए जिसमें चार छक्के और तीन चौके शामिल थे और उनका स्ट्राइक-रेट 275 का था। डोएशे ने कहा नहीं, यह पहले से तय नहीं है कि वह कल पांचवें या छठे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। मुझे लगा कि उस रात वह छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाला बल्लेबाज दिख रहा था। वह ऐसे लग रहा था कि वह सच में सहज है।

भारतीय महिला टीम को दूर करनी होगी बल्लेबाजी की कमजोरी

होबार्ट, एजेंसी

- ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरा व अंतिम वनडे आज
- दो मुकाबले हारकर भारत पहले ही गवां चुका है सीरीज

पहले दो मैचों में बुरी तरह हारने के बाद बैकफुट पर खड़ी मौजूदा विश्व चैंपियन भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अगर जीत हासिल करके अपनी प्रतिष्ठा कुछ हद तक बचानी है तो उसको अपनी बल्लेबाजी की कमजोरियों को दूर करना होगा।

भारतीय टीम पहले दोनों मैच में चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाने में नाकाम रही और ऑस्ट्रेलिया ने बिना किसी परेशानी के लक्ष्य हासिल करके श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त बनाई। यह लगातार 12वां अवसर है जबकि भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया से वनडे श्रृंखला गंवाई। असल में भारत अभी तक अपने इस प्रतिद्वंदी से द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला नहीं जीत पाया है।

पहले मैच में भारत ने पावरप्ले के अंदर ही तीन विकेट गंवा दिए थे और फिर वापसी नहीं कर पाया। भारतीय टीम ने दूसरे वनडे में पहले विकेट के लिए 78 रन की साझेदारी करके अच्छी शुरुआत की थी, लेकिन मध्य और निचले क्रम के बल्लेबाज इसका फायदा उठाने में नाकाम रहे। भारत ने 17वें और 31वें ओवर के बीच सिर्फ 52 रन पर पांच विकेट गंवा दिए। यह एक ऐसा क्षेत्र है जिस पर उन्हें ध्यान देने की जरूरत है।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर।

पहले वनडे में भारत 214 रन पर आउट हो गया और दूसरे वनडे में नौ विकेट पर 251 रन ही बना पाया। ऑस्ट्रेलिया ने इन दोनों मैच में आसानी से लक्ष्य हासिल किया। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम को अगर क्लीन स्वीप से बचना है तो उसके बल्लेबाजों को अपने खेल में आमूलचूल सुधार करना होगा। युवा सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल ने पहले मैच में शून्य पर आउट होने के बाद शानदार वापसी करते हुए अर्धशतक बनाया, वहीं स्मृति मंधाना ने दोनों मैचों में क्रमशः 31 और 58 रन बनाए। हरमनप्रीत ने भी दो अर्धशतक जड़े। लेकिन जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा जैसी सीनियर बल्लेबाज अभी तक कोई खास योगदान नहीं दे पाए हैं जिससे टीम को नुकसान पहुंचा है।

पाकिस्तान टी-20 विश्व कप से बाहर

पल्लेकल, एजेंसी

- श्रीलंका पर जीत के बावजूद वांछित नेट रन रेट नहीं पा सका
- साहिबजादा का शतक और फखर जमां की पारियां गईं बेकार

कप्तान दासुन शनाका (नाबाद 76) की शानदार पारी श्रीलंका को पांच रन की करीबी हार से नहीं बचा सकी लेकिन पाकिस्तान को शनिवार को यहां टी20 विश्व कप से बाहर कर दिया जिससे न्यूजीलैंड ग्रुप दो से शीर्ष पर काबिज इंग्लैंड के साथ सेमीफाइनल में पहुंच गया।

श्रीलंका को लक्ष्य का पीछा करते हुए आखिरी ओवर में 24 रन चाहिए थे। श्रीलंकाई कप्तान शनाका ने शाहीन शाह अफरीदी (48 रन देकर एक विकेट) की गेंद पर लगातार तीन छक्के और एक चौका मारे जिससे आखिरी गेंद पर छह रन की जरूरत थी। लेकिन शनाका ने आखिरी गेंद को यह सोचकर छोड़ दिया कि इसे वाइड कहा जाएगा जिसे मैदानी अंपायर ने वाइड करार नहीं दिया। शनाका ने 31 गेंद की नाबाद पारी में आठ छक्के और दो चौके लगाए पर अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। उनके अलावा पवन रत्नायके ने 58 रन की अर्धशतकीय पारी खेलीं। इससे श्रीलंका ने पाकिस्तान के आठ विकेट पर 212 रन के स्कोर के जवाब में सात विकेट पर 206 रन बनाए।

शॉट लगाते श्रीलंका के कप्तान दासुन शानका। एजेंसी

पाकिस्तान को अंतिम चार में जगह बनाने के लिए न्यूजीलैंड (1.390) को नेट रन रेट से पीछे छोड़ने के लिए श्रीलंका को 147 रन के अंदर समेटना था। सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान (100) और फखर जमां (84 रन) के बीच टी20 विश्व कप इतिहास में किसी भी विकेट के लिए 176 रन की रिकॉर्ड साझेदारी से पाकिस्तान ने आठ विकेट पर 212 रन का विशाल स्कोर बनाया। 16वें ओवर में पाकिस्तान ने बिना विकेट गंवाए 176 रन बना लिए थे लेकिन टीम ने आखिरी चार ओवर में 36 रन पर आठ विकेट गंवा दिए। पाकिस्तान अगले दौर में पहुंचने के लिए श्रीलंका को कम से कम 64 रन या उससे ज्यादा रन से जीत दर्ज करनी थी ताकि वह न्यूजीलैंड से बेहतर रहे। लेकिन अबरार अहमद के चार ओवर में 23 रन देकर तीन विकेट के शानदार स्पैल के अलावा कोई अन्य गेंदबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सका। इंग्लैंड सुपर आठ के अपने तीनों मैच जीतकर ग्रुप दो में शीर्ष पर रहा जबकि न्यूजीलैंड ने दूसरी टीम के तौर पर सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया। हालांकि यह पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज फरहान के लिए निराशाजनक समापन रहा जिन्होंने टी20 विश्व कप के एक चरण में सबसे ज्यादा रन (319) बनाने का भारतीय सुपरस्टार विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा। उन्होंने सात मैच में 76.60 के औसत और 160.25 के स्ट्राइक रेट से कुल 383 रन बनाए जिसमें दो शतक और दो अर्धशतक हैं।

कामयाबी

फाइनल के पहले ही प्रवेश में जीती रणजी ट्रॉफी, 67 साल का लंबा इंतजार खत्म, आठ बार के पूर्व चैंपियन कर्नाटक को हराया

जम्मू-कश्मीर ने 10 दिनों में दूसरी बार रचा इतिहास

खेल डेस्क

अमृत विचार। जम्मू-कश्मीर ने युवा खिलाड़ियों के दृढ़प्रतिज्ञ प्रदर्शन से 10 दिनों के भीतर दूसरी बार इतिहास रचा और राष्ट्रीय क्रिकेट की श्रेष्ठता की प्रतीक रणजी ट्रॉफी प्रतियोगिता में फाइनल के पहले ही प्रयास में आठ बार के पूर्व चैम्पियन कर्नाटक को उसके घर में हराकर ऐतिहासिक खिताबी जीत भी हासिल कर ली।

पूर्व चैम्पियन कर्नाटक पहली पारी की लीड के आधार पर परास्त : गत 18 फरवरी की ही बात है, जब कल्याणी स्थित बंगाल क्रिकेट अकादमी ग्राउंड पर जम्मू-कश्मीर ने इतिहास रचते हुए दूसरे सेमीफाइनल के चौथे दिन मेजबान पश्चिम बंगाल को छह विकेट से हराकर रणजी ट्रॉफी में अपने पदार्पण के बाद 67 वर्षों में पहली बार फाइनल का सफर तय किया था। पारस डोगरा की अगुआई वाली मेहमान टीम ने यहां केएससीए हुबली क्रिकेट ग्राउंड पर भी अपना वही जोश व जज्बा कायम रखा और शनिवार को ड्रॉ छूटे मैच में पहली पारी की बढ़त के आधार पर चैम्पियन का श्रेय अर्जित कर लिया।

कर्नाटक के हुबली में ट्रॉफी के साथ जश्न मनाते जम्मू-कश्मीर टीम के खिलाड़ी। एजेंसी

डोगरा एंड कम्पनी ने पूरे पांच दिनों तक अपना दबदबा बनाए रखा : दरअसल, डोगरा एंड कम्पनी ने पूरे पांच दिनों तक मुकाबले में शुरू से ही अपना दबदबा बनाए रखा और इस सत्र में अपने अभियान का शानदार अंत किया। जम्मू कश्मीर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 584 रन बनाए थे, जिसके जवाब में कर्नाटक की टीम चौथे दिन पहले ही सत्र में 293 रनों पर सीमित हो गई थी।

विशाल बढ़त के बावजूद मेहमानों ने कर्नाटक को फॉलोऑन नहीं कराया : हालांकि जम्मू-कश्मीर को 291 रनों की मजबूत बढ़त मिली, लेकिन उसने कर्नाटक को फॉलोआन के लिए आमंत्रित करने के बजाय खुद दूसरी पारी में बल्लेबाजी का फैसला किया। मैच के पांचवें और अंतिम दिन जम्मू-कश्मीर ने जब अपनी दूसरी पारी 113 ओवरों में चार विकेट पर 342 रनों तक पहुंचाई थी, तभी दोनों कप्तानों ने मैच ड्रॉ करने पर सहमति जताई। उस वक्त जम्मू-कश्मीर की कुल बढ़त 633 रनों तक जा पहुंची थी।

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड

जम्मू-कश्मीर	584, 342
कर्नाटक	293

कर्नाटक में केएल राहुल सहित पांच अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी

जम्मू-कश्मीर 2013-14, 2019-20 और 2024-25 के सत्र में क्वार्टर फाइनल में पहुंचा था, पर इससे आगे बढ़ने में नाकाम रहा था। फिलहाल केएससीए स्टेडियम में पिछले पांच दिनों में किसी भी समय ऐसा नहीं लगा कि उसके खिलाड़ी पहली बार रणजी का फाइनल खेल रहे हैं। उसकी यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि प्रतिद्वंद्वी टीम में केएल राहुल, मयंक अग्रवाल, पडिक्कल, करुण नायर व प्रसिद्ध कृष्णा जैसे अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी हैं।

यह मेरे जीवन का सबसे बड़ा क्षण : कप्तान डोगरा

हुबली। जम्मू कश्मीर के कप्तान पारस डोगरा ने शनिवार को कहा कि उनकी टीम की रणजी ट्रॉफी में ऐतिहासिक जीत को बयां करने के लिए उनके पास शब्द नहीं है और यह उनके जीवन का सबसे बड़ा क्षण है। जम्मू कश्मीर ने कर्नाटक के खिलाफ फाइनल मैच ड्रॉ होने के बाद पहली पारी में बढ़त के आधार पर अपना पहला रणजी ट्रॉफी खिताब जीतकर इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया।

डोगरा ने मैच के बाद कहा सच कहूं तो मैं इसे शब्दों में बयान नहीं कर सकता, मेरे पास शब्द नहीं हैं। इस समय यह मेरे जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। विदा होने से पहले यह मेरे जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी। सच कहूं तो जेकेसीए (जम्मू कश्मीर क्रिकेट संघ) के साथ रहना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

उमर अब्दुल्ला ने दो करोड़ रुपये की घोषणा की

श्रीनगर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक रणजी ट्रॉफी जीत पर खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए दो करोड़ रुपये की नकद पुरस्कार राशि की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने इसे जम्मू-कश्मीर क्रिकेट के लिए बड़ी उपलब्धि करार देते हुए कहा कि इस उपलब्धि ने पूरे क्षेत्र को गर्व और प्रेरणा से भर दिया है। मुख्यमंत्री शुक्रवार को हुबली (कर्नाटक) पहुंचे थे, जहां उन्होंने जम्मू-कश्मीर टीम का उत्साहवर्धन किया।